प्रयागराज, रविवार, 27 नवम्बर, 2022

मार्ग शीर्ष, शुक्ल पक्ष 4, वर्ष 11, अंक 218, पृष्ठ 12, मूल्य: 5.00

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

प्रयागराज, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

नगर संस्करण

E-paper : www.jansandeshtimes.net | Portal : www.jansandeshtimes.news

अंदर- टी20 वर्ल्ड कप में पाक के खिलाफ खेली गई पारी को विराट ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन बताया

अंदर- प्रोफेसर रामनाथ : औपन्यासिक कलेवर में क्षेत्रीय यथार्थ का दस्तावेज

हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारा संविधान

संविधान प्रस्तावना के शब्द-एक आह्वान, प्रतिज्ञा और विश्वास है : पीएम मोदी

नई दिल्ली। 26 नवंबर को हर साल देश में संविधान दिवस के तौर मनाया जाता है। साल 1949 में संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को 26 नवंबर को ही अपनाया गया था। इस मौके पर दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना के पहले तीन शब्द- वी द पीपुल्स केवल शब्द नहीं हैं, ये एक आह्वान, एक प्रतिज्ञा और एक विश्वास है।

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया भारत को बहुत उम्मीदों से देख रही है, एक ऐसा देश जिसके बारे में आशंका जताई जाती थी कि वो अपनी आजादी बरकरार नहीं रख पाएगा। आज वही देश पूरी सामर्थ्य से अपनी सभी विविधताओं पर गर्व करते हुए यह देश आगे बढ़ रहा है और इसके पीछे हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारा संविधान है। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान निमार्ताओं ने हमें एक ऐसा संविधान दिया है, जो ओपेन व फ्यूचरिस्टिक है और अपने आधुनिक विजन के लिए जाना जाता है। इसलिए स्वाभाविक तौर पर हमारे संविधान की स्पिरिट यूथ सेंट्रिक है।

संविधान दिवस

हमारे संविधान की स्पिरिट है यूथ सेंट्रिक

65 हजार कानून के शब्दों की शब्दावली तैयार

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की मदर आफ डेमोक्रेसी के रूप में जो पहचान है, हमें उसको और भी अधिक सशक्त करना है। हमारे संविधान की स्पिरिट यूथ सेंट्रिक है। आज संविधान दिवस पर मैं देश की न्यायपालिका से एक आग्रह भी करूंगा कि युवाओं में संविधान को लेकर समझ बढ़े इसके लिए डिबेट और डिस्कशन को बढ़ाना चाहिए। पीएम मोदी ने आगे कहा कि प्रो पीपुल की ताकत से आज देश का सशक्तिकरण हो रहा। सामान्य मानवी के लिए कानूनों को सरल बनाया जा रहा है। आजादी का ये अमृत काल देश के लिए कर्तव्य काल है। व्यक्ति हों या संस्थाएं हमारे दायित्व ही हमारी पहली प्रतिज्ञा हैं। कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, ह्वविधायी विभाग ने 65,000 कानून के शब्दों वाली एक शब्दावली तैयार की है। हमारी योजना इसे डिजिटाइज करने की है जिसे जनता आसानी से इस्तेमाल कर सके। क्षेत्रीय भाषाओं में प्रकाशित कानूनी शब्दावलियों को एकत्र, डिजिटाइज करने और जनता के लिए उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। किरेन रिजिजू ने कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने पूर्व सीजेआई एस.ए. बोबडे की अध्यक्षता में भारतीय सामाजिक समिति का गठन किया है। यह समिति क्षेत्रीय भाषाओं में कानूनी सामग्री का अनुवाद करेगी और सभी भारतीय भाषाओं के लिए एक सामान्य शब्दावली बनाएगी।

संविधान के लिए एकता की राह पर चलता रहूंगा: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि जब तक संविधान के हर शब्द का पालन नहीं किया जाता, वे एकता की राह पर चलते रहेंगे। वहीं पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संविधान जीने का एक जरिया है और इसकी भावना हमेशा समान रहती है। संविधान सभा ने 1949 में आज ही के दिन भारत का संविधान अपनाया था, इसलिए 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रूप में मनाया जाता है। गांधी ने ट्वीट किया कि जब तक हमारे संविधान के हर शब्द का पालन नहीं किया जाता और हर नागरिक की निष्पक्षता एवं न्याय के जरिए रक्षा नहीं की जाती, मैं इस मार्ग पर चलता रहूंगा। खड़गे ने बाबासाहेब आंबेडकर के शब्दों को याद करते हुए कहा कि संविधान केवल वकीलों का कोई दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह जीने का एक साधन है और इसकी भावना सदैव समान रहती है। कांग्रेस प्रमुख ने ट्वीट किया कि संविधान सभा के सभी महान नेताओं के बहुमूल्य योगदान को हम याद करते हैं। सभी देशवासियों को संविधान दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं!देश में 2015 से 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के तौर पर मनाया जाता है। इससे पहले इस दिन को 'कानून दिवस' के तौर पर मनाया जाता था।

संविधान जीने का एक जरिया है: खड़गे

महिला कुछ न भी पहने तो भी अच्छी लगती है : रामदेव

मुंबई। योग गुरु स्वामी रामदेव एक बार फिर विवादों में आ गए हैं। दरअसल, पुणे में आयोजित एक योग शिविर के दौरान उन्होंने कहा कि महिलाएं साड़ी, सलवार और सूट में भी अच्छी लगती हैं, मेरी तरह कुछ ना भी पहने तो भी अच्छी लगती हैं। हैरान करने वाली बात यह है कि रामदेव जब यह बात कह रहे थे, तब राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पत्नी अमृता संग वहां मंच पर मौजूद थे।

अब रामदेव का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालिवाल ने भी इस बयान की निंदा की है। उन्होंने वीडियो अपने ट्विटर हैंडल पर साझा करते हुए कहा, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री की पत्नी के सामने स्वामी रामदेव द्वारा की गई टिप्पणी अमर्यादित और निंदनीय है। इस बयान से सभी महिलाएं आहत हुई हैं, बाबा रामदेव को इस बयान पर देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री जी की पत्नी के सामने स्वामी रामदेव द्वारा महिलाओं पर की गई टिप्पणी अमर्यादित और निंदनीय है। इस बयान से सभी महिलाएँ आहत हुई हैं, बाबा रामदेव जी को इस बयान पर देश से माफी माँगनी चाहिए!

ये कैसी टिप्पणी

महिलाओं पर टिप्पणी कर विवादों में घिरे बाबा रामदेव, मचा बवाल, मंच पर फडनवीस पत्नी संग थे मौजूद

गंगा में फिर हुआ बड़ा हादसा

नाव में सवार 34 सैलानियों से भरी नाव पलटी, पति-पत्नी गंभीर

वाराणसी। गंगा में शनिवार को फिर एक बड़ा नाव हादसा होने से बचा। नाव के अंदर लकड़ी का पटरा अचानक टूटने से उसमें पानी भरने लगा। ऐसे में नाव सवारों में भगदड़ मच गयी। लेकिन मौके पर पहुंचा बचाव दल ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि इस दौरान दो पर्यटक गंगा में बचने के लिए कूद गये, जिन्हें बचाया गया और इलाज के लिए बीएचयू अस्पताल में भर्ती कराया गया। पूरी घटना का कमिश्नरेट पुलिस ने संज्ञान में लिया और आरोपी नाव संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया गया।

जानकारी के अनुसार, दक्षिण भारत के 34 यात्रियों का समूह गंगा में नौकायन करने निकला। केदार घाट के रहने वाले अमित साहनी के नाव में सभी सवार हुए। दरभंगा घाट से उस पार रेती की तरफ जाते समय शनिवार की सुबह नाव में अचानक पानी भरने लगा। पुरानी नाव होने के कारण नाव में धीरे धीरे पानी भरने लगा। यात्रियों ने शोर मचाया। आरोप है कि इस दौरान नाविक कूद कर भाग निकला। चीख पुकार सुन समय पर मल्लाह और जल पुलिस पहुंच गई। इस वजह से सभी को तुरंत बचा लिया गया। बीएचयू अस्पताल पहुंचे जिलाधिकारी एस राजलिंगम ने बताया कि नाव दुर्घटना के शिकार पति पत्नी आदित्य नारायण और ओपी विजया का इलाज किया जा रहा है। अब वो पूरी तरह से ठीक हैं। डीएम ने अस्पताल में सीएमओ डॉ.संदीप चौधरी और बीएचयू के सीएमएस डॉ.केके गुप्ता से इलाज के बाबत पूछताछ की। उन्होंने निर्देश दिया कि अगर किसी प्रकार कि सहायता की जरूरत होगी तो उन्हें तुरंत बताया जाए।

वहीं इस घटना को लेकर कांग्रेस ने इसे प्रशासनिक लापरवाही बतायी। कांग्रेस प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा कि ये प्रशासनिक विफलता है, साथ ही लापरवाही भी। अस्पताल में भर्ती दक्षिण भारतीय पर्यटक पी आदित्यनारायण और पी विजया का अजय राय ने पहुंचकर कुशलक्षेम जाना। वहीं दूसरी तरफ सपा ने भी प्रशासन पर निशाना साधा। सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा और पूजा यादव ने कहा कि पर्यटकों के प्रति जिला प्रशासन को सचेत रहना चाहिए। सपा का दल अस्पताल पहुंचा और दुर्घटना के शिकार दोनों लोगों से मिलकर सांत्वना दी। स्मरणीय है कि पिछले जुलाई में गंगा में नाव पलटने से 34 लोग डूबने से बचे थे।

नाव हादसा

नाविक के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

कांग्रेस ने बतायी प्रशासनिक लापरवाही वहीं सपा भी मुखर

हिंदी भाषा के विरोध में सुसाइड, किसान ने किया आत्मदाह

तमिलनाडु। दक्षिण भारत में एक बार हिंदी भाषा के विरोध में सुर दिखाई दे रहे हैं। तमिलनाडु के सलेम जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 85 वर्षीय किसान ने हिंदी भाषा का विरोध करते हुए आत्मदाह कर लिया। प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी डीएमके के एक पूर्व कृषि संघ के आयोजक थंगावेल (85) ने आज सुबह मेट्टूर के बगल में थलाइयुर में डीएमके पार्टी कार्यालय के सामने हिंदी थोपने का विरोध किया. आज सुबह करीब 11 बजे उन्होंने पहले अपने शरीर पर पेट्रोल डाला और फिर खुद को आग लगाकर सुसाइड कर लिया। 85 वर्षीय थंगावेल सीएम स्टालिन की पार्टी डीएमके के सक्रिय सदस्य थे और हिंदी के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे। थंगावेल हिंदी के माध्यम से शिक्षा और हिंदी की पढ़ाई को लेकर केंद्र सरकार के कथित कदम से परेशान थे। आत्मदाह से पहले थंगावेल ने एक बैनर में लिखा, "मोदी सरकार, केंद्र सरकार, हमें हिंदी नहीं चाहिए, हमारी मातृभाषा तमिल है, हिंदी विदूषकों की भाषा है। हिंदी भाषा थोपने से छात्रों के जीवन पर असर पड़ेगा, हिंदी से छुटकारा मिलेगा। हिंदी से छुटकारा, हिंदी से छुटकारा। खुद को आग में झोंकने के तुरंत बाद थंगावेल की मौके पर ही मौत हो गई।

आफताब 13 दिन की न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली। श्रद्धा वालकर मर्डर केस के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला की पुलिस कस्टडी खत्म हो गई है। दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार (26 नवंबर, 2022) अब उसे 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। आफताब को अम्बेडकर अस्पताल से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। बताया जा रहा है कि आफताब को आज ही दिल्ली की तिहाड़ जेल भेजा जाएगा। वहीं आफताब का 28 नवंबर को नार्को टेस्ट हो सकता है। आफताब पूनावाला को शनिवार सुबह 10 बजे दिल्ली के अंबेडकर अस्पताल ले जाया गया था। वहां उसका मेडिकल करवाया गया था। इसके बाद दोपहर ढाई बजे के करीब दिल्ली पुलिस आफताब को लेकर फिर से अंबेडकर अस्पताल पहुंची थी। यहां उसे एक कमरे में रखा गया था। इसी दौरान उसकी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी कराई गई।सूत्रों ने शनिवार को बताया कि श्रद्धा वालकर की हत्या के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला का नार्को टेस्ट 28 नवंबर को किया जा सकता है। दिल्ली पुलिस ने पहले बताया था कि पीड़िता के शव का डीएनए टेस्ट रिपोर्ट पुलिस को नहीं मिली है। विशेष पुलिस आयुक्त सागर प्रीत हुड्डा ने बताया कि डीएनए परीक्षण रिपोर्ट (पीड़ित के शरीर के अंगों की) अभी पुलिस को नहीं मिली है।इससे पहले शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने पुष्टि की थी कि आफताब का पॉलीग्राफ टेस्ट नहीं कराया जा सका है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सीपी (लॉ एंड ऑर्डर) सागर प्रीत हुड्डा ने बताया था किआरोपी आफताब अमीन का पॉलीग्राफ टेस्ट आज नहीं हो सका।

28 को हो सकता है उसका नार्को टेस्ट

लड़कियों-महिलाओं को ब्लैकमेल करने वाला टिकटॉक स्टार गिरफ्तार

मुंबई। खुद को राजस्थान के रजवाड़े खानदान का बता कर लड़कियों और महिलाओं से दोस्ती कर उनके प्राइवेट फोटोज मांग कर उन्हीं तस्वीरों से महिलाओं को ब्लैकमेल करने वाले एक टिकटॉक स्टार को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम राजवीर सिंह उर्फ देवासी है और उस पर आरोप है कि उसने एक या दो नहीं बल्कि 50 से ज्यादा महिलाओं को अपना शिकार बनाया। आखिरकार एक पीड़िता की शिकायत पर गोरेगांव पुलिस ने टिकटॉक स्टार देवासी को गिरफ्तार किया है। मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला आरोपी टिकटॉक स्टार राजवीर सिंह (देवासी) महिलाओं को फंसाने के लिए अलग तरीका अपनाता था।

वह इन्स्टाग्राम पर राजस्थान के रजवाड़े की शाही पोशाक में अपनी तस्वीरें पोस्ट किया करता था। इसके बाद वो लड़कियों को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजा करता था। उसे राजघराने का समझकर कई लड़कियां और महिलाएं उसके झांसे में आ जाती थी। इसके बाद राजवीर उन लड़कियों और महिलाओं से निकटता बढ़ाता था। इसके बाद वो उनसे कुछ निजी तस्वीरें मांगा करता था। फिर जब वे इसे अपनी तस्वीरें भेज देती थीं। तो वह उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल कर देने की धमकी देते हुए उनसे पैसे ऐंठता था।

योगी आदित्यनाथ ने आप पर किए कड़े प्रहार केजरीवाल को बताया आतंकवाद समर्थक

गिर सोमनाथ। गुजरात में पांच दिन बाद होने वाले पहले चरण के चुनाव के लिए सियासी दलों ने वोटरों को रिझाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है भाजपा कांग्रेस और आप समेत राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता रैलियां रोड शो और घर घर जाकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं शनिवार को गिर सोमनाथ जिले के वेरावल में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस और आप पर कड़े प्रहार किऐ योगी आदित्यनाथ ने आप पर प्रहार करते हुए कहा कि गुजरात में दिल्ली से आया नमूना आतंकवाद का सबसे बड़ा समर्थक है जो अयोध्या में राम मंदिर का विरोध करता है और जब भारतीय सेना पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक करती है तो भारतीय जवानों से इसका सबूत मांगता है जबकि पाकिस्तान चीख चीख कर कह रहा है कि भारतीय सैनिकों ने हमारी कमर तोड़ दी है इसके बावजूद आम आदमी पार्टी को सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत चाहिऐ उन्होंने कहा कि आतंकवाद और भ्रष्टाचार आप के जीन्स का हिस्सा है ऐसे भ्रष्टाचारी और आतंकवाद के समर्थकों को वोट देकर गुजरात की जनता अपने वोट को कलंकित ना करें योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने कभी सरदार वल्लभभाई पटेल का सम्मान नहीं कियो लेकिन मोदी सरकार ने सरदार पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कर उन्हें सच्चा सम्मान किया है योगी ने कहा कि कांग्रेस और आप ना तो जनता का सम्मान करती हैं और ना ही उनकी सुरक्षा कर सकती हैं कांग्रेस मुस्लिम वोट बैंक के लिए कभी भी आपकी आस्था का सम्मान नहीं करेगी उन्होंने सवाल किया कि आपकी आस्था के साथ खिलवाड करने वाली कांग्रेस को गुजरात की जनता वोट देगी? कांग्रेस ने कभी भी डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर को सम्मान नहीं दियो बाबा साहेब आंबेडकर चुनाव में हराने के लिए कांग्रेस ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी

इसरो ने 9 नैनो सैटेलाइट के साथ श्रीहरिकोटा स्पेस सेंटर से लांच किया पीएसएलवी-सी54

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो ने शनिवार को श्रीहरीकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर के लॉन्च पैड से वन ओशनसैट-3 सैटेलाइट लॉन्च किया। लॉन्चिंग पीएसएलवी-एक्सएल रॉकेट से की गई। इसके साथ 8 नैनो सैटेलाइट्स लॉन्च किए गए हैं। इसरो ने पीएसएलवी सी54/ईओएस 06 लॉन्च किया है इसे ओशनसैट-3 के नाम से भी जाना जाता है। रॉकेट का प्राथमिक पेलोड एक ओशनसैट है जिसे कक्षा-1 में अलग किया जाएगा। जबकि आठ अन्य नैनो-उपग्रहों को आवश्यकताओं (सूर्य-तुल्यकालिक ध्रुवीय कक्षाओं में) के आधार पर विभिन्न कक्षाओं में रखा जाएगा। इसरो का यह मिशन वैज्ञानिकों द्वारा किए गए सबसे लंबे समय तक चलने वाले मिशनों में से एक होगा। इसरो ने कहा कि अंतिम पेलोड पृथक्करण 528 किमी की ऊंचाई पर होने की उम्मीद है। अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट-6 ओशनसैट श्रृंखला में तीसरी पीढ़ी का उपग्रह है। यह उन्नत पेलोड विनिदेर्शों के साथ-साथ अनुप्रयोग क्षेत्रों के साथ ओशनसैट -2 अंतरिक्ष यान की निरंतरता सेवाएं प्रदान करना है।

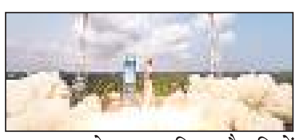

मिल में आग लगते ही दूसरी मंजिल से कूदा चीफ इंजीनियर, दर्दनाक मौत

मेरठ। परतापुर थानाक्षेत्र में मोहिद्दीनपुर मिल में शनिवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। मिल से धुआं उठता देख हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस व फायर बिग्रेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार अभी तक की पूछताछ में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। आग लगने से कई मजदूर झुलस गए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं आग लगने से मिल के चीफ इंजीनियर नरेंद्र कुशवाहा की हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। आग लगने से आसपास की फैक्टरियों में काम कर रहे मजदूरों में भी हड़कंप मच गया। फिलहाल आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है।

दबे पांव फिर से किसान आंदोलन करने की तैयारी

चंडीगढ़। पंजाब में 33 किसान संघों ने कृषि कानूनों के खिलाफ हुए आंदोलन की दूसरी वर्षगांठ के मौके पर मोहाली के गुरुद्वारा श्री अंब साहिब में रैली का आयोजन हुआ। इस रैली में राज्य भर के हजारों किसानों ने हिस्सा लिया। रैली में भारी संख्या में महिलाएं भी शिरकत करने पहुंची हैं। बता दें कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के दो साल पूरे होने के मौके पर किसान संघ देश भर में राजभवनों तक मार्च निकाल रहे हैं। किसान नेताओं ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार का अपने वादों को पूरा करने का कोई इरादा नहीं है इसकारण एक बड़े आंदोलन की जरूरत है। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) ने केंद्र पर लंबित मांगें पूरी नहीं करने का आरोप लगाया है। जोगिंदर सिंह उग्राहां दर्शन पाल और हरिंदर सिंह लखोवाल ने कहा है कि केंद्र सरकार ने अभी भी किसानों की मांगों को पूरा नहीं किया है।

शराब घोटाले में ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

लगभग 3,000 पेज की है चार्जशीट जिसमें दर्ज हैं अभियुक्तों के बयान

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाला मामले में मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय ने अपनी पहली चार्जशीट दाखिल की है। इसमें शराब कारोबारी समीर महेंद्रु को आरोपी बनाया गया है। ईडी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि महेंद्रू के अलावा, अभियोजन पक्ष की शिकायत में दो अन्य व्यक्तियों को भी लिस्ट में शामिल किया गया है। बता दें कि चार्जशीट लगभग 3,000 पेज की है जिसमें अभियुक्तों के बयान दर्ज हैं।

बता दें कि अधिकारियों ने कहा कि आरोपपत्र में धनशोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) की धाराएं लगाई गई हैं। एजेंसी ने चार्जशीट में कहा कि जांच में अब तक 169 तलाशी अभियान चलाए गए। मालूम हो कि यह मामला दिल्ली के उपराज्यपाल की सिफारिश पर दर्ज हुए सीबीआई की एक प्राथमिकी पर संज्ञान लेने के बाद दायर किया गया था। बता दें कि सीबीआई जांच की सिफारिश जुलाई में दर्ज की गई दिल्ली के मुख्य सचिव की रिपोर्ट के नतीजों पर की गई थी। इस रिपोर्ट में जीएनसीटीडी अधिनियम 1991, व्यापार नियम (टीओबीआर) -1993, दिल्ली आबकारी अधिनियम -2009 का प्रथम द्दष्टया उल्लंघन दिखाया गया था। अभी तक ईडी ने इस मामले में अब तक कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। समीर महेंद्रु को प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ के बाद 27 सितंबर को गिरफ्तार किया था।बता दें कि दिल्ली शराब नीति घोटाले में ईडी के अलावा सीबीआई ने भी इस सप्ताह की शुरूआत में चार्जशीट दाखिल किया है। सीबीआई ने शुक्रवार (25 नवंबर, 2022) को अपने आरोप पत्र में कुल 7 लोगों का नाम शामिल किया है। वहीं चार्जशीट में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया का नाम इसमें शामिल नहीं है। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल की गई चार्जशीट में विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, समीर महेंद्रू, मुत्तथा गौतम, अरुण आर पिल्लई के नाम शामिल हैं। बता दें कि सीबीआई चार्जशीट में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का नाम नहीं है, ऐसे में अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि मनीष सिसोदिया को बदनाम किया जा रहा है। हालांकि सीबीआई का कहना है कि चार्जशीट में हमने कहा है कि इस मामले में अभी हमारी जांच चल रही है और हम प्राथमिकी में उल्लिखित अन्य व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर रहे हैं।

कार्रवाई

समीर महेंद्रु को बनाया गया आरोपी

कांग्रेस ने भाजपा के संकल्प पत्र को बताया 'धोखा पत्र'

अहमदाबाद। गुजरात भाजपा के संकल्प पत्र पर कांग्रेस की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है गुजरात प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव गांधी भवन में पत्रकार परिषद में पाटीर्के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने भाजपा के ह्यसंकल्प पत्रह्व को ह्यधोखा पत्रह्व बताया और कहा कि वर्ष 2017 में भी भाजपा ने इसी प्रकार वादों की रेवडियां बांटी थीं लेकिन उसमें से 70 प्रतिशत वादे भी भाजपा सरकार पूरे नहीं कर पाई इसके लिए माफी मांगने के बजाए भाजपा ने 2022 के संकल्प पत्र में फिर एक बार झूठे वादे किए हैं इसीलिए हम कहते हैं यह भाजपा का संकल्प पत्र नहीं बल्कि धोखा पत्र है भाजपा के संकल्प पत्र में केवल झूठे वादे और आंकडों के खेल है उन्होंने कहा कि गुजरात में भाजपा जब सत्ता में आई थी तब राज्य पर केवल 10000 करोड़ रुपए का कर्ज था जो आज बढ़कर 4 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया है भाजपा ने अपने 2022 के संकल्प पत्र में गुजरात को ड्रग्स और नशाखोरी से मुक्त करने भ्रष्टाचार विरोधी कानून के लिए 22 पेपर लीक होने की घटना भविष्य में पुनरावर्तन ना हो इसकी कोई बात नहीं की भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में ना तो महंगाई और मोरबी के ह्यमह्व का उल्लेख तक नहीं कियो मोरबी दुर्घटना के मुख्य आरोपी अब भी सरकार की मेहरबानी से आजाद है घूम रहे हैं अब चर्चा यह हो रही है कि वह विदेश चले गए हैं उन्होंने कहा कि गुजरात की इकोनोमी एक ट्रीलियन डॉलर करने के दावे करने वालों को पता ही नहीं है कि एक ट्रीलियन में कितने शून्य होते हैं वास्तव में गुजरात का डीएनए वर्षों से डेवलपमेंट का रहा है दूसरे देशों में जब साहस नहीं था तब आफ्रीका और यूरोप में भी गुजराती बगैर किसी अत्याधुनिक सुविधाओं के समुद्री जहाज से व्यापार करते थे ऐसे उद्यमी गुजरातियों ने ही यह गुजरात बनायाहै गुजरात में वर्षों से व्यापारी निर्यात कर रहे हैं भले वह राजकोट के इंजीनियरींग उद्योग हो अहमदाबाद का कपड़ा उद्योग हो या वापी का कैमिकल उद्योग हो गुजरात की इकोनोमी गुजरात के नागरिकों के त्याग समर्पण और मेहनत की वजह से गर्व करने वाली स्थिति में है सरकार को बताना चाहिए कि एक साल में कितना निर्यात बढ़ा है?

एक आंकड़े के मुताबिक पिछले एक साल में चीन से आयात दोगुना हुई है भाजपा के संकल्प पत्र में 19 नई यूनिवर्सिटी बनाने की बातें की गई हैं परंतु पिछले वर्षों में एक भी नई सरकारी यूनिवर्सिटी नहीं बनाई गईं इसी प्रकार 27 साल के शासन में भी एक भी नई सरकारी मेडिकल कॉलेज बनाई नहीं गईं कोरोना से मारे गए मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए मुआवजा देने और लोगों को मुफ्त दवाईयां देने के बारे में भाजपा के संकल्प पत्र में कोई उल्लेख नहीं है कोरोना के संदर्भ में हाईकोर्ट के मुआवजा संबंधी आदेशों का भी भाजपा सरकार ने नजरअंदाज किया है 2017 के भाजपा के संकल्प पत्र में किसानों की आय दोगुनी करने का दावा किया गया थो किसानों की आय दोगुनी तो नहीं हुए परंतु किसानों के लिए महंगे बीज सब्सिडी की कम रकम और समर्थन मूल्य के मुकाबले उत्पादन खर्च दोगुनी हो गया है भाजपा ने मुफ्त उच्च शिक्षा व्यवस्था और अंतर्राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी बनाने की बात कही थी सूरत और वडोदरा में मेट्रो ट्रेन सेवा शुरू करने की बात कही थी स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम से ट्रैफिक मैनेज करने की बात की थी लेकिन इसमें केवल सीसीटीवी लगाए और घर-घर जुर्माना स्वरूप वसूली के लिए मेमो भेजे गए बंद पडी सहकारी संस्थाओं को पुनर्जीवित करने का दावा किया गया था लेकिन उसमें सरकारी हस्तक्षेप बढ़ा दिया गया।

पीडीए ने नाले पर किए गए अवैध कब्जे को ढहाया

अवैध अतिक्रमण हटाता जेसीबी

फाफामऊ। हथिगंहा नगर निगम क्षेत्र के प्रयागराज लखनऊ राजमार्ग पर सड़क के बगल बने नाले पर कुछ लोगों द्वारा किए गए अवैध कब्जे को शनिवार को पीडीए के जोनल अधिकारी अमरजीत यादव के नेतृत्व में पीडीए कर्मियों ने बुलडोजर लगाकर अवैध कब्जे को ढहा दिया। पीडीए द्वारा की गई धवस्तीकरण के कार्रवाई में अवैध कब्जा धारकों में अफरा तफरी का माहौल रहा। हथिगंहा में प्रयागराज लखनऊ राजमार्ग पर सड़क के बगल बने नाले पर अवैध कब्जा कर लिया था जिससे बस्ती के कई घरों में पानी भर जाता था। ग्रामीणों ने मुख्य मंत्री पोर्टल पर अवैध कब्जे की शिकायत की थी जिस पर शनिवार को दोपहर में पीडीए का अतिक्रमण दल का दस्ता भारी पुलिस बल के साथ पहुंचकर नाले पर किए गए हृदय लाल मौर्य, राजनारायण मौर्य, विक्रम मौर्य द्वारा किए गए अवैध कब्जे को बुलडोजर लगा कर ढहा दिया।

मुक्त विश्वविद्यालय ने लिया संविधान की प्रस्तावना का संकल्प

फाफामऊ। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में शनिवार को संविधान दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, सभी निदेशकों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं ने संविधान की आत्मा के रूप में संविधान की प्रस्तावना का संकल्प लिया। विश्वविद्यालय के प्रदेश में स्थित सभी क्षेत्रीय केंद्रों पर भी संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान मे "भारतः लोकतंत्र की जननी विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता डॉ त्रिविक्रम तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान ने इस विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि भारत वास्तविक अर्थों में लोकतंत्र की जन्मस्थली रहा है। विश्व का प्राचीनतम लोकतंत्र भारत में वैशाली के लिच्छवी के रूप में प्राप्त होता है।

संविधान दिवस पर बच्चो को दिलाई गई शपथ

शंकरगढ़। राजा कमलाकर इंटर कॉलेज शंकरगढ़ प्रयागराज में भारतीय संविधान दिवस मनाया गया। विद्यालय के हेड ब्वाय अंजनीश सिंह वॉइस हेड ब्वाय अंकुश हेड गर्ल सुहानी केसरवानी व वॉइस हेड गर्ल हर्षिता सिंह द्वारा माननीय प्रधानाचार्य जी को भारतीय संविधान की पुस्तक भेंट की गई । विद्यालय के शिक्षक प्रदीप कुमार सिंह द्वारा सभी बच्चो को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई। संविधान दिवस पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक रामबोध खरवार व अजय कुमार ने संविधान निर्माण ,मूल अधिकार, मूल कर्तव्य ,राज्य के नीति निदेशक तत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। प्रधानाचार्य एपी सिंह ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान समता, स्वतंत्रता व बंधुत्व पर आधारित है । यह हमें जीने का हक दिलाता है । डॉक्टर भीमराव अंबेडकर संविधान के प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे। इन्हें ही संविधान का निमार्ता कहा जाता है। 26 नवंबर सन 1949 को संविधान बनकर तैयार हो गया और इसे 26 जनवरी सन 1950 को लागू किया गया था 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में भारतीय संविधान बनकर तैयार हुआ। कार्यक्रम का संचालन ओपी धारिया ने किया। कार्यक्रम में रामबोध खरवार, अजय कुमार, अर्जुन सिंह तोमर, वकील प्रसाद शुक्ला, पन्ने लाल, अजय प्रताप सिंह, प्रदीप कुमार आदि रहे।

मऊआइमा में लगा विद्युत शिविर, बढाए गए लोड, लाखों की हुई वसूली

विद्युत शिविर में उपस्थित लोग

मऊआइमा। मऊआइमा नगर पंचायत कार्यालय में शनिवार को एक विधुत शिविर लगाया गया । जिसमें पावरलूम मालिकों ने अपने अपने कारखानों का लोड बढवाया। और विधुत विभाग ने लाखों की वसूली भी की। मऊआइमा नगर पंचायत कार्यालय में विधुत विभाग के एसडीओ नवीन कुमार यादव ,अवर अभियंता गदाईपुर मुकेश कुमार मौर्या तथा गुलकाईपुर उप केन्द्र के अवर अभियंता प्रमोद कुमार सरोज ,लिपिक उमेश चन्द्र, पिंटू सिंह लाइन मैन लालचन्द्र ,अशोक कुमार आदि ने मऊआइमा नगर पंचायत के अलावा बागी, बटहा, मरखामऊ आदि ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे पावरलूम कारखानों में से 42 कारखाना मालिकों का लोड बढवाए तथा चार लाख पचपन हजार दो सौ की वसूली भी की गई। । इस अवसर पर एस डीओ नवीन कुमार यादव ने सभी उपभोक्ताओं से अपील किए कि ओवरलोड कारखाना मालिकों तथा दुकानदार, घरेलू उपभोक्ता अपना लोड बढवा लें। कटियामारी से परहेज करें तथा बाईपास कतई न चलाएं। पकडे जाने पर सख्त कार्यवाही होगी। इस अवसर पर पावरलूम बुनकर एसोसिएशन के अध्यक्ष शोएब अंसारी, उपाध्यक्ष मोहम्मद दानिश, मोहम्मद रईस, मोहम्मद सलीम अंसारी ,शाहिद अख्तर, अकील अहमद, रसीद अहमद, नवील अख्तर आदि भी मौजूद थे और विधुत विभाग का सहयोग भी किए।

समारोह 'मुस्कान - स्प्रेडिंग लाइट फॉरेवर' का आयोजन

फाफामऊ। गंगागुरूकुलम के विवेकानन्द सभागार में वार्षिक समारोह 'मुस्कान - स्प्रेडिंग लाइट फॉरेवर' का आयोजन बडे.ही उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथ सांसद केशरी देवी पटेल ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में पतंजलि समूह की सचिव डा. कृष्णा गुप्ता, कोषाध्यक्ष रवीन्द्र गुप्ता, रेखा बैद्य सम्मिलित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन किया गया एवं विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा माँ सरस्वती की वन्दना का सस्वर वाचन किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या माधुरी श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया पतंजलि समूह की सचिव डॉ0 कृष्णा गुप्ता ने केसरी देवी पटेल को शाल भेंट देकर सम्मानित किया। इसी श्रृंखला में विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम कक्षा चार एवं पाँच के विद्यार्थियों द्वारा लघु नाटिका का आयोजन किया गया विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया भावपूर्ण रूप से दशार्या गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की अन्तिम कड़ी में कक्षा नौ से ग्यारह तक के विद्यार्थियों ने बैंगबैश का आयोजन कर अपनी कला का प्रदर्शन किया तथा खूब तालियॉ बटोरीं। इसके बाद विद्यालय की सचिव डॉ कृष्णा गुप्ता ने अपने सम्बोधन द्वारा सभी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन किया। उन्होंने शिक्षा को अत्यन्त महत्वपूर्ण बताया और शिक्षा के केन्द्र में बच्चों को रखते हुए विद्यालय को शिक्षा का मूल कहा। उन्होंने बच्चों को चारो ओर उजाला फैलाने वाले प्रकाश के रूप में बताया एवं अतिथि केशरी देवी के विषय में कहा कि उन्होंने असहाय लोगों के लिए बहुत कार्य किये हैं। मुख्य अतिथ केशरी देवी पटेल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रशंसा की बच्चों को देश का भविष्य एवं देश का गौरव कहा। उन्होंने सभी को काशी तमिल समागम के विषय में जानकारी दी एवं स्वच्छता के प्रति सभी को जागरूक किया।

संक्षेप

तमंचा-कारतूस के साथ बारा पुलिस के हत्थे चढ़ा अभियुक्त

बारा। बारा थाने की पुलिस ने एक अभियुक्त को 315 बोर के तमंचा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी का चालान भेज दिया गया है। बारा थाने के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि थाने की टीम ने मुखबिर की सूचना पर सुरेश कुमार पुत्र स्व. लालचंद्र बिंद (निवासी ग्राम नीबी, बारा) को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 315 बोर का तमंचा, कारतूस बरामद हुई है। गिरफ्तार करने वाले दरोगा कौशलेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि अभियुक्त के खिलाफ सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर चालान भेज दिया गया है।

अमर शहीद गिरीश कुमार शुक्ल स्मारक गुरुकुलम पब्लिक स्कूल हनुमानपुर का शैक्षिक भ्रमण रवाना

करछना। अमर शहीद गिरीश कुमार शुक्ल स्मारक गुरुकुलम पब्लिक स्कूल हनुमान पुर के छात्र-छात्राओं का दो दिवसीय शैक्षिक भ्रमण शनिवार को बस द्वारा रवाना हुआ। यह जानकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रकाश नारायण द्विवेदी ने दी है। उन्होंने बताया कि ज्ञानार्जन हेतु शैक्षणिक भ्रमण में छात्र-छात्राओं के सहित शिक्षक व शिक्षिकाएं शामिल है। जिसमें प्रयागराज के दर्शनीय स्थल सहित श्रृंगवेरपुर धाम प्रतापगढ़ के मनगढ़ दार्शनिक स्थलो का भ्रमण कराके रविवार शाम को वापसी होगी।

नगर निगम कूड़ा गाड़ी के चालक को पीटा

नैनी। नैनी थाना क्षेत्र के कॉटन मिल तिराहे के समीप शनिवार को नगर निगम की कूड़ा ढोने वाली गाड़ी से स्कूटी गिर जाने से अज्ञात लोगों ने चालक को जमकर मारापीटा और मोबाइल फोन पर धमकी देते हुए 20 हजार रुपए की मांग की, जिससे चालक का परिवार दहशत में है। घटना के मामले में जोनल अधिकारी जे.पी मौर्या समेत कई कर्मचारी नैनी थाने पहुंचकर चालक की ओर से तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम के जोन संख्या-5 पर चालक के पद पर तैनात ललित कुमार गौतम शुक्रवार को कूड़ा गाड़ी लेकर बसवार प्लांट जा रहा था। उसी दौरान काटन मिल तिराहे के समीप खड़ी स्कूटी गिर गई, जिस पर तीन अज्ञात लोगों ने उसे जमकर मारा पीटा तथा मोबाइल फोन पर धमकी देते हुए 20 हजार रुपए की मांग की। इस घटना से भुक्तभोगी परिवार काफी डरा सहमा हुआ है। पुलिस मामले में जांच पड़ताल कर रही है।

विकास खंड स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता सम्पन्न छात्र छात्राएं हुए सम्मानित

उतरांव। नेहरू ग्राम भारती उद्योग इंटर कॉलेज सराय बंसी के प्रांगण में विकासखंड स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का मनमोहक समापन हुआ। पिछले महीने से लगातार विभिन्न खेलों के आयोजन विकासखंड सैदाबाद के विद्यालयों में आयोजित होने के बाद शुक्रवार को समापन का कार्यक्रम उपरोक्त विद्यालय में कराया गया ।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख सैदाबाद राजेंद्र पटेल ने अपने उद्बबोधन मे कहा कि मैं स्वयं विद्यालयों का दौरा करता रहता हूं मैंने पाया कि शिक्षा की गुणवत्ता में बहुत सुधार हुआ है । इसके लिए हम अपने शिक्षक, शिक्षिकाओं ,अनुदेशकों का आभार प्रकट करते हैं। बतौर विशिष्ट अतिथि के रुप में आए सैदाबाद के विकास खंड अधिकारी ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षकों को कार्यक्रम के शानदार प्रस्तुति के लिए धन्यवाद गया। ,साथ ही साथ बालक दास सरोज की पीटी टीम मलेथुआ के बच्चों की प्रस्तुति देखकर खंड विकास अधिकारी उत्साहित हो उठे । विकासखंड स्तर पर चैंपियन सानिया पाल को मिठाई खिलाकर व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी करने से नही चूके ।ब्लॉक स्तर पर जूनियर स्तर कबड्डी बालिका वर्ग में आराकला का प्रथम स्थान तथा द्वितीय स्थान बरेठी का रहा।वहीं प्राथमिक स्तर कबड्डी में बालिका वर्ग में दुमदुमा ने बाजी मारी ।कार्यक्रम के आयोजक खंड शिक्षा अधिकारी सैदाबाद अखिलेश यादव ने अंत में कार्यक्रम में आये हुए अतिथियों , शिक्षकों, अनुदेशकों, बच्चों तथा आयोजन में आए हुए सभी के प्रति आभार प्रकट किये। साथ ही साथ शिक्षक संकुल एवं अनुदेशको को प्रशस्ति पत्र दे करके सम्मानित भी किए। इस अवसर पर जूनियर शिक्षक संघ के अध्यक्ष श्याम किशोर सिंह, आयोजन स्थल के प्रबंधक रामप्यारे पाल, सत्यप्रकाश, देवराज सिंह, फूलचंद कनौजिया, शिव पूजन, जय सिंह, देवेंद्र सिंह, लक्ष्मी शंकर यादव, कन्हैया लाल , अशोक कुमार मौर्य, सूबेदार सिंह, धर्मराज सिंह, पुष्पा, श्रद्धा,सुषमा, अनुदेशक संदीप शुक्ला, राजेंद्र प्रजापति साहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

विद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया

सहसों। वीबीएस विधि महाविद्यालय बगई कला में प्रबंधक राजेश सिंह की अध्यक्षता में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा आज, 26 दिसंबर 2021 को संविधान दिवस है। पूरे देश में संविधान दिवस हर वर्ष 26 नवंबर को मनाया जाता है, क्योंकि आज ही के दिन भारतीय संविधान को संविधान सभा द्वारा औपचारिक रूप से अपनाया गया था। संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को संविधान को अपनाया था। हालांकि, भारतीय संविधान को 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया था। इसके बाद, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 125वीं जन्म-दिवस के अवसर पर वर्ष 2015 में 26 नवंबर को संविधान दिवस के तौर पर मनाये जाने की घोषणा की थी। तब से हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। नियंत्रक मदन मोहन मिश्र ने कहा संविधान दिवस के अवसर पर हमें न सिर्फ स्वतंत्र भारत का नागरिक होने की अहसास होता है बल्कि संविधान में उल्लिखित मौलिक अधिकारों से हमें अपना हक मिलता है और साथ ही लिखित मूल कर्तव्यों से हमें नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों की भी याद दिलाता है। इस मौके पर विद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

संविधान दिवस याद किए गए अंबेडकर

डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करते जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

खीरी। प्रयागराज के जार्जटाउन स्थित सोल्जर एकेडमी में संविधान दिवस के अवसर पर जन अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रहलाद मौर्य ने अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर मौजूद कार्यकर्ताओं को संविधान से संबंधित बातों को विस्तार से बताएं। प्रयागराज के जार्जटाउन स्थित सोल्जर एकेडमी में संविधान दिवस के अवसर पर जन अधिकार पार्टी के कार्यकर्ताओं ने डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्रों पर माल्यार्पण कर संविधान का प्रचार प्रसार व उसके महत्व को मौजूद कार्यकर्ताओं के बीच रखें। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष प्रहलाद मौर्य ने किया। संचालन राष्ट्रीय महासचिव अजीत प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम का आयोजन मंडल अध्यक्ष बबलू कुशवाहा ने किया। वही कार्यक्रम में ज्ञान प्रकाश मौर्य राष्ट्रीय प्रवक्ता, प्रदेश अध्यक्ष चंद्र सेन पाल, युवा प्रदेश अध्यक्ष पंकज विश्वकर्मा, जगत सिंह, ओमकार नाथ समेत दर्जनभर से अधिक पदाधिकारी मौजूद रहे।

खेल से मानसिक और शारीरिक विकास होता है : रिंकू ओझा

प्रतियोगिता

बी.एन.टी कॉलेज मेजारोड बना वॉलीबाल का चैम्पियन

विजेता टीम को पुरस्कार देते प्रभाशंकर उर्फ रिंकू ओझा

मेजा। क्षेत्र के रामनगर,डोरवा स्थित एक स्कूल के खेल मैदान पर डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए), प्रयागराज के तत्वावधान में विभिन्न श्रृंखलाओं में आयोजित की जाने वाली वर्तमान सत्र 2022-23 की पाँचवी सब जूनियर बालकों की ₹ वालीबाल लीग प्रतियोगिता ₹ संपन्न हुई। प्रतियोगिता का फाइनल मैच बीएनटी कॉलेज मेजारोड़ और वशिष्ठ सेवा संघ इंटर कॉलेज महेवाकला,मांडा के बीच तीन सेटों का खेला गया। जिसमें बी.एन.टी कॉलेज मेजारोड ने वशिष्ठ सेवा संघ इंटर कॉलेज महेवाकला,मांडा की टीम को 25 - 20 और 25 - 19 अंकों से हराकर पाँचवी सबजूनियर वॉलीबाल लीग प्रतियोगिता की शील्ड अपने नाम कर ली। प्रतियोगिता में कुल 8 टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के खेलें गए अन्य मैचों में बीएनटी कॉलेज मेजारोड़ ने वॉलीबाल क्लब मिश्रपुर की टीम को 25 - 18 और 25 - 20 अंकों से, वशिष्ठ सेवा संघ इंटर कॉलेज महेवाकला ने वॉलीबाल क्लब गौनोरा की टीम को 25 - 16 और 25 - 21 अंकों से, इंटर कॉलेज महेवाकला ने स्पोटिंग क्लब गरेथा की टीम को 25 - 18 और 25 -19 अंकों से, रेलवे स्टेशन मांडारोड़ ने मिश्रपुर को 25 - 22 और 25 - 20 अंकों से, स्पोटिंग क्लब गरेथा ने डी.कुमार पब्लिक स्कूल को 25 - 16 और 25 - 19 अंकों से, राम प्रताप इंटर कॉलेज सिरसा ने डी.कुमार पब्लिक स्कूल को 25 - 22 और 25 - 21 अंकों से, रेलवे स्टेशन मांडारोड़ ने वॉलीबाल क्लब गौनोरा की टीम को 25 - 23 और 25 - 21 अंको से हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। समापन समारोह की अध्यक्षता मेजबान विद्यालय के प्रबंधक राम मिलन पटेल ने की। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष प्रभाशंकर उर्फ रिंकू ओझा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि रिंकू ओझा ने विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी व व्यक्तिगत पुरस्कार वितरित करते हुए सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल से मानसिक और शारिरीक विकास होता है साथ ही इस तरह के आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाएं उभर कर सामने आती हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारें पूर्व वॉलीबाल खिलाड़ी व मिश्रपुर वॉलीबाल क्लब के अध्यक्ष टी.एन.सिंह ने उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किया। जिला वॉलीबाल संघ,प्रयागराज के महासचिव आर.पी. शुक्ला ने प्रतियोगिता को संपन्न कराने के लिए मेजबान विद्यालय के प्रबंधक, प्रधानाचार्य व समस्त स्टॉप तथा पधारें हुए समस्त खिलाड़ियों एवं दर्शकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। मेजबान विद्यालय के प्रधानाचार्य डी.राम.भारतीया ने सभी अतिथियों को बैच व माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। उक्त अवसर पर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के.पी.सिंह, प्रभाकर चौबे, दिनेश कुमार पटेल, रुद्रमणि द्विवेदी, असफाक अहमद, अनुज तिवारी, संतोष भास्कर, के.पी.कनौजिया, रंजय मिश्रा, पवन पटेल, राजेश यादव, धीरेंद्र वर्मा, माजिद अहमद, राकेश भास्कर, आदिल अंसारी आदि खिलाड़ी व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

साइबर क्राइम अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग

नैनी। न्यूड वीडियो कॉल ब्लैकमेलिंग साइबर क्राइम की वजह से पूरे देश में सोशल मीडिया पर लोग बहुत परेशान हैं। आम जनता को ब्लैकमेल करके रंगदारी वसूलने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को पत्र भेजा गया है । सरकार से सोशल मीडिया के बारे में एक गाइडलाइन तैयार करने की मांग की गई है ।

पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को बताया गया है कि एक ही फोटो लगाकर दर्जनों प्रोफाइल के जरिए फेसबुक और व्हाट्सएप पर लोगों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। पूरे देश में धन उगाही हो रही है। हजारों लाखों लोग इस ब्लैकमेलिंग के शिकार हो चुके हैं। ये ब्लैकमेलर लोगों को डराते हैं। धमकाते हैं। पैसा वसूली के लिए गुंडों को भेजकर आतंकित भी करते हैं। सोशल मीडिया पर शरीफ इज्जतदार लोगों का इन्होंने जीना दुश्वार कर दिया है। इन लोगों की ब्लैकमेलिंग भरी धमकियों से आजिज आकर आत्महत्या जैसी घटनाएं हो चुकी है।

इनकी ब्लैक मेलिंग से त्रस्त होकर बहुत से लोगों ने सोशल मीडिया से दूरी बना ली है। इस तरह के साइबर क्राइम फ्रॉड गिरोह की सरगना और अन्य लोगों को नहीं पकड़ा गया तो ये अपराधी पूरे देश में इसी तरह ब्लैक मेलिंग का आतंक फैलाए रहेंगे।

पत्र के द्वारा अवगत कराया गया है, कि पिछले दिनों साइबर क्राइम फ्रॉड गिरोह के अपराधियों ने नैनी निवासी वरिष्ठ पत्रकार विनय मिश्र से रंगदारी मांगी। व्हाट्सएप्प चैट के जरिये ब्लैकमेल किया गया। कई दिनों तक भयभीत रहने के बाद आखिरकार इस गिरोह के विरूद्ध साइबर क्राईम सेल, साइबर थाना क्राइम ब्रांच पुलिस लाइंस प्रयागराज कार्यालय में शिकायत की गई थी। सरकार से मांग की गई है, कि इस गिरोह के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करके व्यापक पैमाने पर विवेचना होनी चाहिए । ताकि साइबर क्राइम के अपराधी पकड़े जा सके।

मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल उत्तर प्रदेश पर भी शिकायत दर्ज करायी गई है। ब्लैक मेलिंग गिरोह के आतंक से त्रस्त भुक्तभोगी ने मांग की है, कि पूरे देश के पैमाने पर ब्लैक मेलिंग की हो रही इन घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल सख्त कदम उठाए जाएं। सोशल मीडिया के बारे में सरकार द्वारा गाइडलाइन तैयार की जाए ताकि फेसबुक और व्हाट्सएप के जरिए लोगों को ब्लैकमेल करने वालों को पकड़ा जा सके।

भुक्तभोगी ने कहा है, कि इस गिरोह का पदार्फाश होना बहुत जरूरी है। पुलिस को अनेक महत्वपूर्ण साक्ष्य दिए गए हैं। इन साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्तों को बड़ी आसानी से पकड़ा जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, गृह मंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के अलावा अन्य उच्च अधिकारियों को भी पत्र भेजकर उक्त संदर्भ में कार्यवाही की मांग की गई है।

तीन अलग अलग गांवों में मार पीट सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। तीन अलग अलग गांवों में मार पीट के दौरान कई को चोटें आयी है। पुलिस तीनों मामलों में सात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सरनाम का पूरा उंचडीह निवासनीय गीता देवी पत्नी लालजी का आरोप है कि मामूली बात को लेकर उसे मारा पीटा गया। और जान से मारने की धमकी दी गई। गीता देवी ने मऊआइमा थाने में शोभनाथ, सरिता देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। उधर ग्राम भानेमऊ निवासी विनोद कुमार पुत्र ननकूराम का आरोप है कि बांस काटने के विवाद को लेकर उसे मारा पीटा गया और जान से मारने की धमकी दी गई। विनोद कुमार ने मऊआइमा थाने में देवराज, सतीश, गोलू, डाक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। उधर ग्राम लोकई का पूरा निवासनीय शबाना बानों पत्नी मोहम्मद शाहिद का आरोप है कि उसका पति आए दिन उसे बिना वजह मारता पीटता है। शबाना बानों ने मऊआइमा थाने में अपने पति मोहम्मद शाहिद पुत्र जलील अहमद के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

मांगा इंसाफ, बच्चों और पत्नी को पांच लाख रुपये व नौकरी का आश्वासन

पीपीजीसीएल ने मृतक के तीन भाइयों को भी नौकरी देने का दिया आश्वासन

बारा। पीपीजीसीएल बारा पॉवर प्लांट में कार्यरत संविदाकर्मी राम सिंह यादव (34) पुत्र विक्रम सिंह यादव 16 नवंबर को संदिग्ध दशा में झुलस गया था। आरोपित है कि प्लांट प्रबंधन ने चोरी का इल्जाम लगाते हुए राम सिंह यादव को नौकरी से निकाल दिया गया था। इल्जाम लगाए जाने से आहत राम सिंह यादव ने खुद के ऊपर तेल उड़ेलकर आग लगा ली थी। झुलसे राम सिंह को इलाज के लिए पहले एसआरएन ले जाया गया। हालत में सुधार नहीं होने पर उसे एसजीपीजीआई, लखनऊ ले जाया गया था, जहां 24 की देर रात उसका निधन हो गया। 25 को देर शाम शव लखनऊ से यहां पहुंचा तो परिजन मुआवजा और नौकरी की मांग को लेकर अड़ गए। सूचना मिलते ही पावर प्लांट के अधिकारी भी गेट पर पहुंचे और मृतक राम सिंह यादव के परिजनों से बातचीत की और आर्थिक सहायता और नौकरी का आश्वासन देकर पावर प्लांट प्रबंधन ने परिजनों को शांत कराया। इस आश्वासन को लिखित रूप में पीड़ित परिवार को दिया गया है।

प्लांट की तरफ से मृतक की पत्नी आशा यादव को वेंडर प्रक्रिया के तहत नौकरी दी जाएगी। इसके अलावा मृतक के भाई संजय यादव, मुकेश यादव और प्रवीण यादव को वेंडर प्रक्रिया के ही तहत पद रिक्त होने पर नौकरी के लिए विचार किया जाएगा। इसके अलावा विधवा आशा यादव को आश्रित पेंशन के साथ अन्य अनुमन्य आर्थिक लाभ मिलेगा। दोनों बच्चों को डीएवी स्कूल में पढ़ाई का जिम्मा भी पावर प्लांट ने लिया है। इसके अलावा मृतक की पत्नी आशा यादव को एक लाख रुपये तत्काल दिया जाएगा, जबकि दोनों बच्चों को दो-दो लाख रुपये की एफडी दी जाएगी।इस लिखित आश्वासन के बाद परिजन शव लेकर घर चले गए।

चंद्रशेखर तिवारी हाई स्कूल पड़ोखरा में कराया गया योगाभ्यास

करछना। राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय भडेव़रा से सम्बध्द आयुष वेलनेस सेंटर भडेव़रा में तैनात योग प्रशिक्षकों की ओर से चंद्रशेखर तिवारी हाईस्कूल पडोखरा में शनिवार को विद्यार्थियों में योग का अभ्यास कराया गया। जिसमें विद्यालयी छात्र व छात्राओं ने बड़े उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़करके हिस्सेदारी की। और योगाभ्यास किया ।योग प्रशिक्षक के रूप में मौजूद रहे आयुष वेलनेस सेंटर भडेव़रा के योग प्रशिक्षक अंजीत कुमार पाल व योग प्रशिक्षिका सोनी साहू ने छात्र-छात्राओं में विभिन्न प्रकार के योगो का प्रशिक्षण देकर योगाभ्यास कराया। साथ ही साथ इसके अनेक फायदे भी गिनाए ।और नियमित योग पर बल देते हुए बताया कि रोग मुक्त जीवन के लिए प्रतिदिन योग करने की सलाह भी दी। उन्होंने अनुलोम-विलोम सहित कपाल भारती शीर्षासन भ्रामरी भुजंग आसन ताड़ासन सिंहासन मरकट आसन मंडूक आसन गोमुख आसन आदि योगाभ्यास कराकर उनके फायदे भी बताएं। इसके अलावा उन्होंने आहार व बिहार के गुणों की जानकारी देते हुए अनेक गुर भी सिखाए। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्याम सुंदर त्रिपाठी की ओर से सभी के प्रति आभार भी जताया गया।

रजा कप क्रिकेट टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

टूर्नामेंट के उदघाटन के दौरान मुख्य अतिथि का माला पहनाकर किया गया स्वागत

माण्डा। रजा कप क्रिकेट टूर्नामेंट पिछली वर्षों की भांति इस वर्ष भी आयोजित किया जा रहा है। रजा कप का उद्घाटन नगर पंचायत भारतगंज मोहल्ला कदम रसूल में शुक्रवार सायं 7 बजे उद्घाटन किया गया। उद्घाटनकर्ता व मुख्य अतिथि को दर्शकों द्वारा भारी भीड़ के साथ फूल मालाओं से स्वागत किया गया। कस्बा स्थित रजा स्टेडियम में शाम से ही भारी संख्या में दर्शक उत्साह से क्रिकेट टूनार्मेंट का उद्घाटन मैच देखने एकत्रित होकर प्रतीक्षा कर रहे थे। मुख्य अतिथि आमिर शकील टंकी द्वारा उक्त टूनार्मेंट का उद्घाटन कर टूनार्मेंट में प्रतिभाग कर रहे खिलाड़ियों का पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया गया। उद्घाटन मैच कादिरी क्रिकेट क्लब बनाम फौजी क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। जिसमें कादिरी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। कादिरी क्रिकेट क्लब ने धुआंधार बल्लेबाजी कर 6 ओवर में 55 रन नाबाद रहते हुए बनाये, फौजी क्रिकेट क्लब 32 रन बनाकर आल आउट हो गयी। जिसमें कादिरी क्रिकेट क्लब 23 रनों से विजयी रही। उक्त मैच 6 ओवरों का निर्धारित किया गया था। उक्त टूर्नामेंट के आयोजक अयाज अहमद व शाहिद ने बताया कि टूर्नामेंट एक सप्ताह तक चलेगा।

व्यक्त की गई शोक संवेदना

सहसों। समाजसेवी ओम प्रकाश शुक्ला की 95 वर्षीय माता प्रभावती देवी के निधन पर पूर्व जिला अध्यक्ष अमरनाथ तिवारी ,भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष वीरेंद्र बहादुर सिंह, ब्लाक प्रमुख फूलपुर विपेंद्र सिंह पटेल, ब्लाक प्रमुख बहादुरपुर अरुणेंद्र सिंह डब्बू, भाजपा नेता राकेश बहादुर सिंह,राजधर दुबे,संजय सिंह, अनिल सरोज, पवन शुक्ला,मनीष कुमार,राहुल,रमेश पाल आदि लोग उनके आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी।

कस्बें के लोग असमय बिजली कटने से परेशान

माण्डा। मांडा क्षेत्र के भारतगंज में बिजली आपूर्ति शाम को कटने से अप्रिय घटनाएं होती रहती है समय से न आने से कस्बेंवासी परेशान हैं जिससे आम जनमानस बेहाल है सुनने वाला कोई नहीं और सरकार ऊर्जा के लिए नित निरन्तर प्रयास कर रही है लेकिन जिम्मेदार उदासीन बने हुए हैं। कस्बें के लोगों का कहना बिजली न आने से परेशानी का सामना करना पड़ता है ।

आवश्यकता है

प्रतिभा उच्च शिक्षा संस्थान
653 फिरोजपुर उर्फ शेखपुर, फूलपुर टाउन, प्रयागराज । पिन नंबर 212402
स्नातक कला संकाय प्रवक्ता विषय हेतु
विषय- संस्कृत- 01 पद
योग्यता- संबंधित विषय में एम0ए0, नेट, पीएचडी, यूजीसी उत्तर प्रदेश शासन द्वारा निर्धारित अहर्ता के अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आवेदन पत्र प्रेषित करें ।
वेतनमान- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी शासनादेश के क्रम वेतन देय होगा । इच्छुक अभ्यर्थी 1 सप्ताह के अंदर महाविद्यालय के उक्त पते पर आवेदन प्रेषित करें ।
Email id - arvindtripathi271@gmail.com
सिद्धार्थ त्रिपाठी
प्रबंधक
मो0: 8707046593, 9452145821

संविधान दिवस पर कर्मचारियों को सम्मानित करते उमरे महाप्रबंधक

प्रयागराज

मौसम

अधिकतम : 29.00
न्यूनतम : 15.00
सूर्योदय : 06.19
सूर्यास्त : 05.15

संजीत के शतक से वंडर्स इलेवन विजयी

प्रयागराज। सलामी बल्लेबाज संजीत पाल के शतक (113 रन, 59 गेंद, 13 चौके, चार छक्के एवं दो विकेट) की बदौलत वंडर्स इलेवन ने करेली क्रिकेट क्लब (केसीसी) को 46 रन से हराकर एके इंफ्राड्रीम टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किये। डीएवी कॉलेज मैदान पर शनिवार को खेले गए मैच में वंडर्स इलेवन ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 201 रन (संजीत पाल 113, उदित सिंह 55, राहुल सिंह 3/33) बनाये। जवाब में केसीसी की पूरी टीम 17 ओवर में 55 रन (गौरव पाठक 29, केशव मिश्र 24, सूफियान खान 21, राजन पाल 3/34, संजीत पाल, जितेंद्र व अवनीश वर्मा दो-दो विकेट) पर सिमट गई।

संविधान दिवस : उमरे मुख्यालय में संविधान की प्रस्तावना का हुआ वाचन

संविधान दिवस के अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

प्रयागराज। शनिवार को संविधान दिवस के अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि, 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा में नवस्वतंत्र राष्ट्र के संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित एवं आत्मार्पित किया गया था।

इस अवसर पर सतीश कुमार, महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज ने मुख्यालय के उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ 'प्रस्तावना-पाठ' किया। संविधान दिवस प्रस्तावना-पाठ कार्यक्रम में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री अजय कुमार श्रीवास्तव सहित सभी विभागों के प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्ष, मुख्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें। प्रस्तावना पाठ के पश्चात मुख्यालय में रैली का आयोजन किया गया जिसे महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे सतीश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संविधान दिवस पर अधिकारियों एवं रेलवे कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक

अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ 'प्रस्तावना-पाठ' करते उमरे महाप्रबंधक

रैली में हिस्सा लिया। उपरोक्त अवसर पर अजय कुमार श्रीवास्तव, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी की अध्यक्षता में 'संविधान और हम' विषय पर परिचर्चा एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अजय कुमार सिन्हा, मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक, द्वितीय स्थान श्रीमती प्रीति कुमारी, मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक, तृतीय स्थान रंजीव कुमार, मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक एवं महेन्द्र चैधरी, मुख्य कर्मचारी कल्याण निरीक्षक व दलीप सिंह, कर्मचारी कल्याण निरीक्षक ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को महाप्रबंधक महोदय के करकमलों से पुरस्कृत किया गया। शनिवार को मुख्यालय के साथ ही भारत के संविधान की प्रस्तावना का पाठ, इससे संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन एवं संविधान दिवस के पोस्टर/बैनर/ स्टैंडी का प्रदर्शन उत्तर मध्य रेलवे के तीन मंडलों और अन्य इकाइयों में भी किया गया।

महाप्रबन्धक ने किया निरंजन पुल का निरीक्षण

प्रयागराज। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, सतीश कुमार ने शनिवार को प्रयागराज निरंजन पुल का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान श्री कुमार ने प्रयागराज यार्ड रीमोडलिंग कार्य का गहनता से निरीक्षण किया जिससे रामबाग स्टेशन से प्रयागराज तक के आगामी दोहरीकरण के बाद परिचालन में सुविधा हो तथा संबन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिये।

इस अवसर पर प्रयागराज मंडल के संकल्प सभागार में महाप्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ स्टेशन पुनर्विकास कार्य पर परिचर्चा हुई तथा कार्य को सुचारू तथा समय से पूर्ण

प्रयागराज निरंजन पुल का निरीक्षण करते उमरे महाप्रबंधक

कराने हेतु निर्देशित किया। महाप्रबंधक महोदय ने बैठक मे अन्य महत्वपूर्ण विषयों से संबंधित गहन जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबन्धक मोहित चंद्रा सहित मुख्यालय एवं मण्डल के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मौत के मामले में मजिस्ट्रीयल जांच

प्रयागराज। उप जिला मजिस्ट्रेट -करछना डा0 गणेश कुमार कनौजिया ने बताया है कि सिद्धदोष बन्दी किशोरी धीमर पुत्र फूलचन्द्र उम्र लगभग 61 वर्ष निवासी नयापुरा बन्धन वार्ड थाना महोबा जनपद महोबा उ0प्र0 की दिनांक 10 जून .2022 की सायं 05:15 बजे जेल चिकित्सालय नैनी प्रयागराज में हुई मृत्यु के प्रकरण की मजिस्ट्रीयल जांच हेतु मुझे नामित किया गया है। उन्होंने बताया कि जो भी व्यक्ति उक्त घटना के सम्बंध में कोई जानकारी रखता हो, वह दिनांक 30 नवंबर.2022 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपरान्ह 02:00 बजे के मध्य मेरे न्यायालय/कार्यालय में उपस्थित होकर अपना बयान अंकित करा सकता है एवं साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है।

संक्षेप

समाधान दिवस पर चार मामले आये मौके पर तीन का निस्तारण

माण्डा। मांडा थाने में संपूर्ण समाधन दिवस का आयोजन हुआ जिसमें थानाध्यक्ष मांडा अरविंद कुमार गौतम ने अध्यक्षता की। राजस्व संबंधित चार प्रार्थना पत्र आए जिसका मौके पर तीन

का निस्तारण हो गया। इस अवसर पर थानाध्यक्ष अरविंद कुमार गौतम वरिष्ठ उपनिरीक्षक रामकेवल यादव मौजूद रहें।

यातायात जागरूकता अभियान के क्रम में थरवई पुलिस टीम द्वारा वाहनों की सघनता से चला चेकिंग अभियान, लोगों को किया जागरूक

थरवई। जनपद प्रयागराज थाना थरवई द्वारा शनिवार को प्रभारी निरीक्षक लोकेन्द्र त्रिपाठी की मौजूदगी में मय पुलिस टीम द्वारा चल रहे यातायात माह में वाहनों की सघनता के साथ चेकिंग की गई जिसमे बिना हेलमेट के लोगों को रोक कर जागरुक करते हुए प्रेरित किया गया। जीवन की उपयोगिता को समझाते हुए सभी को जरूरी नियमावली के तहत अपने वाहनों को सुरक्षित रखते हुए अपने को सामान्य स्पीड में चलने के लिए कहा गया साथ ही अनावश्यक तरीके से रोड पर हॉर्न बजाकर एवं गलत दिशा में ड्राइव करके वाहन चलाने वालों से अपील किया गया की अपने को एवं दूसरों को सुरक्षित रखते हुए सही दिशा में वाहन को चलाएं कभी भी नशे की हालत में अपने वाहनों को ना चलाएं एवं किसी भी ऐसे व्यक्ति के साथ ना सफर करें जो नशे में धुत हो सावधानी हटी दुर्घटना घटी का मूल मंत्र सभी को याद कराया गया। ट्रैफिक के नियमों को बताते हुए उन्हें जागरूक किया दो पहिया वाहनों के लिए हेलमेट व चार पहिया वाहनों के शीट बेल्ट लगाकर ही चलने को लेकर प्रेरित किया वहीं शनिवार शाम चेकिंग अभियान में कई वाहनों का ई चालान भी हुआ जिसका मुख्य उद्देश्य था लोग जागरूक हों ओर दूसरों को भी जागरूक करें जिससे उनकी सुरक्षा बनी रहे हेलमेट लगाकर ही चलें। मौके पर थाना थरवई प्रभारी निरीक्षक लोकेन्द्र त्रिपाठी व पुलिस टीम में एस एस आई राजीव कुमार श्रीवास्तव उपनिरीक्षक गण में सोहराब अहमद अखिलेश कुमार बृजेश कुमार यादव चंद्रदीप साथ ही रामेश्वर नाथ राय आदि कई पुलिस कर्मी मौजूद रहे मौजूद रहे।

मुरादपुर कर्बला मोहल्ले में लगा कूड़े का अंबार, मोहल्ले वासी परेशान

नैनी। नैनी क्षेत्र के मुरादपुर कर्बला मोहल्ले में बनी नालियों की नियमित सफाई के अभाव में जगह-जगह कूड़े का अंबार लगा हुआ है । जिससे यहां के लोगों में तमाम तरह की बीमारियां पनपने की संभावनाएं बनी हुई है। बताया जाता है ,कि नैनी के मुरादपुर कर्बला मोहल्ला अरैल रोड पर बसा हुआ है। यह मोहल्ला नगर निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। मोहल्ले की आबादी हजारों की है। इस मोहल्ले में मुस्लिम भाइयों की बाहुलता है। इस मोहल्ले में बनी नालियों की नियमित सफाई न कराए जाने से जगह-जगह कूड़े का अंबार लगा हुआ है। कूड़े से नालिया पूरी तरीके से जाम हो गई है। जिसके चलते मोहल्ले में गंदगी का साम्राज्य है। नालियों में पड़े कूड़ा करकट से क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है। मोहल्ले में गंदगी का अंबार है। भीषण गंदगी के चलते यहां का वातावरण काफी प्रदूषित हो गया है । गंदगी से मच्छरों की भरमार हो गई है। नालियों से उठ रही दुर्गंध से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। गंदगी के चलते क्षेत्र में तमाम तरह की बीमारियां फैलने की संभावनाएं बनी हुई है । इसकी जानकारी स्थानीय लोगों के द्वारा विभागीय अधिकारियों को कई बार दी गई , बावजूद इसके उनके द्वारा इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है । जिससे लोगों में उनके प्रति जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है।

मौत को दावत दे रही टीसीआई से मोहब्बतगंज की जर्जर सड़क, जिम्मेदार बेपरवाह

नैनी। नैनी क्षेत्र के टीसीआई से मोहब्बत गंज की तरफ जाने वाली सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे मौत को दावत देने का काम कर रहे हैं। और जिम्मेदार अधिकारी बेपरवाह साबित हो रहे हैं। बताया जाता है, कि टी.सी.आई तिराहे से मोहब्बत गंज की तरफ जाने वाली सड़क की दशा काफी खराब हो गई है। इस पर जगह-जगह बड़े-बड़े जानलेवा गड्ढे हो गए हैं । डामर का तो कहीं अता-पता नहीं रह गया है । सड़क पर के यह गड्ढे धीरे-धीरे खाई के रूप में तब्दील होते जा रहे हैं। इस गड्ढेयुक्त सड़क पर दुपहिया वाहन चालकों का तो चलना दूर रहा, पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। मालूम हो, कि इसी सड़क से होकर महेवा, मडोका, मोहब्बतगंज ठकुरी का पूरा, सहाय का पूरा, सनई का पूरा, तिगनौता, मन्ना का पूरा आदि कई गांव के लोगों का आना जाना बराबर बना रहता है। इसकी जानकारी संबंधित अधिकारियों को होने के बावजूद भी उनके द्वारा इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिससे लोगों में उनके प्रति जबरदस्त आक्रोश की भावना देखने को मिल रही है।

गुरू तेग बहादुर शहीद दिवस के अवसर पर प्रयागराज में 28 को अवकाश घोषित

प्रयागराज। अपर जिलाधिकारी नगर मदन कुमार ने बताया है कि सामान्य प्रशासन अनुभाग, उत्तर प्रदेश शासन की विज्ञप्ति के द्वारा वर्ष 2022 हेतु घोषित अवकाशों में 24 नवंबर कोगुरू तेग बहादुर शहीद दिवस के अवसर पर कार्यकारी आदेशों के अन्तर्गत अवकाश घोषित किया गया है। इस सम्बंध में शासन में ऐतिहासिक गुरुद्वारा, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी, सिंघा वाली गली, यहियागंज, लखनऊ से प्राप्त प्रत्यावेदन/संस्तुति के आधार पर शासन द्वारा सम्यक विचारोपरांत गुरू तेग बहादुर शहीद दिवस के अवसर पर कार्यकारी आदेशों के अन्तर्गत अवकाश घोषित किया गया है। उन्होंने बताया कि उक्त के क्रम में दिनांक 28. नवंबर को कार्यकारी आदेशों के अन्तर्गत जनपद प्रयागराज में अवकाश घोषित किया जाता है।

हमले के विरोध में अधिवक्ताओं ने कचहरी रोड पर लगाया जाम

प्रयागराज। जिला न्यायालय के वकीलों ने शनिवार को जमकर हंगामा किया। भूमि विवाद में अधिवक्ता पर हुए हमले के विरोध में सड़क पर वकीलों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान रास्ताजाम कर दिया गया। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन देकर वकीलों को शांत कराया। रास्ताजाम के दौरान राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पुलिस ने जाम खुलवाया तो लोगों को राहत मिलीवकीलों ने कचहरी रोड को जाम कर दिया। अधिवक्ता रामआसरे पर भूमि विवाद में हमले के विरोध में शनिवार को वकीलों ने कचहरी रोड पर रास्ताजाम कर दिया। साथ ही पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न लगाया गया। वकीलों के रास्ताजाम से काफी देर तक आवागमन बाधित रहा। पुलिस अधिकारियों ने किसी तरह उन्हें समझा-बुझाकर शांत कराया और जाम खुलवायोझूंसी निवासी वकील से विपक्षियों से मारपीट की। बताया गया है कि गंगापार के झूंसी निवासी अधिवक्ता राम आसरे का कुछ लोगों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। उसी को लेकर विपक्षियों ने उनसे मारपीट की। आरोप है कि हमलावरों ने उनके पैसे भी छीन लिए और बीचबचाव करने आए चाचा सहित अन्य लोगों से भी अभद्रता कीइस घटना में पुलिस ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं की, जिससे नाराज कचहरी के तमाम वकील शनिवार को सड़क पर उतर कर जमकर हंगामा किया। वकीलों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विपक्षियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की। मौके पर पहुंचे कर्नलगंज के सीओ और इंस्पेक्टर फोर्स के साथ पहुंचे। वकीलों को आश्वासन दिया, समझा-बुझाकर किसी तरह मामले को शांत कराया।

सदन की बैठक 2 दिसम्बर को पुनरीक्षित बजट को लेकर होगी चर्चा

प्रयागराज। नगर निगम एवं जलकल विभाग की पुनरीक्षित बजट 2022-23 के दृष्टिगत सदन की बैठक दो दिसम्बर की सुबह 11 बजे नगर निगम सभा भवन में होगी। सचिव परिषद ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इससे पूर्व 28 नवंबर को पुनरीक्षित बजट को लेकर कार्यकारिणी समिति की बैठक भी आयोजित की गयी है। नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक 28 नवंबर को दोपहर 12 बजे से सदन हाल में प्रस्तावित है। पुनरीक्षित बजट को लेकर बैठक में चर्चा होगी। ऐसे में बैठक में कई अन्य एजेंडा शामिल करने की मांग अलोपीबाग पार्षद कमलेश सिंह ने महापौर एवं नगर आयुक्त से की है। पार्षद के अनुसार जलकल नगर निगम में नया स्लैब रेट लागू करने के लिए जो आय से संबंधित है, उसे एजेंड में शामिल किया जाय। गृहकर में ओटीएस योजना लागू कराने, गृहकर में परिवर्तन एवं परिवर्धन भी नहीं हुए है जबकि किराया दर भी नगर निगम की ओर से नहीं बढ़ाया गया है, ऐसे में वार्षिक मूल्यांकन किस आधार पर बढ़ रहा है सदन में यह भी परिचर्चा में शामिल किया जाय।

बीकानेर मिष्ठान भंडार में आग से लाखों का नुकसान

झूंसी। क्षेत्र के आवास विकास कॉलोनी योजना -3 जीटी रोड स्थित बीकानेर मिष्ठान भंडार में शुक्रवार की देर रात संदिग्ध परिस्थिति में आग लगने से सब कुछ जलकर खाक हो गया। आग लगने की सूचना पर पहुंची दो फायर ब्रिगेड की गाड़ियां किसी तरह आग पर काबू पाया जिसकी वजह से मार्केट में स्थित अन्य दुकानों को नुकसान से बचाया जा सका।

राजस्थान के रहने वाले नोवेन्द्र सिंह ने वाराणसी प्रयागराज मार्ग पर स्थित झूंसी के आवास विकास कॉलोनी योजना-3 में बीकानेर मिष्ठान भंडार खोल रखा है। वह कालोनी में ही रहते है और सभी कर्मचार मिष्ठान भंडार के ऊपर रहते हैं। शुक्रवार की रात 11 बजे के करीब वो मिष्ठान भंडार बंद कराकर घर के लिए निकल गए। देर रात मिष्ठान भंडार में आग लग गई आग लगने की सूचना कर्मचारियों ने मालिक को दी तो वह

आग में जलता बीकानेर मिष्ठान भण्डार

भाग के आये पता खोलते ही आग का गोला शटर के बाहर निकलने लगा। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। जब तक लोग कुछ कर पाते आग की लपटें इतनी भयानक हो गई थी तीसरे तल को भी अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। सूचना पर स्थानीय पुलिस पहुची और आग की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां आग बुझाने में जुट गई लेकिन अंदर रखी लाखो की मिठाई के साथ सारा सामान जल कर खाक हो गया। समय पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी जिसकी वजह से आसपास की दुकानों को बचाया जा सका नहीं तो भारी नुकसान हो सकता था। मिष्ठान भंडार के मालिक नोवेन्द्र ने बताया कि करीब 15 से 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ है जिसमें कुछ कैश भी जलकर राख हो गया है।

समाधान दिवस पर डीएम ने सुनी लोगों की समस्याएं

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने शनिवार को समाधान दिवस (थाना दिवस) पर थाना झूंसी एवं नैनी पहुंचकर लोगो की समस्याओं को सुना। उन्होंने राजस्व से सम्बंधित प्रकरणों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम बनाकर तथा मौके पर जाकर दोनो पक्षों को सुनते हुए समस्याओं को निस्तारित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने झूंसी थाने से राजस्व एवं पुलिस की छः टीमों को मौके पर रवाना करते हुए प्रकरणों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने एसडीएम फूलपुर को अपनी निगरानी में शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित कराये जाने के लिए निर्देशित किया है। इसी तरह से जिलाधिकारी ने नैनी थाने

लोगों की समस्या सुनते जिलाधिकारी

पर पहुंचकर जनता की समस्याओं को सुनते हुए राजस्व से सम्बंधित प्रकरणों पर राजस्व एवं पुलिस की टीमों को रवाना करते हुए दोनों पक्षों को सुनकर प्रकरणों के निस्तारण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने टीमों को 11:00 बजे तक आवेदन पत्रों के साथ स्थलीय निरीक्षण के लिए भेजे जाने के लिए कहा है। जिलाधिकारी ने थानाध्यक्षों तथा राजस्व अधिकारियों को समाधान दिवस के अवसर पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय सीमा में निस्तारित करने का निर्देश दिया है।

नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने में सहयोग करेंगे गंगादूत

प्रयागराज। नेहरू युवा केंद्र प्रयागराज की ओर से नमामि गंगे में युवाओं की सहभागिता परियोजना के अंतर्गत 2 दिवसीय ग्रामस्तरीय गंगा दूतो का प्रशिक्षण का दूधनाथ सिंह यादव इंटर मीडिएट कालेज आयोजन में किया गया। समापन अवसर पर वन विभाग से उपप्रभागीय अधिकारी संगीता ने सभी गंगा दूतों को स्वच्छ ता अभियान से जुड़ने हेतु बधाई दीं। नदियों के किनारे सघन वृक्षारोपण किया जाना चाहिए, उद्योगों का अनुपचारित पानी, प्लास्टिक तथा जैविक पदार्थ नदियों में नहीं मिलने देना चाहिए। जिला युवा अधिकारी जागृति पांडे ने कहा भू-जल स्तर, पारिस्थितिकी तंत्र एवं जैव विविधता को स्थिर रखने के लिए नदियों के प्रवाह क्षेत्र प्रदूषण मुक्त रखना बेहद जरूरी है। जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह ने नमामि गंगे परियोजना के

बारे में बताया। प्रधांचार्य प्रदीप यादव ने कहा को गंगा की सफाई सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। जेआरएफ श्वेता ने बताया कचरे को प्रबंधन करना बहोत जरूरी है, क्योकि यह मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। दो दिवसीय कार्यशाला मे राज्य प्रशिक्षक राम अवध कुशवाहा ने नेहरू युवा केंद्र संगठन के कार्यो के बारे में जानकारी दी। नुक्कड़ नाट्य अभिनय संस्थान से ट्रेनर देवेंद्र ने नुक्कड़ नाटक, कहानी वचन के माध्यम से गंगा स्वच्छता के विषय पर बहुत ही रचनात्मक तरीके से गंगा दूतों को बताया। ट्रेनर विजय बिंद ने जल प्रदूषण और उसके प्रबंधन पर चर्चा करी। ट्रेनर चेतन ने जैविक खेती पर व्याख्यान दिया। रोहित ने सभी गंगा स्वछता शपथ दिलाया। समापन मे अतिथि ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवक अमन रोहित, का अहम योगदान रहा।

नागरिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंघई में राजनीति विभाग द्वारा 'संविधान दिवस' मनाया गया

जंघई। आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में शनिवार को नागरिक स्नातकोत्तर महाविद्यालय जंघई मे राजनीति विभाग द्वारा 'संविधान दिवस 'मनाया गया। राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ अमित कुमार पांडेय ने आज के दिन की महत्ता पर विस्तृत एवं समग्र प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि संविधान किसी भी देश का जीवन रथ होता है। यह एक जीवंत दस्तावेज है जिसमें परिस्थितियों और आवश्यकता के अनुसार परिवर्तन होता रहता है। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार गीता अनेक उपनिषदों रूपी गाय का अमृत रस है जिसे गोपाल कृष्ण ने अर्जुन को बछड़ा बनाकर विद्वानों के पानार्थ दुहा है। उसी प्रकार बाबा साहेब नें भी एक अमृत कलश के रूप में संविधान का निर्माण किया। मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्य को एक दूसरे का पूरक और संविधान को ही सर्वोपरि ग्रंथ के रूप में स्वीकार किया। इस कार्यक्रम में राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर अमित सिंह, शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉक्टर बृजेश यादव एवं प्राचीन इतिहास विभाग के सुरेन्द्र यादव ने प्रतिभाग किया। महाविद्यालय के लगभग 55 छात्राएं एवं 25 छात्र इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मनोवैज्ञानिक परीक्षणों पर राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए

नैनी, प्रयागराज। शिक्षक शिक्षा विभाग, इलाहाबाद स्कूल आफ एजूकेशन, शुआट्स द्वारा मनो वैज्ञानिक परीक्षण के निर्माण और विकास पर आयोजित साप्ताहिक राष्ट्रीय कार्यशाला का समापन हुआ। सह-संगठन सचिव डॉ. चेतना पांडे द्वारा समापन समारोह की मेजबानी की गई। रेवरेंड लाल चुंगनुंग पी. गंगटे, विश्वविद्यालय के चैपलिन ने उद्घाटन प्रार्थना की। एसोसिएट डीन और सह-संयोजक डॉ. सामला एस. मसीह ने मुख्य अतिथि को प्लांट भेंट करके सम्मानित किया। डीन प्रो. सिस्टर मैरियन मैथ्यू सी.जे. ने समापन समारोह के लिए मुख्य अतिथि, सेवानिवृत्त संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा डॉ. आनंद प्रकाश पाण्डेय को शॉल पहनाकर सम्मानित किया।

एसोसिएट प्रोफेसर एवं आयोजन सचिव डॉ. प्रेम प्रभा सिंह ने साप्ताहिक कार्यशाला की रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि डा. आनंद पाण्डेय ने इस बात पर जोर दिया कि मनोवैज्ञानिक परीक्षण मानव व्यवहार के विभिन्न पहलुओं को समझने में अनुसंधानकर्ता की मदद करते हैं, जिसके परिणाम न केवल स्वयं शोधकर्ता के लिए बल्कि बड़े पैमाने पर समाज के लिए सहायक होते हैं। डा. सिस्टर मैरियन मैथ्यू सी.जे जीवन भर सीखने के पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकृष्ट किया कि नियति से अधिक महत्वपूर्ण अनुसंधान की यात्रा है।पूर्व में आयोजित तकनीकी सत्रों में लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. शैलेश कौशल ने विभिन्न प्रकार के मॉडल जैसे माप मॉडल, रचनात्मक माप मॉडल, संरचनात्मक समीकरण मॉडल आदि पर चर्चा की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. संजय कुमार ने खुशी और मानसिक स्वास्थ्य पर तकनीकी जानकारी साझा की। बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने परीक्षण के निर्माण की प्रक्रिया पर व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को मात्रात्मक और गुणात्मक शोध के बीच के अंतर के बारे में जानकारी दी।

डॉ. अनुपमा मेहता सह-संगठन सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समारोह का समापन डॉ. अचिंत टैरेंस द्वारा समापन प्रार्थना के साथ हुआ। आयोजन समिति के सदस्य डा. एसएच कासिम, डा. निहारिका डेनिस, डा. कीर्ति कटिंग, डा. सीमा मल्लिक, डा. एविस चिंतामणि, डा. सैयदा सारा अजीज, डॉ. राजीव सिंह, डॉ. प्रशोभ पॉल डिसूजा, डॉ. ज्योत्सना जायसवाल, डॉ. संगीता अल्फ्रेड, सुश्री पूजा जे. सोनपाकर आदि उपस्थित थे।

संविधान दिवस पर उपस्थित कांग्रेसी

शहर कांग्रेस कमेटी ने धूमधाम से मनाया संविधान दिवस

प्रयागराज। चौक स्थित शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पर कांग्रेसियों ने धूमधाम से संविधान दिवस मनाया । इसके पश्चात विचार संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें प्रमुख वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किया, शहर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अनसुमन ने कहां संविधान भारत की आत्मा है और आज हम सभी आजाद भारत के नागरिक अगर स्वतंत्र होकर अपने मौलिक अधिकारों का उपयोग कर पा रहे हैं तो वह संविधान की ही देन है, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष सुधीर दीक्षित ने कहा कि जिस दिन से संविधान इस देश में लागू हुआ वही दिन हमारे अधिकारों का अधिकार प्राप्ति दिवस है,मानस शुक्ला ने बताया कि 30 नवंबर 1949 को संविधान लागू किया गया परंतु वह वह मूल रूप से 26 जनवरी 1950 को अमल में लाया गया और यह संविधान की ही ताकत थी कि 26 जनवरी 1950 को प्रातः 10:00 बज कर 18 मिनट पर संविधान लागू किया जाता है और मात्र 4 मिनट बाद भारत देश को प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद के रूप में प्राप्त होता है। अनेकों अनेक वक्ताओं ने विचार संगोष्ठी में अपने विचार रखे गोष्ठी में विचार व्यक्त करने वालों में शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रदीप मिश्रा अंशुमन सुधीर दिक्षित, जावेद उर्फी, सुशील तिवारी, मोहम्मद असलम, अनूप त्रिपाठी, अनूप सिंह मानस शुक्ला, नयन कुशवाहा, अंजुम नाज, अरशद अली अर्शी, अजेंद्र गौड़, राजकुमार शुक्ला, शिव शंकर मिश्र, मोहम्मद हसीन, अब्दुल कलाम,अफरोज, अब्दुल शकूर, मोहमद रियाज आदि लोग शामिल रहे।

संक्षेप

वित्तीय समावेशन कैंप में ग्रामीणों को किया गया जागरूक

बारा, कौशाम्बी। समाज के सभी वर्गों को वित्तीय सेवा मुहैया कराने के लिए बेरौचा गांव में वित्तीय समावेशन कैंप का आयोजन किया गया। शनिवार को कौशाम्बी के बेरौचा गांव में बीओबी बैंक ने कैंप लगाकर लोगों को जागरूक किया। लोगों को बताया गया कि इससे उनको क्या लाभ मिलेंगे। वित्त विभाग की ओर से चयनित गांवों में कमजोर व गरीब तबके के लोगों को वित्तीय सहायता से जोड़ने के लिए जागरूकता कैंप लगाया जा रहा है। बैक आफ बड़ौदा बैंक ने कैंप लगाकर लोगों को जागरूक किया। इस दौरान बैंक एकाउंट खोले गए और लोगों की केवाईसी भी कराई गई। लोगों को बैंक की योजनाओं से रूबरू कराया गया। बैक आफ बड़ौदा बेरौचा कैशियर सोना शर्मा और बैक बीसी आशुतोष पाण्डेय,निगम त्रिपाठी के मौजूदगी में ग्रामीणों को सीसी, जनधन खाता, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, मुद्रा लोन आदि की जानकारी दी। इसी तरह बेरौचा में बैंक आफ बड़ौदा ने कैंप लगाकर लोगों के खाते खोलते हुए केवाईसी की।

अधिकारियों, कर्मचारियों को डीएम ने दिलाई संविधान प्रस्तावना की शपथ

कौशाम्बी। कलक्ट्रेट स्थित उदयन सभागार में शनिवार को संविधान दिवस के अवसर पर अधिकारियों, कर्मचारियों को संविधान प्रस्तावनाश की शपथ दिलाई गई।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ. विश्राम एवं अतिरिक्त मजिस्ट्रेट राजेश श्रीवास्तव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

भारत को समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने की लिया संकल्प

शपथ ग्रहण कार्यक्रम में बोलते एसपी, पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को शपथ दिलाते एसपी

संविधान दिवस

संविधान दिवस पर पुलिस लाइन सहित सभी पुलिस कार्यालयों में आयोजित हुआ शपथ समारोह कार्यक्रम

कौशाम्बी। भारत के संविधान के प्रस्तावना का पाठन व मौलिक कर्तव्यों से संबंधित शपथ समारोह शनिवार को 11:00 बजे पुलिस लाइन सहित पुलिस कार्यालय सहित सभी पुलिस कार्यालय परिसरों में आयोजित किया गया।

पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने पुलिस लाइन तो पुलिस कार्यालय प्रांगण में अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर सिंह द्वारा शपथ ग्रहण करायी गयी। समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा अपने.अपने सर्किल मुख्यालय में शपथ ग्रहण कराया गया। एवं समस्त थाना,चौकियों,फायर स्टेशन आदि में प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्ष एवं अग्निशमन अधिकारियों द्वारा शपथ ग्रहण कराया गया। पुलिस लाइन में नियुक्त सभी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा तथा विभिन्न शाखाओं में नियुक्त सभी अधिकारी कर्मचाचारीगणों द्वारा, पुलिस कार्यालय प्रांगण में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में भाग लिया गया। शपथ ग्रहण समारोह में भारत के संविधान की प्रस्तावना हम भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिये तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिये दृढ़ संकल्प दिलाया गया। इसके बाद भारतीय संविधान के मौलिक कर्तव्य के बारे बताया गया। प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों पर कार्य करे। संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करें। स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखें और उनका पालन करें। भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करें। भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें। हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें और उसका परीक्षण करें। प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसका संवर्धन करें। वैज्ञानिक दृष्टिकोण और ज्ञानार्जन की भावना का विकास करें। सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखें। व्यक्तिगत एवं सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करें। माता पिता या संरक्षक द्वारा 6 से 14 वर्ष के बच्चों हेतु प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना आदि की शपथ दिलाई गई।

सीएससी केंद्र पहुंचकर युवक के साथ मारपीट

दारानगर, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के कनवार निवासी शिवम साहू ने सीएससी केंद्र खोल रखा है। 18 नवंबर को वह पिता के साथ केंद्र पर थे। इस बीच रंजिश के चलते पड़ोसी ओम प्रकाश परिवार के धर्मेंद्र महेंद्र, सीमा, पूजा व शांति के साथ आया और बेवजह गाली.गलौज करने लगा हैं। विरोध करने पर सभी ने उसकी पिटाई शुरू कर दी। इस बीच कुल्हाड़ी से उसके सिर पर वार कर दिया गया।इससे वह लहूलुहान हो गया। पिता वेद प्रकाश ने बीचबचाव किया तो हमलावरों ने उनकी भी पिटाई की। ग्रामीणों के दखल देने पर हमलावर धमकी देते हुए भाग निकले हैं। हालांकि पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस जांच में जुट गई थी।

जनपद न्यायालय में संविधान की प्रस्तावना का किया गया वाचन

संविधान का महत्व, न्याय पालिका में मौलिक कर्तव्यों का महत्व एवं मौलिक अधिकारों की दी गई जानकारी

न्यायपालिका में मौलिक कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए कार्यों का किया जाय सम्पादन : प्रभारी जिला जज

कौशाम्बी। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर प्रभारी जनपद न्यायाधीश राकेश कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को संविधान दिवस के उपलक्ष्य पर संविधान की प्रस्तावना के वाचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी जिला जज श्री राकेश कुमार ने कहा कि न्यायपालिका में मौलिक कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए कार्य का सम्पादन किया जाय, जिससे आमजनता के मौलिक अधिकारों का हनन न हो। अपर जिला जज श्री संजय मिश्र द्वारा संविधान एवं संविधान की बनावट व संविधान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। अपर जिला जज श्री नीरज उपाध्याय द्वारा न्यायपालिका में मौलिक कर्तव्यों के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान की गई। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आभा पाल ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए संविधान के विषय में एवं संविधान के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसी प्रकार न्यायिक मजिस्ट्रेट सुमित कुमार द्वारा मौलिक कर्तव्यों के बारे में बताया गया तथा सिविल जज जू.डि. अभिषेक गुप्ता द्वारा मौलिक कर्तव्यों और मौलिक अधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं द्वारा मौलिक अधिकारों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर जनपद न्यायालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

कितनी मासूम जिंदगियों का नेवाला बनेगें झोला छाप

जान से खिलवाड़

अस्पताल में मौत के बाद हो जाते हैं फरार, कुछ दिन बाद दिखते हैं गुलजार

दारानगर,कौशाम्बी। वैसे तो समूचे जिले में स्वास्थ्य को लेकर एक बड़ा व्यापार फैल गया है। चहुंओर लोग अस्पतालों का संचालन कर मोटी रकम ऐंठना चाह रहे हैं। ऐसे तमाम अस्पतालें संचालित हैं, जिनके पास क्लनिक का रजिस्ट्रेशन तो होता है पर वह संचालन अस्पताल का करते हैं। डिग्री धारक चिकित्सक सहित अस्पताल की व्यवस्था न होने से तमाम मासूम जिंदगियां मौत के गाल में समा जाती है। हादसा होने के बाद कुछ दिन तक क्लीनिक में ताला बंद रहता है, इसके बाद फिर वह गुलजार हो जाता है। ऐसे में आखिर स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन पर शिकंजा न कसा जाना कहीं न कहीं बुद्धिजीवियों के गले से नहीं उतर रहा है।

यहां बताना जरूरी होगा कि सैनी के सब्जी मंडी के समीप संचालित हो रही क्लीनिक में कुछ दिनों पहले इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस पर मृतक के परिवार वालों ने हंगामा भी किया था। विभाग ने कितनी बड़ी कार्यवाही किया यह तो बहुत स्पष्ट नहीं किया जा सकता, लेकिन कुछ दिनों के लिए संचालन कर्ता रफूचक्कर जरूर हो गए थे, लेकिन इन दिनों विभागीय उदासीनता के चलते फिर से गुलजार हो गए हैं। इस तरह से सैनी क्षेत्र के हाइवे किनारे में कई अस्पतालें क्लीनिक के रजिस्ट्रेशन पर संचालित हो रही है, जिनकी ओर विभागीय अफसरों का ध्यान न जाने से जहां उनके हौसले बुलंद हैं, वहीं गरीब, मासूम मरीज के तीमारदारों से मोटी रकम ऐंठ रहे हैं। हालाकि इलाकाई बृद्धिजीवियों ने इस ओर जिलाधिकारी सुजीत कुमार सहित सीएमओ का ध्यान आकृष्ट कराते हुए ऐसे संचालित अस्पतालों की जांच कराकर इन पर कार्यवाही कराए जाने की मांग किया है।

मुंबई धमाका में शहीदों को दी गई श्रृद्धांजलि

श्रृद्धाजंलि कार्यक्रम में मौजूद बच्चे व शिक्षकगण

बारा, कौशाम्बी। विकास खंड कौशाम्बी अंतर्गत संविलियन विद्यालय में मुंबई में आतंकी हमले 26.11 में शहीद हुए बेगुनाहों, मासूमों और जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान विद्यालय के बच्चों ने हमले की चौदहवीं बरसी पर ईश्वर से हाथ जोड़कर प्रार्थना किया कि मुंबई जैसी आतंकी घटनाएं दोबारा न हो, और देश में अमन चौन बना रहे।

इस अवसर पर स्कूल के खंड शिक्षा अधिकारी बृजेश सिंह ने कहा कि आतंकियों कि जाति धर्म नहीं होती है। आज के इस मौजूदा परिवेश में हर वर्ग जाग चुका है जो आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । उपस्थित छात्र छात्राएं और शिक्षकों सहित अन्य लोगों को राष्ट्र की सुरक्षा एवं अखंडता हेतु राष्ट्रगान गाकर संकल्प दिलाया। इस 26.11 की बरसी पर बच्चों ने संकल्प लिया कि आतंकवाद को जड़ से मिटा के ही दम लेंगे। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक राजेश वर्मा राम प्रकाश स्वर्णका, यौगेंद्र प्रताप अलका सक्सेना बसंत सिंह आदि उपस्थित रहे। उधर संविलियन विद्यालय कंजा पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवधराज सिंह व सहायक अध्यापक रोहित कुमार व समस्त शिक्षकों ने मुंबई के आंतकी हमले 26.11 में मारे गये बेगुनाह मासूमों और शहीद हुए जवानों की शहादत पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान दो मिनट का मौन धारण कर बच्चों सहित शिक्षकों ने मृत बेगुनाहों के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इसी क्रम में ऐक्सेस इंटरनेशनल स्कूल में कैंडल मार्च निकालकर शहीदों को नमन किया गया।

सैनी व कोखराज में डीएम, एसपी ने सुनी जन शिकायतें

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने शनिवार को थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना कोखराज एवं थाना सैनी में जनसमस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को तत्काल मौके पर जाकर समस्या को निस्तारित करने के निर्देश दिये।

थाना कोखराज में कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 07 शिकायतों को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया एवं शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने राजस्व एंव पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर निस्तारित करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार थाना सैनी में कुल 06 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 01 शिकायत को मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया एवं शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने राजस्व एंव पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर निस्तारित करने के निर्देश दिये।

जन शिकायत सुनते डीएम, एसपी

ईमानदारी और नेक नियत के दम पर पूरे देश में छा रही आम आदमी पार्टी

चायल, कौशाम्बी। चायल तहसील के कस्बा चायल के डीहा पर शनिवार को आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हुआ। इस दौरान पार्टी पदाधिकारी व कार्यकताओं ने पूरे जोश के साथ पार्टी का 10वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम का संचालन महंत सिंह मौर्या ने किया। इस दौरान मुख्य अतिथि अभिषेक द्विवेदी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मोहम्मद असद ने किया। पार्टी जिलाध्यक्ष ने कहा कि आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने आज लगातार सातवें दिन चायल नगर पंचायत में कार्यकर्ता सम्मेलन किया। पार्टी का 10वा स्थापना दिवस आम लोगों के बीच केक काटकर मनाया। इस दौरान कौशांबी निकाय चुनाव प्रभारी अभिषेक द्विवेदी ने बताया कि आज हमारी पार्टी पूरे दुनिया की सबसे ऊपर उभरती हुई पार्टी है जिसने अपनी स्थापना के बाद ही दिल्ली राज्य में सरकार बना लिया। इसके बाद लगातार लाखों लोगों को जोड़ते हुए पार्टी ने दूसरे राज्य पंजाब में भी अपनी सरकार बना लिया है और हमें उम्मीद है कि 10वां स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर पार्टी तीसरे राज्य गुजरात में भी सरकार बनाएगी। अच्छी शिक्षा बच्चे स्कूल बेहतरीन हॉस्पिटल और लोगों के मुफ्त इलाज के लिए उत्तर प्रदेश के लोग आम आदमी पार्टी यहां लाए जिससे लोगों को बुनियादी सुविधाएं आसानी से मिले। नगरों के विकास के लिए यहां की जनता आम आदमी पार्टी को जीताना होगा क्योंकि आम आदमी पार्टी की एक मात्र विकल्प है जो लोगों को भ्रष्टाचार मुक्त शासन दे सकती है, इसके लिए इसलिए एक.एक कार्यकर्ता को घर घर जाकर आम आदमी पार्टी की नीतियों को, दिल्ली मॉडल को लोगों से बताएं और ईमानदार लोगों को पार्टी से जुड़े जोड़ने का काम करें। जिलाध्यक्ष मोहम्मद असद ने कहा की पार्टी का सांगठनिक ढांचा मजबूत हो रहा है लोगों को आशा है आम आदमी पार्टी हमारी समस्याओं का समाधान करेगी। इस अवसर पर पंचायत प्रकोष्ठ के महासचिव हिमांशु त्रिपाठी, अर्चना गौतम, इंद्रसेन, जयपाल जिद्दी, महंत मौर्या, अरविंद, अजीज अशरफ, श्याम पाल, अमरावती, संतोष, कमलेश आदि लोग उपस्थित रहे।

लापरवाही पर पश्चिम शरीरा से लाइन पहुंचे भवानी सिंह

कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा कोतवाली में थाना प्रभारी रहे भवानी सिंह को लापरवाही का दंश भुगतना पड़ा। तेज तर्रार पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने उन्हें थानाध्यक्ष से हटाकर लाइन भेजा है। एसपी के इस कार्यवाही से महकमे में हडकंप रहा।

बता दें कि भवानी सिंह थानाध्यक्ष पश्चिम शरीरा को एक प्रकरण में दर्ज मुकदमे में समय से कार्यवाही न कर, वादी पक्ष पर सुलह करने का दबाव बनाने के आरोप में एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने उनके विरुद्ध प्रारंभिक जांच सँस्थित करते हुए पुलिस लाइन्स स्थानांतरित किया है। जिससे जांच किसी प्रकार से प्रभावित न हो।

वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित हुआ वित्तीय समावेशन सशक्तिकरण कार्यक्रम

कार्यक्रम

कार्यक्रम में योजनाओं के विषय में लोगों को दी गयी विस्तृत जानकारी

कौशाम्बी। वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित वित्तीय समावेशन से सशक्तिकरण के लिए एक विशेष अभियान के तहत कौशांबी जिले के ग्राम पंचायत म्योहर में भारत सरकार के योजना जन सुरक्षा योजना, मुद्रा योजना, जन धन योजना, स्वयं सहायता समूह, आधार सीडिंग जैसी योजनाओं के विषय में लोगों को विस्तृत जानकारी कार्यक्रम आयोजित दिया गया। इस अभियान में पात्र व्यक्तियों के लिए बैंक खातों, बीमा पेंशन योजनाओं के संबंध में संतृप्त प्राप्त कर ध्यान केंद्रित किया गया जिसके तहत म्योहर ग्राम पंचायत में 200 जन धन खाता के पात्र आवेदनों को एकत्रित किया गया। 100 सुरक्षा बीमा योजना हेतु पात्र आवेदनों को संग्रह किया गया, 100 किसान क्रेडिट कार्ड, 50 जीवन ज्योति योजना के आवेदन प्राप्त किया गया।

इस योजना को सफल बनाने हेतु बड़ौदा यूपी बैंक म्योहर के शाखा प्रबंधक संजय सिंह, सहायक प्रबंधक नितेश, बैंक के सभी बैंक मित्र, म्योहर ग्राम प्रधान विमला सिंह, ग्राम विकास अधिकारी संदीप सिंह, ग्राम पंचायत सहायक अर्चना सिंह, बी एम एम एन एल एम शिवपाल सिंह मौजूद रहे।

म्योहर में निकाली गई कलश यात्रा आयोजित हुई श्रीमद् भगवत कथा

कलश यात्रा में शामिल गांव की महिलाएं व पुरूष

बारा, कौशाम्बी। विकास खंड कौशाम्बी अंतर्गत म्योहर में शुक्रवार को श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ से गांव के मुख्य मार्गों पर कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में कई महिलाएं सिर पर कलश लेकर चल रही थी जो शोभायमान हो रहा था। समस्तं लोग भक्ति भाव के साथ महिला,पुरुषों ने सिर पर कलश लेकर कथा स्थल तक पहुंचे। यहां कलश में भरे जल से कथा स्थल की शुद्धि की गई। कथा वाचक भास्कर मढ़ी त्रिपाठी लछीपुर प्रतापगढ़ के श्री मुख से कथा का वर्णन किया गया। उन्होंने श्रीमद् भागवत कथा में प्रवचन करते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने से मानव जीवन में एक जन्म नहीं अपितु हमारे कई जन्मों के पापों का नाश होने के साथ ही हमारे शुभ कर्मों का उदय होता है। कथा सुनने मात्र से जीव जन्म और मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है। कथा मे उमानिवाश पांडेय कमलेश मिश्रा संतोष गर्ग राकेश सिंह सन्त कुमार संतोष रवि शंकर पाण्डेय राहुल सिंह आदि समस्त ग्रामीण उपस्थित रहे।

आतंकी हमले में मारे गए लोगों को दी गई श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि

दस पाकिस्तानी आतंकियों ने 26 नवंबर 2008 को मुंबई को बम धमाकों और गोलीबारी से दहला दिया था

कौशाम्बी। 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों की बरसी में विद्यालय के छात्रों ने कैंडल जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुंबई ताज हमला भारतीय इतिहास का वह काला दिन है जिसे कोई चाह कर भी भुला नहीं सकता, दस पाकिस्तानी आतंकियों ने 26 नवंबर 2008 को मुंबई को बम धमाकों और गोलीबारी से दहला दिया था इस आतंकी हमले को आज 14 वर्ष हो गए हैं। इस आतंकी हमले में 160 से ज्यादा लोग मारे गए थे और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। हमला करने वाले आतंकवादियों में से नौ आतंकवादियों को भारतीय सेना ने मार गिराया और एक आतंकवादी मोहम्मद अजमल कसाब को जीवित पकड़ लिया। इस पर .केशव देवी शिवनंदन सिंह पब्लिक इंटरमीडिएट स्कूल म्योहर में 26.11 को मुंबई हमले में मारे गए लोगों को विद्यालय के छात्र.छात्राओं ने कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी। वहीं एक्सेस इंटरनेशनल स्कूल म्योहर कौशांबी के नन्हे.मुन्ने बच्चों ने 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में मारे गए लोगों को याद किया और कैंडल जलाकर 2 मिनट के लिए मौन रखा। इस मौके पर विद्यालय के प्रबंधक दीपक सिंह ने मले के संबंध बच्चों को जानकारी दी। इस मौके पर विद्यालय के सह प्रबंधक कुलदीप सिंह, विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील जैन, समस्त टीचर और छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कैंडल जलाकर शहीद लोगों को श्रृद्धांजलि देते हुए

संक्षेप

ग्यारह मे से दो शिकायतों का हुआ निस्तारण

लालगंज। स्थानीय कोतवाली में हुए समाधान दिवस के तहत ग्यारह शिकायतें दर्ज हुई। इनमें से दो शिकायतों का त्वरित निस्तारण कराया गया। ज्यादातर शिकायतें जमीनी विवाद से जुडी दिखी। कोतवाली के भवराम बोझी गांव निवासी अंबिका प्रसाद तिवारी ने शिकायत दर्ज करायी कि विपक्षी उनकी जमीन पर अतिक्रमण कर रहे है। वहीं करनराय निवासी हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ने दिये गये प्रार्थना पत्र मे कहा है कि विपक्षी उसकी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। कई बार प्रार्थना पत्र देने के बावजूद राजस्वकर्मी मौके पर नही जा रहे हैं। दोनों शिकायतों पर प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने राजस्व एवं पुलिस टीम का गठन कर मौके पर रवाना किया। समाधान दिवस का संचालन एसएसआई जावेद अहमद ने किया।

अनेकता में एकता की मिशाल है भारत का संविधान

डीएम डॉ नितिन बंसल ने कलेक्ट्रेट के अधिकारियों व कर्मचारियों को दिलाया संकल्प

संविधान दिवस

संविधान दिवस पर कार्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में आयोजित हुए कार्यक्रम

संविधान दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट के अधिकारी व कर्मचारियों को संकल्प दिलाते जिलाधिकारी

संविधान दिवस पर प्रदर्शनी का अवलोकन करते सांसद संगम लाल गुप्ता

प्रतापगढ़। कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम डॉ नितिन बंसल ने संविधान दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट के अधिकारी व कर्मचारियों को संकल्प दिलाया। कहा कि 26 नवंबर का दिन भारत का एक ऐतिहासिक दिन होता है। इस दिन को हम संविधान दिवस के रूप में मनाते हैं।

संविधान दिवस के अवसर पर जनपद के सभी सरकारी कार्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन व प्रस्तावना का पाठन कराया गया और मौलिक कर्तव्यो की शपथ दिलाई गई। जिलाधिकारी ने कहा कि हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी, पंथ निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को, सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख, 26 नवंबर 1949 ई0 (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी मिलते ही देश को चलाने के लिए संविधान बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिया गया। इसी कड़ी में 29 अगस्त 1947 को भारतीय संविधान के निर्माण के लिए प्रारूप समिति की स्थापना की गई और इसके अध्यक्ष के रूप में डॉ. भीमराव अंबेडकर को जिम्मेदारी सौंपी गई। दुनिया भर के तमाम संविधानों को बारीकी से देखने-परखने के बाद डॉ. अंबेडकर ने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार कर लिया। 26 नवंबर 1949 को इसे भारतीय संविधान सभा के समक्ष लाया गया, इसी दिन संविधान सभा ने इसे अपना लिया। यही वजह है कि देश में हर साल 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता की मिशाल है भारत का संविधान, हमें संवैधानिक व्यवस्था के साथ चलते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी (वि0रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, कलेक्ट्रेट के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर अधिवक्ताओं व कर्मचारियों ने लिया सामूहिक संकल्प

तहसील परिसर में सामूहिक संकल्प लेते अधिवक्ता एवं अधिकारी

लालगंज। स्थानीय तहसील परिसर में शनिवार को संविधान दिवस पर अधिकारियों तथा अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में भारतीय संविधान की महत्ता पर वक्ताओं ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। प्रारम्भ मे संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश ने विषय प्रवर्तन किया। लेखपाल संघ के अध्यक्ष रामचंद्र त्रिपाठी द्वारा कार्यक्रम का संयोजन किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष शहजाद अंसारी, राममोहन सिंह, विपिन शुक्ल, रामलगन यादव, दिनेश सिंह, प्रमोद तिवारी, मस्तराम पाल, विनय शुक्ल, शैलेन्द्र सिंह, रामलखन शर्मा, अबरार अहमद आदि अधिवक्ता रहे।

तीन साल की कैद व पांच हजार अर्थदण्ड की सजा

लालगंज। सिविल न्यायालय द्वारा फौजदारी के मुकदमें में अभियुक्त को तीन साल के कारावास की सजा तथा पांच हजार रुपए अर्थदण्ड से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया गया है। स्थानीय सिविल न्यायालय में उत्तर प्रदेश राज्य बनाम कमलेश सिंह उर्फ लल्लू सिंह पुत्र दुर्योधन सिंह निवासी बलीपुर बोदवा थाना उदयपुर को मारपीट के मामले में सजा सुनाई गयी है। सिविल जज कुंवर दिव्यदर्शी ने आरोपी के खिलाफ पीडित को घर मे घुसकर मारने पीटने तथा धारदार हथियार से चोट पहुंचाने एवं गालीगलौज को लेकर शुक्रवार को यह सजा सुनाई गयी। आरोपी के खिलाफ मारपीट का यह मुकदमा उन्नींस सौ पचासी में घटित घटना को लेकर उदयपुर थाने मे दर्ज हुआ था। सैतीस साल पुराने मुकदमे मे तीन वर्ष के कारावास तथा पांच हजार का अर्थदण्ड की सजा घोषित होते ही कोर्ट परिसर में सनसनी फैल गयी। मुकदमें की पैरवी कोर्ट मे तैनात सहायक अभियोजन अधिकारी द्वारा की गयी।

सांसद की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की हुई समीक्षा

समीक्षा

बाईपास एवं शहर के सीसी रोड डिवाइडर सहित अन्य प्रकरणों पर हुई चर्चा

अधिकारियों के साथ समीक्षा करते सांसद संगम लाल गुप्ता

प्रतापगढ़। सांसद संगम लाल गुप्ता की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय के सभागार में विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय राजमार्ग के बाईपास एवं शहर के सीसी रोड डिवाइडर सहित अन्य प्रकरणों पर चर्चा करते हुए सांसद ने कहा कि बाईपास का निर्माण समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित कराने का प्रयास करें।

सांसद ने कहा कि विभागों में आपस के कोआर्डिनेशन के अभाव में परियोजनाएं स्वीकृति के बाद भी लंबित रह जाती हैं। उदाहरण के तौर पर 2012 से स्वीकृत 14 किलोमीटर का बाईपास यथावत 2019 तक लंबित था। जिसे दिन प्रतिदिन की समीक्षा के बाद आज कार्य रूप में परिणत किया जा चुका है और निर्माण कार्य आरंभ है, लेकिन यदि इसी स्थिति में उसे छोड़ दिया जाए तो बीच-बीच के विवादों में वह पुनः उसी तरह अधूरा पड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग 231 लखनऊ वाराणसी पर तहसील लालगंज, मोहनगंज और तहसील रानीगंज के क्षेत्र में बाईपास के निर्माण की स्वीकृति भी प्रदान की जा चुकी है। उसकी भी परियोजना रिपोर्ट तैयार किए जाने का कार्य आरंभ हो चुका है। उन्होंने संबंधित कार्यदाई संस्था को समय बद्ध तरीके से कार्य करने एवं समेकित रूप से सभी विभागों से तालमेल बिठाकर कार्य के निपटारे की अपील की। बताया कि भारत सरकार के भूतल परिवहन मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग प्रयागराज अयोध्या के निमार्णाधीन बाईपास गोड़े से महकनी का कार्य प्रगति पर है, और विस्तार कर 6 किलोमीटर और बढ़ाते हुए उसे पुनः राजगढ़ के सन्निकट उसी मार्ग पर मिलाया जाने की कार्यवाही प्रचलित है तथा शहर के मध्य से होकर गुजरने वाले मार्ग भूपियामऊ से सुनावा तक 10 किलोमीटर सीसी रोड डिवाइडर सहित सड़क के निर्माण कार्य की स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है, जिसके संबंध में वैधानिक औपचारिकताओं की कार्यवाही भी आरंभ हो चुकी है। बैठक में डीएम डॉ नितिन बंसल सहित राजस्व विभाग, विद्युत विभाग, जल निगम, दूरसंचार, स्थानीय निकाय एवं अन्य संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों मौजूद रहे। डीएम ने कहा कि बाईपास के विस्तारीकरण में संबंधित कार्यदाई संस्था वन विभाग के समक्ष वृक्षों के कटान व अन्य प्राक्कलन तथा उसमें ब्यय की जाने वाली धनराशि उपलब्ध कराने का कार्य करें जिससे उसका निपटारा तात्कालिक रूप से किया जा सके। उन्होंने दूरसंचार विभाग को निर्देशित किया कि वह आगामी 1 सप्ताह में समस्त परियोजनाओं में विभागीय स्थिति को स्पष्ट कर मंत्रालय के अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत करें जिससे उसका निपटारा किया जा सके । डीएम ने निर्देशित किया कि सभी संबंधित राजस्व अधिकारी एक विशेष टीम गठित कर नियमित रूप से प्रत्येक सप्ताह समीक्षा कर जो भी लंबित प्रकरण हो उसका निस्तारण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी वन प्रभाग, मुख्य राजस्व अधिकारी, उप जिलाधिकारी रानीगंज संगम लाल गुप्ता, तहसीलदार सदर, तहसीलदार लालगंज, अशोक कनौजिया चीफ इंजीनियर राष्ट्रीय राजमार्ग, समर बहादुर परियोजना निदेशक राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण रायबरेली, अधीक्षण अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग खंड लखनऊ, अधिशाषी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग खंड सुल्तानपुर, विवेक उपाध्याय, टीडीएम प्रतापगढ़, अधिशासी अभियंता विद्युत, कुस ठाकुर सहित मंत्रालय व राजस्व के सभी संबंधित अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

संक्षेप

छात्रों ने बनाई मानव श्रृंखला

प्रतापगढ़। संविधान दिवस पर कंपोजिट स्कूल जोगापुर में छात्रों ने मानव श्रृंखला बनाकर संविधान के नियम और कानून के पालन करने का संकल्प लिया। इस मौके पर टीचरों ने बच्चों को संविधान के मौलिक अधिकार कौन कौन से है। उसका क्या महत्व है विस्तार से बताया। मानव श्रृंखला में बच्चों ने बढ़ गया प्रतिभाग किया।

परिषदीय विद्यालयों मे संविधान की प्रस्तावना का हुआ वाचन

लालगंज। संविधान दिवस पर विकास खंड लालगंज के परिषदीय स्कूलों में समारोह आयोजित किये गए। जिसमें संविधान दिवस पर संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई गयी। खंड शिक्षा अधिकारी प्रभाकर यादव ने कहा कि संविधान के निमार्ताओं के योगदान को सम्मान देने के लिए 26 नवंबर को जनभागीदारी के रूप में मनाया जाता है। सुबह ग्यारह बजे शिक्षको व छात्रों को संविधान प्रस्तावना की शपथ दिलाई गयी तथा संविधान दिवस के अवसर पर कार्यालय व स्कूल में संविधान की प्रस्तावना का पाठन सामूहिक रूप से किया गया तथा कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस मौके परएआरपी अवनीश मिश्र, राजीव पाण्डेय, जयप्रकाश पाण्डेय, डा. रमेश मिश्र, लाल अभय प्रताप सिंह, उदय सिंह व अजय कुमार तिवारी मौजूद रहे। वहीं विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय-उमापुर में प्रधानाध्यापक प्रभाकर दुबे, जगन्नाथपुर में प्रज्ञा मिश्रा, खालसासादात में राजाराम सरोज, मेढावा में राजेश्वर यादव, असैनापुर में नंद कुमार दुबे, देवापुर में साधना द्विवेदी, पूरे कलाभदारी में योगेश कुमार शुक्ल, हुलासगढ़ में धर्मेश्वर मिश्र, भवराम बोझी में अजीत शुक्ल, खजूरी में रामकृष्ण तिवारी, तारापुर में इंद्रमणि यादव, मिश्राइनपुर में ऋतु शुक्ला, लालगंज में विष्णु सिंह, खेमसरी में राजेश मिश्रा, पूर्व माध्यमिक विद्यालय पूरे तिलकराम में गिरिजानंद कनौजिया, असरही में पूनम सिंह, यूपीएस केशवपुर में सुन्दर लाल सरोज के संयोजन में संविधान दिवस पर शिक्षकों व छात्रों ने संविधान की प्रस्तावना का पाठन सामूहिक रूप से किया।

पराली जला रहे किसानों पर कार्यवाही से हड़कंप

पट्टी। आसपुर देवसरा क्षेत्र में धनीपुर गांव में उप कृषि निदेशक व उप जिलाधिकारी पट्टी के औचक निरीक्षण में शासन के निर्देश के अनुरूप कार्य न करने पर पराली जला रहे किसानों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। जिससे इलाके में हड़कम्प मच गया। बतादे की पट्टी तहसील क्षेत्र के आसपुर देवसरा के धनीपुर गांव में शासन द्वारा पराली जलाने पर रोक के बावजूद भी धान काटने के बाद लोग इसका अनुपालन नही कर रहे थे। किसानों द्वारा पराली जलाए जाने की सूचना मिलने पर उपजिलाधिकारी पट्टी को हुई तो उनके साथ उप कृषि निदेशक कृषि डॉ रघुराज सिंह मौके पर पहुंच गये। उन्होंने पराली जला रहे आधा दर्जन किसानों के खिलाफ विधिक कार्यवाही की। किसानों पर औचक निरीक्षण कर की गई कार्यवाही से स्थानीय किसानों में हड़कम्प मच गया।

सत्कर्म और सदाचरण से ही जागृत होता है भाग्यफल : आचार्य योगेश

धार्मिक अनुष्ठान में आयोजन समिति द्वारा प्रमोद तिवारी का हुआ सम्मान

लालगंज। बरीबोझ गांव में हो रही भागवत कथा में तीसरे दिन ध्रुव चरित्र की महिमा का बखान करते हुए कथाव्यास आचार्य योगेश जी महराज ने कहा कि मनुष्य को समाज में अच्छे काम करना चाहिए। जिससे उसके चरित्र की मयार्दा की प्रेरणा समाज सदैव ग्रहण करता रहे। उन्होनें कहा कि बिना कर्म के कुछ भी संभव नही हुआ करता। भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि कर्म ही प्रधान है, जो मनुष्य सत्कर्म करते हैं उन्हें अच्छे फल की प्राप्ति हुआ करती है। वहीं कथा सुनने को उमडी भीड़ कथा के दौरान श्री राधे कृष्ण संकीर्तन को लेकर मंत्रमुग्ध हो उठी दिखी। कथा श्रवण के लिए शुक्रवार की देर शाम राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी भी पहुंचे। सांसद प्रमोद तिवारी ने धमार्नुरागियों से संवाद करते हुए कहा कि आध्यात्म की प्रेरणा हमें जीवन में सदैव अन्याय और अत्याचार के खिलाफ संघर्ष के कर्म की प्रधानता का बोध कराया करती है। उन्होनें कहा कि सत्य का पथ कठिन जरूर हुआ करता है किंतु सत्य का यह मार्ग सदैव जीवन को निष्कंटक बनाये रखा करता है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि रामपुरखास में बाबा घुइसरनाथ की नगरी से मिलने वाला आध्यात्मिक संदेश सदभावना की ज्योति को प्रज्ज्वलित किये हुए है। आयोजन समिति की ओर से समाजसेवी धर्मेन्द्र तिवारी पप्पू तथा अधिवक्ता दीपेन्द्र तिवारी ने सांसद प्रमोद तिवारी को अंगवस्त्रम तथा मान पत्र प्रदान कर श्रीमंगलम् सम्मान से सम्मानित किया। वहीं कथाव्यास आचार्य योगेश जी ने भी सांसद प्रमोद तिवारी के लोक मंगल को लेकर किये जा रहे कार्यो की सफलता के प्रति व्यासपीठ से साधुवाद दिया। कथा के संयोजक पं. जगतपाल तिवारी व शिवकली देवी ने मंगल आरती का संयोजन किया। इस मौके पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी, देवी प्रसाद मिश्र, संदीप सिंह, इंद्रजीत यादव, रामचंद्र तिवारी, वीरेन्द्र तिवारी, शैलेष मिश्र, पंकज दुबे, विभूति शुक्ल, रवीन्द्र मौर्य, मीना तिवारी, सोनिया शुक्ला, डा. गंगाधर मिश्र, अमित सिंह, शिवकरन चैबे, राजेश मौर्या, सतीश तिवारी, जयप्रकाश दुबे आदि रहे।

पुल की टूटी रेलिंग बनी मुसीबत गिरी कार, राहगीर हो रहे जख्मी

नहर में गिरी कार

पट्टी। नहर पर बने हुए पुल की टूटी रेलिंग राहगीरों के लिए मुसीबत बन गई है। यहां आये दिन कोई न कोई हादसा होता रहता है। कई बार शिकायत के बाद भी किसी भी जिम्मेदार अधिकारी का ध्यान इस ओर नहीं जा रहा है। जिसकी वजह से किसी भी समय बड़ा हादसा होने की संभावना जताई जा रही है। पट्टी मुख्यालय से अमापुर आसपुर देवसरा होते हुए दाउदपुर ढकवा से जनपद जौनपुर जाने वाले मार्ग पर धरौली में बनी नहर की पुलिया की रेलिंग क्षतिग्रस्त हो गई है। जिसके कारण आए दिन दुर्घटना हो रही है। रेलिंग के आभाव के कारण दो पहिया तथा चार पहिया वाहन आए दिन नहर में गिरते रहते है। जिसकी वजह से अभीतक बहुत से राहगीरों को चोंटे आई है। गुरुवार की रात में कौशांबी जा रहे एक ओला ड्राइवर की वाहन पुल पर रेलिंग न होने के कारण नहर में जा गिरी जिससे उसका बाया हाथ टूट गया। वाराणसी के लिए जा रहे वाहन में सवार एक परिवार की बैगनार गाड़ी नहर में जा गिरी। ग्रामीणों की मदद से उन्हें बाहर निकाला गया। कुछ दिन पहले भीखमपुर गांव के रहने वाले मोनू की बाइक नहर में जा गिरी थी जिससे उन्हें काफी चोटें आई थी। इसी तरह गांव के रहने वाले रामचंद्र तथा रामगंज के आफताब भी हादसे का शिकार हो चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग का चैड़ीकरण होने से हादसे में इजाफा हुआ है। तेज रफ्तार से आने वाले वाहन रेलिंग ना होने के कारण वाहन सहित नहर में जा गिरते है। विभागीय लापरवाही के चलते जितनी बार इस रेलिंग की मरम्मत कराई जाती है वह टूट जाती है।

दुर्घटना में घायल व्यापारी की मौत, कोहराम

लालगंज। दुर्घटना मे अज्ञात कार की टक्कर से घायल व्यापारी की इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गयी। मौत की सूचना व्यापारी के घर पहुंची तो कोहराम मच गया। नगर के संगम चैराहे पर शुक्रवार की रात सलेम भदारी निवासी रामलाल जायसवाल का पुत्र पूर्णमासी जायसवाल (65) साइकिल से नेशनल हाइवे पार कर रहा था। इस बीच अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना मे घायल पूर्णमासी को गंभीर दशा मे ट्रामा सेंटर से प्रतापगढ़ रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल से उसे हेडेन्जरी के चलते प्रयागराज मेडिकल कालेज रेफर किया गया। हालत गंभीर देख उसे परिजन इलाज के लिए लखनऊ के विवेकानंद हॉस्पिटल ले गये। चुटहिल पूर्णमासी की शनिवार की सुबह सांसे थम गयी। गल्ला व्यापारी की मौत पर पत्नी निर्मला तथा पुत्र संतोष व मनोज का रो रो कर बुराहाल दिखा। मृतक का शव शनिवार अपरान्ह बाद जब घर पहुंचा तो गांव के लोग भी दुखी हो उठे। दुर्घटना मे व्यापारी की मौत की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी है। पुलिस सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया।

समाजसेवी के निधन पर जताया गया शोक

लालगंज। क्षेत्र के पूरे हरिकिशुन निवासी समाजसेवी अवध नारायण पाण्डेय के निधन पर तहसील मे अधिवक्ताओं ने शोक सभा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। सत्तर वर्षीय अवध नारायण इन दिनों बीमार चल रहे थे। वह तहसील मे अधिवक्ता लिपिक भी थे। शोक सभा की अध्यक्षता संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व संचालन महामंत्री शेष नाथ तिवारी ने किया। इधर क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने भी अवध नारायण पाण्डेय के निधन पर संवेदना प्रकट की है। चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, पूर्व प्रधान बृजेश द्विवेदी, सभासद विमलेश नारायण तिवारी, सालिक तिवारी, उमाशंकर मिश्र आदि ने अवध नारायण के निधन पर दुख जताया है।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ

शपथ ग्रहण

सदर तहसील परिसर में बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नवनिर्वाचित पदाधिकारीगण

प्रतापगढ़। बार एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह सदर तहसील परिसर में शनिवार को चंद्रेश पांडेय एडवोकेट की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे सांसद संगम लाल गुप्ता व भाजपा जिला अध्यक्ष हरिओम मिश्र ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर के समक्ष दीप प्रज्वलित व माल्यार्पण कर किया।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र मिश्र नगरहा मौजूद रहे। इस मौके पर सांसद संगम लाल गुप्ता ने एल्डर कमेटी के अध्यक्ष विजय पाल सिंह एडवोकेट की मौजूदगी में बार एसोसिएशन तहसील सदर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष दुर्ग विजय सिंह, महामंत्री बृजेंद्र उपाध्याय, वारिष्ठ उपाध्यक्ष श्याम नारायण पांडेय, रामगोपाल, उपाध्यक्ष जावेद अख्तर, उपाध्यक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष अभिनव मिश्र, शरद मिश्र, कोषाध्यक्ष अभय कुमार ओझा, मंत्री प्रशासन अभिषेक सिंह, संयुक्त मंत्री अभिषेक शर्मा, प्रकाशन मंत्री विशाल, लाइब्रेरियन अरुण उपाध्याय व कार्यकारिणी सदस्य सीपी शुक्ल,फिरोज खान, दिनेश वर्मा, सर्वेश, कमलेश सहित आदि को शपथ दिलाई। इसके उपरांत सांसद संगम लाल गुप्ता ने तहसील बार के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वादकारियों को न्याय दिलाने के लिए बार और बेंच का सामंजस्य जरुरी है। तभी गरीबों व पीड़ितों को न्याय मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं का समाज में बहुत बड़ा कद है, उसे बनाए रखने के लिए समाज के अंतिम पायदान तक न्याय दिलाना चाहिए। सांसद ने तहसील परिसर में वादकारी कक्ष बनवाने की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के सदस्य व पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र मिश्र नगरहा ने नवनिर्वाचित कमेटी के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अधिवक्ता संघ और न्यायपालिका एक दूसरे के पूरक बनकर काम करते हैं, यदि कभी किसी वजह से कोई गतिरोध उत्पन्न हो जाता है तो उसे आपसी सहमति से सुलझाया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन वारिष्ठ अधिवक्ता अबरार जहानिया ने किया। शपथ ग्रहण समारोह के मौके पर वकील परिषद के अध्यक्ष सूर्यकांत मिश्र निराला, जूनियर बार के महामंत्री संतोष नारायण मिश्र, उपाध्यक्ष विवेक शुक्ला, हरीश शुक्ल, जूनियर बार के पूर्व अध्यक्ष अयोध्या प्रसाद मिश्र, पूर्व कनिष्ठ उपाध्यक्ष शिवेश शुक्ल, रवीन्द्र रावत, अभिषेक तिवारी, अशोक पांडेय दीनदयाल, राकेश शुक्ल, मकरंद शुक्ल, सलीमुद्दीन, रजनीकांत मिश्र सहित आदि अधिवक्ता बार के पदाधिकारी मौजूद रहे।

जनसंपादकीय

कर्मयोग का सुन्दर प्रबोधन

गीता दर्शन ग्रंथ है। इसका प्रारम्भ विषाद से होता है और समापन प्रसाद से। विषाद पहले अध्याय में है और प्रसाद अंतिम में। अर्जुन गीता समझने का प्रभाव बताते हैं, नष्टो मोहः स्मृतिर्लब्धा त्वत्प्रसादान्मयाच्युत। हे कृष्ण आपके प्रसाद से - त्वत्प्रसादान्मयाच्युत मोह नष्ट हो गया। प्रश्न उठता है कि यह विषाद क्या है? युद्ध के प्रारम्भ में ही अर्जुन के सामने कठिनाई आती है। उसके अपने घर के लोग ही युद्ध तत्पर सामने खड़े हैं। सगे सम्बंधी हैं। वह तय नहीं कर पाता कि क्या सगे सम्बंधियों को मार कर युद्ध में जीतकर राज्य लिया जाना चाहिए। अर्जुन विषाद ग्रस्त है। वह अपनी मनोदशा बताता है - सीदन्ति मम गात्राणि मुखं च परिशुष्यति। हमारा पूरा शरीर कपकपी में है। हमारा मुँह सूख रहा है। हे कृष्ण मैं युद्ध नहीं करूँगा। यहाँ अर्जुन निश्चयात्मक हो गया है। पहले बाएं या दाएं जाने की बात थी। वह अब युद्ध न करने का निर्णय कर चूका है। इसके बाद श्रीकृष्ण ने हँसते हुए कहा। हँसते हुए इसलिए कि वह पूरी बात बिना सुने ही स्वयं निर्णय लिए ले रहा है। पहले कहता है कि सब सम्बंधी खड़े हैं। अब मैं क्या करूँ? फिर एकदम से निर्णय लेता हैं कि हे त्रिलोकी मैं युद्ध नहीं करूँगा। स्वाभाविक ही उपदेशक को उस पर हंसी आएगी। कभी कभी सबके जीवन में जीवन संचालन के लिए आधारभूत सत्य भी अस्पष्ट दिखाई पड़ते हैं। समझ में नहीं आता कि क्या किया जाए? सृष्टि का वास्तविक रहस्य क्या है? वास्तविक रहस्य जानने के लिए हमारे राष्ट्रजीवन में वैदिक काल से ही प्रश्नों की परंपरा रही है।

दुनिया की किसी भी सभ्यता संस्कृति में भारत जैसी प्रश्नाकुल बेचैनी नहीं मिलती। गीता भी अर्जुन के प्रश्नाकुल चित्त का उत्तर है। रामचरितमानस में कागभुशुण्डि और गरुण के प्रश्नोत्तर हैं महाभारत में यक्ष और युधिष्ठिर के बीच प्रश्नोत्तर है। भारत की मनीषा जिज्ञासा और प्रश्नों से भरीपूरी रही है। ऋग्वेद के पहले मण्डल में ही एक सुन्दर सा मन्त्र आता है जहां ऋषि कहता हैं - पृक्षामि त्वाम भुवनस्य नाभि - हे देवताओं ब्रह्माण्ड बहुत बड़ा है। मैं सभी भुवनों का केन्द्र जानना चाहता हूँ। हमारे पूर्वज ऋषि ब्रह्माण्ड का केन्द्र जानने की जिज्ञासा में थे। उत्तरवैदिककाल में तमाम उपनिषद् साहित्य प्रकट हुआ, रचा गया। कठोपनिषद् पुरानी है। गीता से भी बहुत प्राचीन। कठोपनिषद् की अनेक बातें गीता में मूल रूप में दिखाई पड़ती हैं जैसे कोई व्यक्ति ये समझता है कि हम किसी को मारते हैं या वह सोचता है कि हमको कोई मारता है। हे अर्जुन ये दोनों सत्य नहीं जानते। यह बात कठोपनिषद् में भी यम और नचिकेता के संवाद में है। कोई कह सकता है कि क्या यहां कोई नई बात नहीं लिखी जा सकती थी? असल मे भारतीय परंपरा व चिंतन में कंटीन्यूटी है। निरंतरता है। जो बात ऋग्वेद के ऋषि कहते हैं वही बात काल के क्रम में श्रीकृष्ण दोहराते हैं। दोहराव का मूल भिन्न नहीं होता। दुनिया के अन्य देशों में ऐसी सांस्कृतिक निरंतरता नहीं दिखाई पड़ती। वैदिक काल व तत्कालीन गीता दर्शन के रचनाकाल में फासला है। गीता के कालखंड में तमाम तरह की परिस्थितियां बदल चुकी थीं। ऋग्वेद के पुरुष सूक्त में एक विराट पुरुष की कल्पना की गई है। बताया गया है, वह सहस्त्र शीर्षा है। हजारों सिर वाला हजारों पैरों वाला है। उसके भीतर पूरा ब्रह्माण्ड है। ऋग्वेद के बहुत समय बाद हजार साल बाद डेढ़ हजार साल बाद फिर गीता में विश्व रूप दिखाई पड़ता है। विराट पुरुष से विश्व रूप की तुलना करिये। ऋग्वेद में जगत, ब्रह्माण्ड, सूर्य, चंद्र, धरती, आकाश प्रीति प्यार सबक एक जगह पर हैं। पुरुष की तरह ही गीता का विश्वरूप है। गीता में दोनों का मेल दिखाई पड़ेगा। क्यों दिखाई पड़ेगा? क्योंकि सत्य एक है विद्वान उसे अपने अपने ढंग से कहते हैं - एकम्‌ सद् विप्रा बहुधा वदन्ति। बात वही है। पहले से चली आ रही परंपरा में है।

एक शब्द है अध्यात्म। बहुत सारे मित्र हमें आध्यात्मिक कहते हैं। फिर स्वयं के लिए कहते हैं कि मैं भी आध्यात्मिक हूँ। मित्र लोग आते हैं। कहते है पंडित जी आप आध्यात्मिक आदमी हो मैं भी आध्यात्मिक हूँ। मैंने पूछा कि आध्यात्मिक माने क्या? आप हमको भी आध्यात्मिक बनाए दे रहे हो और स्वयं को भी। इसका अर्थ क्या है? सरल चित्त वाले मित्रों ने कहा, रामायण पढ़ लेना, महाभारत पढ़ लेना, होली मनाना, दिवाली मनाना कर्मकांड करना कुछ व्रत रहना आदि अध्यात्म है। हम लोग शांत चित्त से आपस में विचार कर सकते हैं। इस प्रश्न का सीधा उत्तर नहीं मिलता। मेरे पास भी नहीं है। लेकिन गीता में है। गीता में अर्जुन कृष्ण से सीधा प्रश्न करते है किम अध्यात्मं - हे कृष्ण अध्यात्म क्या है? सीधा प्रश्न है। किम अध्यात्मं। क्या है अध्यात्म? कृष्ण का उत्तर भी सीधा है। जैसे प्रश्न सीधा वैसे ही तीन शब्दों का उत्तर भी सीधा, स्वभावो अध्यात्म उच्चयते। स्वभाव ही अध्यात्म कहा जाता है। स्वभाव का थोड़ा विवेचन कर लें। अगर मैं गुस्सा हो जाऊं। होऊंगा नहीं। चाहे जो भी कहो लेकिन अगर मैं गुस्सा हो जाऊं। माइक फेंक दूँ तो अखबार के लिए मजेदार खबर बनती है। मेरे मित्र मुझको बचाने के लिए कहेंगे, यार उनका स्वभाव ही ऐसा है। क्या किया जाए।ह्व यहाँ स्वभाव का अर्थ निकलता है हमारे व्यक्तित्व की परिधि की हलचल। परिधि शब्द गणित विज्ञान का है। व्यक्तित्व की परिधि में जो कुछ घटता है उसको हम स्वभाव मान लेते हैं। इस स्वभाव का अभिप्राय मूल स्वभाव से नहीं है। स्व हमारा अंतर्तम भाग है। भीतर का अपना भाव। यही अध्यात्म है। वह हमारे भीतर खिलता है। भीतर पकता है। भीतर उगता है। भीतर कली बनता है। भीतर फूल बनता है। भीतर रस बनता है। भीतर सोम बनता है। साम बनता है। छंद बनता है। भीतर स्वभाव है। बाहर के कर्मों कच स्वभाव कहना गलत है। वह मूल स्वभाव नहीं है। वह परिधि पर किया गया हमारा कर्म है। स्व महत्वपूर्ण है। स्व शब्द से एक सुन्दर शब्द बना स्वार्थी। बड़ा प्यारा शब्द है। इसका उपयोग है जीवन में। लेकिन यह शब्द बड़ा निन्दित हो गया है कि आदमी बड़ा स्वार्थी है। स्वार्थी माने जो स्व के लिए काम करता है। स्व भीतर का भाग है। स्वार्थी विद्यार्थी ठीक से अध्ययन करता है। ठीक से पढ़ता है। स्वार्थी अध्यापक ठीक से पढ़ाता है। उसका स्वार्थ इसमें है कि हमको यश मिले। प्रतिष्ठा मिले। इसी स्व से बनता है स्वस्थ। अपने में होना स्वस्थ होना है। हम लोग अर्थ लेते हैं जो बीमार नहीं वह स्वस्थ है। स्वस्थ माने अपने में होना। गीता का स्वभाव अध्यात्म है। स्वभाव आपका हमारा मूल है। उसकी तरफ ध्यान करना शुभ है। उसी तरफ देखें। उसकी गतिविधि का अध्ययन अध्यात्म है। गीता में योग की महत्ता है। इसमें कर्मयोग है। ज्ञान योग है, भक्ति योग है। श्रीकृष्ण ने अध्यात्म की तरह योग की परिभाषा भी की - दुख संयोग से वियोग ही योग है। गीता कर्मयोग का सुन्दर प्रबोधन है। यह दार्शनिक है। शास्त्रीय है। भौतिक भी है और अध्यात्मिक भी।

हृदयनारायण दीक्षित
लेखक उप्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं

भाषा

मुझे सीखनी थी नदी की भाषा
सो गया नदी के पास
नदी ने कहा -
मेरी भाषा सीखने के लिए
तुम्हें सीखनी पड़ेगी पानी की भाषा ।
पानी के पास गया
तो पानी ने कहा
मेरी भाषा का पता तो प्यास के पास
है।
प्यास से पूछा तो
उसने कंठ का पता बताया ।
तबसे
कंठ, प्यास,पानी
और नदी की
भाषा
खोज रहा हूं।

- अनिल त्रिपाठी

ज़िंदगी का पता देतीं ममता कालिया की कहानियां

समीक्षा

आलोक मिश्र

ममता कालिया वर्तमान हिंदी लेखन जगत के सबसे चमकदार नक्षत्रों में से एक हैं। कहानी, उपन्यास, संस्मरण जैसे कई विधाओं में उनकी मखमली भाषा का जादू पाठकों के सिर चढ़ कर बोलता है। उनकी कलम से निकले शब्द भावनाओं की स्याही से ही नमूदार होते दीख पड़ते हैं। सेतु प्रकाशन से आए उनके नए कहानी संग्रह 'दो गज की दूरी' की कहानियां पढ़ते हुए कभी अंदर एक गुदगुदी उठती है जो चेहरे पर मुस्कान बन तैर जाती है, तो कभी-कभी भावुकता की ऐसी लहर उफनने लगती है कि रोने का मन हो आता है। संग्रह की सभी चौदह कहानियां एक से बढ़कर एक हैं। कोरोना काल में लिखी गईं होने के कारण उस महामारी के प्रभाव से गहरे तक प्रभावित जिंदगी अक्सर ही इनमें झांकती दिखती है।

पहली ही कहानी 'दो गज की दूरी' अपने नाम से ही महामारी से उबरी हमारी चेतना को अपनी ओर खींचती है। इन दिनों में बचाव के लिए कहा गया ये वाक्य वास्तव में हमारे रिश्तों-नातों और सामाजिक संबंधों में आई मानसिक दूरी के रूप में आज ज्यादा मूर्तमान होता हुआ दिखता है। शादीशुदा जिंदगी में मिले धोखे और पैदा हुई दूरी से बेटे तन्मय के साथ अकेले रह रही समिधा का मन सोशल मीडिया के जरिए जुड़े श्यामल से जुड़ जाता है। बेटा तन्मय कॉलेज जाने लगा है। लिखने-पढ़ने वाली समिधा के मन को सहारा देने वाला कोई नहीं। पर मोबाइल की आभासी दुनिया से जुड़ा उससे कम उम्र का श्यामल अपनी सहजता और खुशमिजाजी से उसे मोह लेता है। कुछ मुलाकातों में ही एंकरिंग और स्टेज परफॉर्मेंस में पारंगत श्यामल और समिधा आपस में घुलमिल जाते हैं। मोबाइल के जरिए ही ज्यादातर जुड़ पाने के कारण समिधा मोबाइल के ओझल होने पर परेशान हो जाती है। एक मुलाकात के बाद उसका मोबाइल श्यामल के पास ही छूट जाता है और इसी बीच स्टेज प्रस्तुति में श्यामल को चोट भी लग जाती है। टीवी के जरिए पता चलने पर समिधा परेशान हो उठती है। पर वह तो फोन भी नहीं कर सकती। देर रात श्यामल आता है समिधा को फोन देने। चोटिल होने की वजह से समिधा उसे रोकना चाहती है। पर वह यह कहकर चला जाता है कि उसकी पत्नी समता को इंदौर में उसकी जरूरत है। उसे प्रसव के लिए कभी भी अस्पताल में दाखिल करने की जरूरत पड़ सकती है। जाते हुए श्यामल को समिधा देखती रह जाती है। बिना चार्ज मोबाइल उसे बेजान, बेमतलब और फालतू लगता है। वह बस सोचती रह जाती है।

वास्तव में यह संबंधों में एकाकी जीवन जी रही एक स्त्री के मनोविज्ञान की कहानी है। जिसमें वह अपने मन की परतों में दबी भावनाओं को प्रस्फुटित होने भी देती है और कभी-कभी उस पर जिंदगी की प्राथमिकताओं और स्वाभिमान की परत भी चढ़ा लेती है। संग्रह में अंतिम की ओर आते-आते यही समिधा और श्यामल नाम के पात्र पुनः 'दूसरा मेघदूत' कहानी में फिर से शाया होते हैं। इसमें संभवतः 'दो गज की दूरी' कहानी से पहले की पृष्ठभूमि को लेखिका ने उतारा है। बैंककर्मी और स्टेज परफॉर्मर श्यामल और लेखिका समिधा का मन मोबाइल के जरिए आपस में जुड़ गया है। पर दार्जलिंग की लंबी और बीस दिनों की यात्रा में उसका नेटवर्क न होने से सबसे संपर्क कटा रहता है। होटल की एक परिचारिका प्रिया से वह उसके दूर ड्यूटी पर तैनात पति के बारे में बात करती रहती है और रिश्तों में उसके विश्वास को देख प्रभावित भी होती है। उसे लगता है कि दिल्ली के सब दोस्त उसे भूलकर अब टोली बाहर कर चुके होंगे। लौटते हुए एयरपोर्ट पर पहुंचते ही नेटवर्क आ जाने पर मोबाइल में उसकी कंसर्न में आए श्यामल के कुछ मैसेज उसमें ऊर्जा भर देते हैं। दरअसल यह कहानी पहली कहानी को पूर्णता प्रदान करती है और खुद में उपन्यास के बीज छिपे होने की संभावना को प्रगट करती है।

इस संग्रह को मैं जिस एक कहानी के कारण सर्वाधिक मूल्यवान मानूंगा वो है 'कच्चे होते धागे'। इस भागदौड़ भरी ज़िन्दगी में कमजोर पड़ रहे रिश्तों के कसमकस की भावुक करने वाली कथा-व्यथा है ये कहानी। बुजुर्ग दीपचंद और सत्या दंपति अपने बच्चों की अपने शादीशुदा जीवन की व्यस्तता और नौकरी की संलग्नता के बीच लगातार अपनी उपेक्षा और अलगाव को महसूस करते हैं। रहते भले वे जालंधर में हैं पर इलाहाबाद में रह रहे बेटे सागर और बेटी सरिता के सुख-दुख में पूरे अपनत्व से शामिल होने की लालसा लिए रहते हैं। पोते बिल्लू की खांसी बुखार सुनकर भी सत्या इतने दूर उसकी देख-रेख के लिए आ जाती है। पर उसका यूं अक्सर सुबह ही आ जाना भी बेटे बहू को परेशानी का सबब लगता। वे पूरे दिन अपनी नौकरी के काम में व्यस्त रहते। उन्हें मां को देने के लिए समय नहीं होता। बल्कि बच्चों के भले में कहे गए को भी वे अपनी जिंदगी में दखल मानते। यही स्थिति इलाहाबाद में ही रह रही बेटी सरिता के यहां भी रहती। नाती पुनीत के दिन भर मोबाइल में लगे रहने पर सत्या द्वारा टोकना बेटी सरिता को ही ठीक नहीं लगता। पंद्रह-बीस दिन इलाहाबाद में रहकर सत्या वापस जालंधर वापिस चली जाती। हर बार सोचती 'अब इलाहाबाद नही आऊंगी, कम से कम अकेले तो नहीं। कोई भी मेरी बात नहीं सुनता।' दीपचंद लौटी सत्या का खिन्न चेहरा देख सब समझ जाता। अपने अकेलेपन के जीवन में उन्हें नया सहारा मिलता है मानव मिशन सत्संग में। यहां तक कि बेटे सागर के जालंधर आने पर भी वे अपने मानव मिशन की दिनचर्या में फेरबदल नहीं करते। बेटे सागर को पहले लगता है कि मां पिता जी उससे बदला ले रहे हैं लेकिन फिर उसे अपनी गलतियों का एहसास हो जाता है। आश्रमों, सत्संगो में अधेड़ और बूढ़े स्त्री पुरुषों की बड़ी उपस्थिति के पीछे के कारणों पर यह कहानी एक नए तरीके से प्रकाश डालती है और कहीं न कहीं ऐसे संगठनों की प्रासंगिकता को भी इस मामले में रेखांकित करती है।

लेखिका ममता कालिया के पास संस्मरणों की एक समृद्ध दुनिया है जो कहानियों में भी खिंची चली आती है। कहानी 'आखिरी लिबास' ऐसी ही मार्मिक कहानी है। जिसमें लेखिका साहित्यकार मित्रों एक साथ एक आयोजन में भागीदारी के लिए दिल्ली से बरेली तक की कार से यात्रा के अनुभवों को बताती हैं। रास्ते में एक दुकान का नाम 'आखिरी लिबास' देखकर वे हैरान होते हैं। फिर पास में ही कब्रिस्तान देखकर माजरा समझ जाते हैं। पर कोरोना के दौर के बीच में ही किसी कारणवश जब लेखिका को दुबारा उसी रास्ते पर जाना पड़ा और उत्सुकतावश वो फिर उस दुकान पर गईं तो पाया कि वहां एक लड़का टोपियों की दुकान लगाए बैठा है। 'आखिरी लिबास' लिखा बोर्ड वहां किनारे लटक रहा था। पूछने पर लड़के ने बताया कि 'आखिरी लिबास' कफन की उसके अब्बा की ही दुकान थी। कोविड में सब माल बिक गया। लेकिन अब्बू को भी कोविड हो गया और दुकान का आखिरी कफन उनके काम आ गया। फिर दुकान भी बंद हो गई। कहानी का अंत मार्मिक तरीके से होता है। इसी तरह कहानी 'छूट गए जो घर' भी संस्मरण आधारित कहानी लगती है। इसमें लेखिका ने नरेटर के रूप में बचपन में नानी-मामा के घर जाकर की जाने वाली मस्तियों को याद किया है। हालांकि नौकरी पेशा पिता और बिजनेस व्यापार में जुटे मामाओं के सोच व्यवहार में अंतर ने रिश्तों में दूरी पैदा कर दी। जहां मामाओं की नजर में पैसा ही इज्जत सम्मान का आधार था तो मां पिता के लिए शिक्षा, विचार और व्यवहार। दादी घर में भी होने वाली टोका-टोकी उन्हें पसंद न आती। इन सबने ददिहाल और ननिहाल दोनों ही छुड़ा दिए। ये प्रसंग पाठकों को भावुक कर देता है।

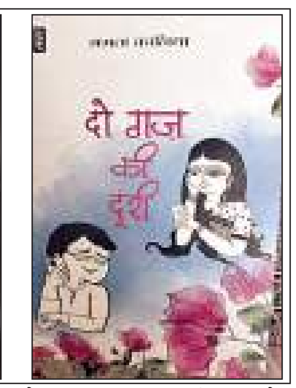

'सन 1950 के नल-दमयंती' भी इन्हीं बीती यादों से लबरेज कहानी है। विभाजन के बाद सीमा पार कर चले आए परिवार द्वारा यहां अपना घर व्यापार जमाना पढ़ते हुए दृश्य की तरह सामने आता है। पर लाल मामा जैसे सुंदर और मेहनती व्यक्ति अपने बड़े भाई और भाभी के साथ ही खुश हैं, शादी में उनकी कोई रुचि नहीं। भाभी शांता द्वारा खुद ही पसंद की गई लड़की दमयंती से लगभग जबरदस्ती उनका ब्याह हो जाता है। पढ़ी-लिखी दमयंती लाल मामा को पसंद नहीं। वह उससे कटा ही रहता है। जेठानी शांता ही दमयंती का भावनात्मक सहारा बनती है। उसे टीचर की नौकरी करने के लिए परिवार से छूट दिलवाती है। एक दिन, दिन में बाजार से लौटते हुए दुकान पर लाल मामा दमयंती को पहली बार ध्यान से देखते हैं और अपनी बेरुखी पर शर्मिंदा हो उठते हैं। उस रात आई आंधी में उनके बीच का दीवार ढह जाती है। दरअसल ये कहानी दमयंती और जेठानी शांता के आपसे स्नेह और सम्मान से भरे रिश्ते की भी कहानी है। शांता की समझदारी दमयंती और लाल मामा के बीच संबंध सुधार देती है जो एक समय टूटने के कागार पर होता है।

कहानी 'छुट्टी का एक दिन' एक अलग तरह की कहानी है। नायक अजय का ललिता से रिश्ता टूट चुका है। सप्ताह के और दिन तो व्यस्तता में निकल जाते हैं लेकिन रविवार बहुत भारी पड़ता है उसे। वह आवारा, निरर्थक सड़कों, पार्कों, दुकानों पर घूमता है पर समय नहीं कटता। चाहता है कि सिर में दर्द हो जाए जिससे वो सो जाए, पर वो भी नहीं होता। अजय को समझ ही नहीं आता कि रविवार कैसे बिताए। आज की भागदौड़ भरी अति व्यस्त जिंदगी में यह एक अलग ही रंग की कहानी है और कुछ लोगों के हिस्से का सच भी।

संग्रह की कुछ कहानियों में मोबाइल की उपस्थिति किसी पात्र की तरह ही दिखाई देती है। कहानी 'एकाक्षर प्रेम' मोबाइल के जरिए पुनः जवान हो उठे मन के प्रेम प्रसंग की कहानी है। पत्नी खुर्शीद के द्वारा पति संकल्प की या हकीकत जान लेने के बाद भी उसे न बताना और ये सोचना कि 'वही क्यों जिए प्रेमविहीन एकाकी जीवन।...आखिर नई मुहब्बत का विकल्प उसके पास भी तो है' जहां एक पल को गुदगुदाता है वहीं अगले ही क्षण सोचने पर विवश भी कर देता है। वहीं 'मोबाइल मुहब्बत' कहानी में नायिका मुग्धा का फोटो और फोन प्रेम उसकी बलि ही ले लेता है। सुहागरात के दिन ही छत पर उस अनोखी सजावट में तस्वीर लेने की चाह में वह बहुमंजिला इमारत से गिर जाती है। वर्तमान समय में सेल्फी लेते हुई कई घटनाएं जेहन में आ जाती हैं।

संग्रह की अंतिम कहानी 'विकास' आज के बाजारवादी दौर में सरकारों और राजनीतिक दलों के छद्म विकास के एजेंडे की पोल खोलती है। सिलेंडर गैस के सरकारी वितरण से मिली शकीला जैसी घरेलू कामगार औरतों को फौरी राहत गैस खत्म होते ही छूमंतर हो जाती है। कहानी 'अंगूठी' एक हास्य पैदा करने वाली कहानी लगती है पर निम्न मध्यवर्गीय संघर्षों को भी सलीके से उभारती है। 'भाषा का भूत' एक शिक्षण संस्थान में अंग्रेजी बोलना अनिवार्य करने के बहाने मजेदार ढंग से आज के अंग्रेजियत वाले माहौल में हिंदी बोलने वालों की मनोदशा को उभारती है। अंत में संस्थान का निदेशक जी एल कपूर जो खुद अंग्रेजी की अनिवार्यता को लेकर बहुत सख़्त है, संकट आने पर अपनी पंजाबी बोली में मदद की गुहार लगाता है। कहानी यहीं खत्म हो जाती है लेकिन कई सवाल छोड़ जाती है। संग्रह की कहानी 'दो शिल्पी' भी एक सुंदर कहानी है जिसमें दो प्रेम करने वाले नवसृजन की जिम्मेदारी के लिए तैयार होते हैं।

कुल मिलाकर ममता कालिया जी की सभी कहानियों के कथ्य जीवन के प्रति गहरे अनुराग से सिक्त हैं। उनमें आज की परेशानियां हैं तो उनसे जूझने की जिजीविषा भी है। सवाल हैं तो जवाब भी हैं। इन्हें पढ़ते हुए कोई भी पाठक खुद के ही अतीत और वर्तमान को पढ़ने लगता है। एक पाठक के तौर पर मैं इस संग्रह को सभी से पढ़े जाने का सुझाव दूंगा। ममता जी को साधुवाद।

पुस्तक- दो गज की दूरी (कहानी संग्रह)
लेखिका- ममता कालिया
प्रकाशक- सेतु प्रकाशन
प्रकाशन वर्ष- 2022

(लेखक कवि एवं कथाकार हैं)

इस भागदौड़ भरी ज़िन्दगी में कमजोर पड़ रहे रिश्तों के कसमकस की भावुक करने वाली कथा-व्यथा है ये कहानी। बुजुर्ग दीपचंद और सत्या दंपति अपने बच्चों की अपने शादीशुदा जीवन की व्यस्तता और नौकरी की संलग्नता के बीच लगातार अपनी उपेक्षा और अलगाव को महसूस करते हैं। रहते भले वे जालंधर में हैं पर इलाहाबाद में रह रहे बेटे सागर और बेटी सरिता के सुख-दुख में पूरे अपनत्व से शामिल होने की लालसा लिए रहते हैं। पोते बिल्लू की खांसी बुखार सुनकर भी सत्या इतने दूर उसकी देख-रेख के लिए आ जाती है। पर उसका यूं अक्सर सुबह ही आ जाना भी बेटे बहू को परेशानी का सबब लगता।

प्रोफेसर रामनाथ : औपन्यासिक कलेवर में क्षेत्रीय यथार्थ का दस्तावेज

मूल्यांकन

डॉ. अमरनाथ

'जो झुका नहीं' के लेखक वरिष्ठ पत्रकार के. एम. अग्रवाल का नया उपन्यास ह्यप्रोफेसर रामनाथह्ण दरअसल जितना उपन्यास है उससे कहीं अधिक क्षेत्रीय अतीत की राजनीतिक-सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों का एक प्रामाणिक दस्तावेज है. उपन्यासकार मूलतः पत्रकार हैं. पूर्वोत्तर के सर्वाधिक प्रतिष्ठित हिन्दा दैनिक 'पूर्वांचल प्रहरी' के वे कार्यकारी संपादक रह चुके हैं. उन्होंने बहुत सोच-विचार कर एक प्रोफेसर के जीवन को उपन्यास का केन्द्रीय चरित्र चुना है. उनका उद्देश्य वास्तव में एक ऐसे चरित्र का अंकन करना है जिसका लक्ष्य सिर्फ अपनी ही सुख-सुविधाएं जुटाना न हो अपितु वह अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को भी समझे. दरअसल, उपन्यासकार अपने चरित्र में अपनी आकांक्षाएं भी ढाल देना चाहता है. इसके निमित्त उसे एक प्रोफेसर का जीवन ही सबसे उपयुक्त लगा, जो स्वाभाविक भी है. एक विश्वविद्यालय का प्रोफेसर किसी सरकारी सेवा में कार्यरत उच्च अधिकारी की तुलना में अधिक आजाद होता है क्योंकि विश्वविद्यालय का चरित्र स्वायत्त होता है. इसीलिए विश्वविद्यालय का शिक्षक व्यवस्था पर सवाल उठा सकता है, सरकार की नीतियों के खिलाफ भी लिख और बोल सकता है. प्रोफेसर रामनाथ एक ऐसा ही चरित्र है.

रामनाथ का जन्म गोरखपुर जिले के दक्षिण स्थित सबसे पुराने तहसील बाँसगाँव में एक प्रतिष्ठित सामंती प्रकृति के परिवार में होता है. उसकी शिक्षा-दीक्षा भी एक मध्यवर्गीय परिवार के लड़के की तरह ही होती है. वह मेधावी है और पढ़-लिख कर गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र का प्रोफेसर नियुक्त हो जाता है.

रामनाथ अन्य सामान्य प्रोफेसरों से कुछ भिन्न है. उपन्यासकार के शब्दों में 'रामनाथ को अब क्लास में जाकर सिर्फ लेक्चर देने में संतोष नहीं मिलता. उन्होंने विश्वविद्यालय के ही छात्रों का एक ग्रुप बनाया, जिसमें कला संकाय के छात्रों के साथ ही विज्ञान वर्ग के कुछ ऐसे छात्रों को जोड़ा, जो जीवन में कुछ हटकर काम करने की सोचते थे.' (पृष्ठ-44) इसी क्रम में रामनाथ मध्य प्रदेश के झाबुआ और मंडला के जनजातीय क्षेत्रों में जाता है और देश के दलित शोषित समुदायों को नजदीक से देखता है. उनकी बदहाली से मुक्ति का मार्ग तलाशते हुए रामनाथ का रूपान्तरण शिक्षक के साथ- साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में होता है.

विश्वविद्?ालय में रामनाथ जो संगठन बनाता है उसमें छात्र-नेताओं, दूसरे विभाग के शिक्षकों, महिलाओं, सामाजिक कार्यकताओं के साथ ही कम्युनिस्ट पार्टी के एक स्थानीय नेता को भी शामिल करता है. वह अपने संगठन के बैनर के नीचे महिलाओं की सामाजिक -राजनीतिक स्थिति पर सम्मेलन आयोजित करता है. सम्मेलन आयोजित करने के क्रम में ही वह कमला देवी जैसी समाज-सेविका और एहसान अली जैसे कम्युनिस्ट कार्यकर्ता से जुड़ता है. इससे उसकी ईमानदारी और प्रगतिशील दृष्टिकोण का पता चलता है. वह ह्यहमलोगह्ण नाम की एक पत्रिका भी निकालता है. धीरे-धीरे उसकी ख्याति एक लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता की होने लगती है. इंदिरा गाँधी द्वारा आपात्काल लगाने पर वह जेल भी जाता है. उसे कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिलते हैं और अंत में पद्मश्री भी मिलता है.

उपन्यास में कोविड-19 की दूसरी लहर का जो दर्दनाक दृश्य अंकित किया गया है वह दरअसल एक पत्रकार का आँखो देखा हाल है. कोविड के दौरान समाज सेवा में निरंतर लगे रहने वाले पद्मश्री प्रो. रामनाथ ऑक्सीजन और दवाओं की कमी तथा देख-भाल के अभाव में लोगों को दम तोड़ते हुए देखता है तो टूट जाता है. कोरोना ग्रस्त एक प्रतिष्ठित डाक्टर की देखभाल करते हुए वह खुद भी कोरोना की चपेट में आ जाता है और उसी से उसका निधन भी होता है.

प्रोफेसर रामनाथ दरअसल उपन्याकार का आदर्श चरित्र है. उसमें सामंती और मध्यवर्गीय कमजोरियाँ भी हैं किन्तु उनसे मुक्त होने की छटपटाहट उसमें निरंतर बनी हुई है. वह अपनी एक विभागीय सहयोगी नलिनी से प्रेम करता है और उससे शारीरिक संबंध बनाने में कोई संकोच नहीं करता. विवाहित नलिनी को भी इस विवाहेतर संबंध में संकोच नहीं है, किन्तु दोनो ही अपने जीवन साथियों के प्रति अपेक्षित जिम्मेदारी निभाते हैं. इससे प्रेम और पर पुरुष या स्त्री के साहचर्य के प्रति उपन्यासकार की आधुनिक और वैज्ञानिक दृष्टि का परिचय मिलता है. यद्यपि समाज इसे अपने-अपने जीवन-साथियों के प्रति विश्वासघात ही मानेगा.

उपन्यास में गोरखपुर, कौड़ीराम, बाँसगाँव, महाराजगंज आदि के साथ ही शिब्बनलाल सक्सेना, हेमवती नंदन बहुगुणा, चंद्रशेखर, जार्ज फर्नांडीज, राजनारायण आदि से लेकर जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रान्ति के संदर्भ उसे ऐतिहासिक बनाते हैं तथा प्रामाणिक और यथार्थ का बोध कराते हैं.

उपन्यास की भाषा अत्यंत सरल, आमजन के लिए भी सहज बोधगम्य और प्रवाहमयी है. शैली वर्णनात्मक है. पठनीयता इतनी कि शुरू करने के बाद पूरा पढ़े बगैर छोड़ने की इच्छा ही नहीं होती. हालाँकि उपन्यासकार ने इसे अध्यायों या उपशीर्षकों में विभाजित न करके पाठकों के साथ ज्यादती की है. यदि इसे प्रसंगों के अनुसार कुछ अध्यायों में विभाजित किया गया होता तो पाठकों को सहूलियत होती. पूरी पुस्तक एक ही कहानी की तरह बिना उपशीर्षकों के और बिना विभाजन के है.

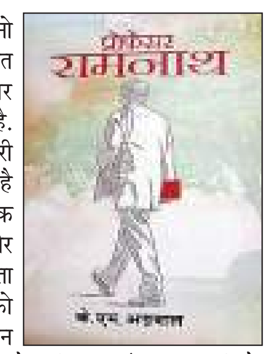

उपन्यास की दूसरी कमी है पुरस्कारों के प्रति उपन्यासकार का अतिरिक्त मोह. मानो पुरस्कृत और सम्मानित होने से ही प्रोफेसर रामनाथ महान बनता है. मुझे इसे एक कमजोरी इसलिए भी कहना पड़ा है क्योंकि उपन्यासकार एक प्रतिष्ठित पत्रकार हैं और उन्हें भली- भाँति पता होगा कि किसी को पुरस्कार या सम्मान मिलने के पीछे कौन- कौन सी शक्तियाँ काम करती हैं. पुरस्कृत होने के लिए कैसे- कैसे जुगाड़ लगाने पड़ते हैं. वास्तव में एक ईमानदार लेखक या सच्चा समाजसेवी सिर्फ आम जनता के प्रति जवाबदेह होता है. व्यवस्था- विरोध तो उसका स्थाई धर्म होता है. सरकारें कोई भी हों, वह सदा जनता के साथ खड़ा होता है. जनसंगठन उन्हें पुरस्कृत-सम्मानित जरूर करते हैं किन्तु सरकारें उन्हें पुरस्कृत नहीं करती. पद्मश्री जैसे सम्मान तो हर्गिज नहीं. उनकी जगह तो जेल होती है. सुधा भारद्वाज, एम.एम. कलबुर्गी, नरेन्द्र दाभोलकर, विनायक सेन, वरवर राव, अनिल सद्गोपाल जैसे प्रोफेसर और समाजसेवी आज भी इसके उदाहरण हैं. फिलहाल, उपर्युक्त कुछ कमजोरियों के बावजूद के. एम. अग्रवाल द्वारा लिखा यह उपन्यास इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नेपाल की सीमा से जुड़े उत्तर प्रदेश के एक पिछड़े हुए जिले महाराजगंज का प्रतिनिधित्व कर रहा है जहाँ से गिनी-चुनी साहित्यिक कृतियाँ ही प्रकाशित हो सकी हैं. मैं इस महत्वपूर्ण कृति के लिए उपन्यासकार को हृदय से बधाई देता हूँ ।

(प्रोफेसर रामनाथ, के.एम.अग्रवाल, प्रकाशकः वीएल मीडिया सॉल्यूशंस, उत्तम नगर, दाल मिल रोड, नई दिल्ली-59. पहला संस्करण, 2022 मूल्य रू.399)

अनिल करमेले की कविताएं

स्त्री : 6 कविताएँ

1. बहुत कुछ होने के बावजूद विश्वसुंदरी !

एक कॉलोनी के फ्लेट से
सजी धजी निकली थीं तुम
जहाँ सब कुछ मशीनी था
तुम किसके लिए क?या करना चाहती थीं ?
तुम किसकी प्रतिनिधि हो ?
एक महान देह के अलावा हमारे पास
और कुछ नहीं है विश्वसुंदरी
अंततः तुम्?हारे पास भी
ढेर-ढेर सारा बहुत कुछ होने के बावजूद.

2. और इस समय तुम्हारी बहनें द्रौपदी !

वे पाँच थे और तुम अकेली
तुम पाँच के बराबर थीं
तुम्हारे भीतर था उनका सारा मान
उनका सारा मान भीतर था तुम्?हारे
वे नंगे खड़े थे
द्रौपदी
वे पांच थे तुम्हारे
और इस समय तुम्हारी बहनें ?

3. किसी स्त्री ने नहीं कहा तसलीमा !

किसने कहा था ढोल पशु नारी बराबर
किसने कहा था श्रद्धा बराबर नारी
किसने कहा था त्रिकालदर्शी-त्रिलोकगामी
नहीं जानते स्त्री का चरित्र
किसने कहा है हर धर्म का झण्डा
स्त्री की योनि में गड़ता है
तसलीमा किसने कहा था ये सब हमें नहीं पता
इतना पता है किसी स्त्री ने नहीं कहा.

4. वे रघुवंशी थे सीता !

उस दिन धनुष नहीं टूटा था
सबसे ज्यादा रकम लगी थी
युद्ध लड़ा गया था तुम्हारी देह के आरपार
तुम्हारी ही जात की थीं कैकेई और मंथरा
तुम्हारी जात के नहीं थे
तुम्हारी आँखों के दो तारे
पुरुष पहले पुरुष होता है
धोबी या राजा में कोई फर्क नहीं होता.

5. बड़ी जीवट हो भंवरी !

तुम यही पता करने निकली थीं ना
कितनी रजस्वला होने से पहले
वीर्यपात झेलने पहुंचा दी जाती हैं
देख लिया तुमने
तुम्हारी बहनें उत्सव में
कितना करती हैं मंगलगान
तुम्हें तो धन्य कर दिया
सामूहिक बलात्कारों ने
देह और आत्मा पर
मगर तुम मरी नहीं
उठ खड़ी हुई शिश्नों पर लात मार कर
किस दुनिया में रहती हो
भँवरी बड़ी जीवट हो.

6. इधर जहां वे हैं

निकलना कितनी दफा
कितनी दफा भागना
गहरे काले अंधेरे से
राहें चलना कितनी
सहमते-कांपते हाथों से
अपनी गुलाबी उष्मा समेट कर
कितनी बर्फों का गलना उनमें
कितनी रातों का ठण्डा होना
कितनी राहों का होना पथरीला
कितनी आँखों में घूमना
कितने हाथों में घूमना
इस जरा-सी उम्र में
कितने हाथों का घूमना
इस जरा-सी देह पर
यहाँ दर्ज.है
मेरे समय के गहरे
काले अंधेरे में
इधर जहां वे हैं.

नियमों का पालन करना व कराना है हम सभी का दायित्व : डीएम

संविधान दिवस

डीएम ने दिलाई कर्तव्य व अधिकारों का पालन करने की शपथ

जनसंदेश न्यूज

अधिकारियों को शपथ दिलाती डीएम

मातहतों को शपथ दिलाते डीआईजी

शपथ लेते अधिवक्ता

मीरजापुर। जनपद में भारत का 73वें संविधान दिवस को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जनपद न्यायालय, कलेक्ट्रेट, पुलिस लाइन सहित सभी कार्यालयों में भारत के नागरिकों के कर्तव्य एवं अधिकारों, एवं राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता को अक्षुण्य बनाये रखने हेतु शपथ दिलाई गई। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों को पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के दृष्टिगत शपथ दिलाई।

जिलाधिकारी ने शपथ में कहा कि हम सभी भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिये तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिये तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बन्धुता बढाने के लिये दृढसंकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज 26 नवम्बर को संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। जिलाधिकारी ने सभी उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों से कहा कि संविधान में दिये उल्लिखित नियमों का पालन करना व लोगों से कराना भी हम सभी दायित्व है।

इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी सत्य प्रकाश सिंह, उप जिलाधिकारी सदर चन्द्रभान सिंह, डिप्टी कलेक्टर भरत लाल सरोज, जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपध्याय, प्रशासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट प्रदीप कुमार, अखिलेख पाण्डेय सहित कलेक्ट्रेट के सभी कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने का मंत्र है संविधान : डीआईजी

संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों के पालन करने की दिलायी गयी शपथ

मीरजापुर। पुलिस उपमहानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर आर0पी0सिंह द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर कैंप कार्यालय में पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारीगण को मौलिक कर्तव्यों से अवगत कराते हुए संविधान में निहित मूल्यों और आदर्शों सहित राष्ट्र की एकता व अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र द्वारा संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा गया। इस ऐतिहासिक संविधान दिवस के अवसर पर निर्गत निदेर्शों के क्रम में परिक्षेत्र के सभी जनपदों के शाखाओं, थानों में सम्बन्धित प्रभारी द्वारा अपने अधीनस्थों के साथ भारत के संविधान की प्रस्तावना का पाठन एवं मौलिक कर्तव्यों से सम्बन्धित शपथ ली गई जिसमें भारतीय संविधान में दिये गये मूल कर्तव्यों का पालन करने, संवैधानिक आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज व राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करने, देश की संप्रभुता अखण्डता की रक्षा करने, महिलाओं का सम्मान करने, हिंसा से दूर रहकर बंधुता बढ़ाने, सामाजिक सांस्कृतिक संवर्धन व पर्यावरण का संरक्षण करने, वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करने, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने, व्यक्तिगत व सार्वजनिक गतिविधियों में उत्कृष्ता बढाने, सभी को शिक्षा का समान अवसर प्रदान करने एवं स्वतंत्रता आंदोलन के आदर्शों को बढ़ावा देने की शपथ दिलाते हुये संविधान में वर्णित मूल कर्तव्यों के पालन करने हेतु बताया गया।

मनाया गया संविधान दिवस

लालगंज। तहसील परिसर में उपरौंध अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष अनिल कुमार शुक्ला के नेतृत्व में संविधान दिवस मनाया गया जिसमें उप जिलाधिकारी के पेशकार संजय तिवारी द्वारा संविधान की शपथ दिलाते हुए संविधान दिवस के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दिया। उपरौंध क्षेत्र के शिक्षण संस्थान और सरकारी कार्यालयों में संविधान दिवस पर शपथ दिलाया गया।

एसडीएम लालगंज ने संविधान दिवस पर दिलाई शपथ

हलिया। शनिवार को उप जिला अधिकारी लालगंज नवनीत सेहरा ने थाना परिसर में राजस्व कर्मियों एवं पुलिसकर्मियों के साथ 73वां संविधान दिवस की शपथ दिलाई। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने शपथ दिलाने के उपरांत कहा कि 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर संविधान के मूल्य एवं सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिसके तहत संविधान के आदर्शों, प्रतिबद्धता एवं संविधान की प्रस्तावना पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, वरिष्ठ उप निरीक्षक सुभाष चंद्र यादव, चौकी इंचार्ज मतवार लल्लन यादव, उप निरीक्षक विजय कुमार यादव, जेपी यादव, विक्रम विशाल सिंह, लेखपाल कृष्णा पटेल, संजीव कुमार उपाध्याय, कृष्णा मिश्रा, विनोद कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

घर से गायब युवती को पुलिस ने कानपुर से किया बरामद

कानपुर देहात क्षेत्र में युवक के घर शादी कर रह रही थी युवती

जनसंदेश न्यूज

हलिया। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती के बीते 28 अक्टूबर को घर से गायब होने पर युवती की मां ने तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बीते5 नवम्बर को गुमशुदगी दर्ज कर सर्विलांस टीम की मदद से युवती की खोजबीन में जुट गई थी। शुक्रवार को एसआई कोमल सिंह यादव की संयुक्त टीम ने युवती को कानपुर देहात के मूसानगर थाना क्षेत्र के कछगांव से एक युवक के घर से बरामद कर लिया।

युवती ने पुलिस को बताया कि वह अपनी मर्जी से घर से आई है और शादी करके यहां रह रही है। एस आई कोमल सिंह यादव व उनकी टीम ने शनिवार को युवती तथा उसके साथ शादी करने वाले युवक को लेकर ड्रमंडगंज थाने पहुंची। सूचना मिलने पर युवती के माता-पिता भी थाने पहुंच गए जहां युवती ने युवक के साथ शादी करके उसके घर रहने की बात कही। युवती ने कोर्ट मैरिज सर्टिफिकेट भी पुलिस को दिखाया। इस संबंध में सीओ लालगंज परमानंद कुशवाहा ने बताया कि ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के एक निवासी गायब युवती को कानपुर देहात जिले से बरामद किया गया है। युवती शादी कर वहां रह रही थी। युवती तथा युवक द्वारा कोर्ट मैरिज सर्टिफिकेट दिखाया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संविधान दिवस पर छात्रों को दिलायी गयी शपथ

लालगंज। श्रीमती इंदिरा गांधी राजकीय पीजी कॉलेज के सभागार में भारतीय संवैधानिक व्यवस्था व समानता विषयक गोष्ठी व प्रतियोगिताका आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र भारतीय संविधान का अमूल्य अधिकार प्राप्त व्यवस्था है। जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को समान रूप से स्वतंत्रता विधिक रुप से मिली है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भदोही काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर चंद्रभान यादव ने कहा कि भारतीय समाज की राजनीतिक संस्कृत संविधान से अधिकार रूप में प्राप्त है। जिसके कारण प्रत्येक व्यक्ति की अपनी राजनैतिक विधिक संवैधानिक संस्कृत संस्कार में शामिल है। प्राचार्य डॉ केके गिरी ने कहा कि देश में प्रत्येक व्यक्ति को विकास का अवसर सुलभ नीतियों व्यवस्थाओं के तहत उपलब्ध है इसके लिए देश का संविधान राष्ट्र के विकास में प्रकाश की तरह प्रकाशित है। रसायन विज्ञान के डॉक्टर राहुल कुमार ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक का सुरक्षा कवच और विकास का स्रोत है। जिस के नियम भारत देश के धरती आकाश के साथ मनुष्यों और जीव जंतुओं को भौतिक वस्तुओं की सुरक्षा और संरक्षण प्रदान करता है।

मतदाता पंजीकरण जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

छात्रों को जागरूक करते एसडीएम मड़िहान

जनसंदेश न्यूज

कलवारी। स्थानीय थाना क्षेत्र मड़िहान के तिसुही में एस. एस. पी.पी.डी. पी.जी. कॉलेज तिसुही मड़िहान में मतदाता पंजीकरण एवम जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी मड़िहान अश्वनी कुमार सिंह व बीएलओ सम्मलित हुए। उप जिलाधिकारी ने अपने वक्तव्य में मतदाता पंजीकरण के संबंध में छात्र छात्राओं को विस्तार पूर्वक बताया।

विद्यालय के छात्रों को मतदाता पंजीयन हेतु फार्म वितरित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राकेश मौर्य ने अपने उद्बोधन में छात्र छात्राओं को मतदाता जागरूकता के बारे में बताया और उनको पंजीकरण के लिए उत्साहित भी किया।

इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्रीनंदा प्रजापति ने बच्चों को कहा कि गांव-गांव में जिन जिन की उम्र 18 वर्ष के ऊपर हो गई हो वह सभी मतदाता पंजीकरण करा लें। कार्यक्रम में नील रतन सिंह, रवि भूषण तिवारी, रवि कुमार, पूजा सहित विद्यालय के बच्चे उपस्थित रहे।

गड़बड़ा मेला के मद्देनजर थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक संपन्न

हलिया। शनिवार कोआगामी गड़बड़ा शीतला धाम में लगने वाले मेला को लेकर मंदिर प्रबंधक एवं कार्यकर्ताओं के साथ उप जिलाधिकारी लालगंज नवनीत सेहरा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस दौरान मंदिर प्रबंधक व कार्यकर्ताओं से मंदिर पर होने वाली समस्याओं की जानकारी आदान प्रदान किया गया। कहा कि मेला सकुशल सम्पन्न कराने के लिये दो जोन में बांटा गया है। नायब तहसीलदार मेला प्रभारी के साथ पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे। इस दौरान मंदिर प्रबंधक से खोया पाया सेंटर व सीसी कैमरा तथा सेवटी नदी के किनारे बने शौचालय को दुरूस्त कराने को कहा। लोगों से मेला क्षेत्र में आने वाली अन्य समस्याओं की जानकारी ली। जिसमें स्थानीय लोगों ने अलाव जलाने तथा सेवटी नदी में स्नान करने के बाद महिलाओं को वस्त्र बदलने के लिये अस्थायी ब्यवस्था की मांग किया है। उप जिला अधिकारी ने बताया कि अलाव के लिए एडीओ पंचायत, वन विभाग एवं ग्राम प्रधान को निर्देशित किया गया है। इस मौके पर मंदिर प्रबंधक प्रकाश चंद्र शुक्ला, खिलाड़ी, राम आसरे मिश्रा, रजनेश पाण्डेय आदि लोग उपस्थित रहे।

संक्षेप

ट्रैक्टर बाइक में हुई भिड़ंत युवक की मौत

लालगंज। स्थानीय थाना क्षेत्र के लालगंज कलवारी रोड पर स्थित कठवार गांव के पास शुक्रवार को देर शाम ट्रैक्टर बाइक में हुए भिड़ंत में बाइक चालक युवक की मौत हो गई। लालगंज थाना अंतर्गत लालगंज के निवासी महेंद्र का 20 वर्षीय पुत्र वीरेंद्र बाइक से देर शाम अपने ससुराल संत नगर थाना क्षेत्र के मझारी गांव जा रहे थे। घर से तीन किलोमीटर कठवार गांव में पहुंचे ही थे कि सामने से आ रहे ट्रैक्टर का अगला टायर भ्रष्ट होने से अनियंत्रित ट्रैक्टर सामने से आरहे बाइक में टक्कर मार दिया। जिसमें वीरेंद्र गंभीर रूप से घायल होकर बाइक सहित सड़क पर गिर कर गंभीर रुप से घायल होकर अचेत हो गया। राहगीरों की सूचना पर मौके पहुंची पुलिस ने घायल वीरेंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज ले गए। जहां पहुंचने पर चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। परिजन के साथ शव को पुलिस थाने पर ले आई। अग्रेतर कार्रवाई के बाद पीएम के लिए मर्चरी हाउस भिजवा दिया गया। वीरेंद्र कुमार का 2 वर्ष पूर्व शादी हुई थी। जिससे एक बच्चा है पत्नी और स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

दहेज हत्या के आरोप में पति व सास गिरफ्तार

मीरजापुर। थाना अदलहाट, मीरजापुर पर 4 अगस्त को वादी पिंटू सोनकर पुत्र स्व0गुलाब सोनकर निवासी बसारिकपुर थाना चन्दौली चन्दौली द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध बावत की बहन को दहेज के लिए प्रताड़ित करने व मृत्यु कारित हो जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई थी। जिसके आधार पर थाना अदलहाट पर धारा 498ए, 304बी,506 भादवि व डीपी एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। पुलिस अधीक्षक द्वारा उपरोक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए घटना से सम्बन्धित अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने हेतु प्रभारी निरीक्षक अदलहाट को निर्देश दिये गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में शनिवार को प्रभारी निरीक्षक अदलहाट विजय कुमार चौरसिया मय टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना अदलहाट क्षेत्र से नामजद आरोपियों दिलीप सोनकर(पति),उर्मिला देवी(सास) निवासीगण भोरमार माफी थाना अदलहाट मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्त व अभियुक्ता के विरूद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

उपचार के दौरान अधेड़ की मौत

मीरजापुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र के बड़े बगीचा मुसहर बस्ती निवासी परदेसी मुसहर उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र मत्तल मुसहर मां विंध्यवासिनी मंदिर के पास भिक्षा टन कार्य करते थे। विगत बुधवार की भोर में लगभग 4:00 बजे जेसीबी ने कुचल दिए थे। एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती किए गए थे। हालत गंभीर होने पर मंडलीय चिकित्सालय भर्ती किए गए थे। इलाज के दौरान शनिवार की सायं काल लगभग 5:00 बजे मौत हो गई। पुलिस की सूचना पर बस्ती के लोगों ने पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर शिवपुर राम गया घाट पर अंतिम संस्कार कर दिए गए। बताते चलें कि परदेसी मुहर अपने पिता के इकलौते संतान थे। इनके कोई वारिस ना होने के कारण बस्ती के लोगों ने चंदा लेकर शव का अंतिम संस्कार किए गए।

एडिशनल सीएमओ ने ठेकेदार को लगाई फटकार

मड़िहान। विकास खण्ड क्षेत्र अंतर्गत पीएचसी पटेहरा हेतु निमार्णाधीन वार्ड रूम व मीटिंग हाल की गुणवत्ता खराब पाए जाने पर एडिशनल सीएमओ अशोक कुमार राय ने ठीकेदार को कड़ी फटकार लगाए निरीक्षण के समय फर्श के घोल में अनियमितता दिखी उसी समय ठीकेदार काम बंद करवा दिया और श्रमिको को लंच पर भेज दिया ठीकेदार के धीमी प्रगति को देख कड़ी आपत्ति जताई सीएमओ ने दिसम्बर तक हर हाल में निर्मित भवन को हैंडओवर कराने का ठेकेदार को निर्देश दिया। निरीक्षण के समय एडिशनल सीएमओ अशोक कुमार राय के साथ बीडीओ पटेहरा शरद कुमार सिंह व ब्लाक के अन्य कर्मचारी भी रहे।

650 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक गिरफ्तार

मीरजापुर। पुलिस अधीक्षक द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया है। उक्त निर्देश के अनुक्रम में शनिवार को उ0नि0 अर्जुन सिंह थाना लालगंज मय पुलिस बल द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर लालगंज थाना क्षेत्र से एक आरोपी कृष्ण कुमार उर्फ अरऊ दुबे पुत्र रामखेलावन दुबे निवासी फुलियारी थाना हलिया मीरजापुर को गिरफ्तार कर कब्जे से 650 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना थाना लालगंज पर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया।

किसानों के लिए ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

जिगना। स्थानीय के विकासखंड छानबे स्थित नरोइया बाजार में शनिवार सैकड़ों किसानों ने जमकर नारेबाजी किया। मामला यह रहा कि सोसाइटी में डीएपी खाद उपलब्ध है फिर भी सचिव राकेश यादव और अध्यक्ष कैलाश बिंद के द्वारा किसानों को खाद नही दिया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 200 बोरी डीएपी मौजूद है। किसानों का आरोप था कि खाद किसानों को न देकर ब्लैक मेल करने के लिए किसानों को भगाया जा रहा है। सुबह तो सोसाइटी खुली लेकिन शोर गुल होने पर सचिव बिना खाद दिए ही भाग खड़े हुए। ज्ञानचंद, रामप्यारे, राजेश्वर यादव, मुन्नू शुक्ला, कालू सिंह सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थिति में मिली किशोरी,चल रहा उपचार

अदलहाट। बाजार स्थित एक इण्टर कालेज के पीछे शनिवार को सुबह संदिग्ध परिस्थिति में किशोरी के मिलने पर पुलिस ने किशोरी को नरायनपुर में एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया है। जहां इलाज चल रहा है। क्षेत्र के एक गांव की 16 वर्षीय किशोरी शुक्रवार को सायं बाजार में कोचिंग पढ़ने के लिए आई, और घर पर बताई कि सायं अपने सहेली के यहां रुक जायेगें। सुबह जब किशोरी अचेतावस्था में पाई गई ,तो पुलिस ने इसकी सूचना परिजनों को दी गई। प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौरसिया ने बताया कि किशोरी का मानसिक संतुलन ठीक न होने से घटना के बारे में जानकारी नहीं हो पाई है। पूछताछ के बाद कार्यवाही की जायेगी।

पहाड़ के खदान में मिला किशोरी का शव

अदलहाट(मीरजापुर)। क्षेत्र के गोठौरा ग्राम के कुकुहीपुर पहाड़ के खदान में शनिवार को सायं किशोरी का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। किशोरी के गले व पेट में चाकू मारकर हत्या की गई है। अदलहाट थाना क्षेत्र के गोठौरा ग्राम निवासी मुन्ना की 15 वर्षीय पुत्री पूनम शनिवार को सुबह चार बजे घर से शौच के लिए निकली थी,घर न पहुंचने पर परिजन उसकी खोजबीन कर रहे थे।इसी दौरान गांव के बच्चे चार बजे सायं बन्दर को भगाते हुए पहाड़ पर गये तो वहां किशोरी का शव देखकर आवाक रह गये। बच्चों ने यह बात ग्रामीर्णा को बताया। मृतक किशोरी का पहचान पूनम के रूप में होने पर स्वजनों में कोहराम मच गया। मृतका एक भाई,दो बहनों में सबसे छोटी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचायतनामा कराने के बाद अन्त्य परीक्षण हेतु भेज दिया।

फरियादियों को थाने का न लगाना पड़े चक्कर : एडीएम वित्त

एडीएम वित्त व एसपी सिटी ने सुनी शहर कोतवाली में फरियाद

शहर कोतवाली में समस्या सुनते एडीएम वित्त

हलिया थाने में समस्या सुनते ज्वाइंट मजिस्ट्रेट

मीरजापुर। अपर जिलाधिकारी वित्त शिव प्रताप शुक्ला ने शनिवार को शहर कोतवाली में जनता की समस्याओं को सुना और मौके पर निस्तारण का निर्देश दिया। एडीएम वित्त शिव प्रताप शुक्ला ने जनता की समस्याओं को सुना और सभी मामलों के लिए टीम बनाकर संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके पर जाकर निस्तारण करने का आदेश दिया। यह जानकारी देते हुए एडीएम वित्त शिव प्रताप शुक्ला ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप और शनिवार को तहसील दिवस एवं थाना दिवस का आयोजन किया जाता है। सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वह मौके पर जाकर पीड़ितों की समस्याओं को सुने। राजस्व एवं पुलिस टीम को निर्देशित करते हुए अपर जिलाधिकारी वित्त व राजस्व शिव प्रताप शुक्ल ने कहा की शासन की मंशा के अनुरूप फरियादियों को बार-बार थाने का चक्कर न लगाना पड़े। उनकी समस्या को प्रमुखता से लेते हुए मौके पर जाकर फरियादी से मिलकर समस्या का समाधान करते हुए समयावधि के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने टीम कोचेतावनी देते हुए कहा कि फरियादी की समस्या एक बार में ही निस्तारित कर दिया जाए। इस दौरान एसपी सिटी श्रीकांत, शहर कोतवाल अरविंद मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

एसडीएम लालगंज की अध्यक्षता में समाधान दिवस संपन्न

हलिया। स्थानीय थाना परिसर में शनिवार को समाधान दिवस के दौरान कुल 7 प्रार्थना पत्र पड़े जिसमें तीन प्रार्थना पत्रों के लिए टीम मौके पर भेजी गई है। चार प्रार्थना पत्र को मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया है। इस दौरान भटवारी के ग्रामीणों ने अदवा राजवाहा की जमीन खारिज दाखिल न होने से चकबंदी द्वारा काश्तकारों को दी जा रही है जिसके कारण काश्तकार परेशान है। आरोप है कि नहर की जमीन का सीमांकन ना होने के कारण चकबंदी प्रक्रिया में ग्राम सभा भटवारी में 5 सेक्टर के काश्तकारों की जमीन सिंचाई विभाग में नाप दिया गया है इस प्रकरण मे पूर्व अधिशासी अभियंता सिरसी बांध प्रखंड को 4 अप्रैल से अनवरत प्रार्थना पत्र दिया जा रहा है कि अपनी जमीन को खारिज दाखिल करवा लें परंतु राजवाहा की जमीन का खारिज दाखिल ना होने के कारण काश्तकारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कमोबेश यह समस्या नहर क्षेत्र में सभी जगह है। इस संबंध में उपजिलाधिकारी लालगंज ने संबंधित को जल्द निस्तारण करने का आदेश दिया है। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, सहायक चकबंदी अधिकारी राकेश कुमार सिंह, अजय कुमार पाल, वरिष्ठ उप निरीक्षक सुभाष चंद्र यादव, चौकी इंचार्ज मतवार लल्लन यादव, उप निरीक्षक विजय यादव के साथ राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

एडीएम वित्त ने धान क्रय केन्द्र का किया निरीक्षण

जनसंदेश न्यूज

मीरजापुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के निर्देश के अनुपालन में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व शिव प्रताप शुक्ल ने आज तहसील सदर के. पी०सी०यू० धान क्रय केन्द्र बबुरा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय केन्द्र प्रभारी आशीष मिश्रा उपस्थित रहे।

यहाँ पर कुल 18 किसानों द्वारा सम्पर्क रजिस्टर पर नाम दर्ज कराया गया है, जिसके सापेक्ष 09 किसानों से 531:-20 कुन्तल धान की खरीद की जा चुकी है। केन्द्र प्रभारी द्वारा बताया गया कि सभी 09 किसानों के भुगतान की कार्यवाही बैंक के माध्यम से की जा रही है। अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समुचित पाई गई। केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया गया कि निर्धारित टोकन व्यवस्था के अन्तर्गत पारदर्शी तरीके से खरीद करना सुनिश्चित करें।

क्रय केद्र का निरीक्षण करते एडीएम वित्त

न्यायसंगत कार्य कर गरीबों को दिलायें न्याय, यही है थाना दिवस का उद्देश्य

बोलीं जिलाधिकारी

गांव स्तर की समस्याओं को कम करने में लेखपाल की भूमिका महत्वपूर्ण

राजस्व कोर्ट के फैसलों का अनुपालन करायें सुनिश्चित

जनसंदेश न्यूज

कोतवाली में समस्या का समाधान करतीं डीएम

मड़िहान में समस्या सुनते डीआईजी

मीरजापुर। शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी थाना/कोतवाली में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कोतवाली देहात में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र व डिप्टी कलेक्टर सिद्दार्थ यादव ने आये हुए जन-समस्याओं को सुना। जिलाधिकारी द्वारा एक-एक फरियादियों की उनकी बातों को सुना गया तथा जमीन से जुडे प्रकरणों में सम्बंधित लेखपाल व राजस्व निरीक्षक को मौके पर जाकर प्रकरण की जॉच कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिया गया। उपस्थित लेखपालों व राजस्व निरीक्षकों को निर्देशित करते हुये जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व विभाग का अधिकतर भार लेखपाल के ऊपर ही निर्भर है, उन्होंने कहा कि गांव स्तर पर जमीन के झगड़ों से सम्बंधित समस्याओं को समाप्त करने में लेखपाल की महत्वपूर्ण भूमिका है, वे प्राप्त प्रकरणों के निस्तारण के लिये मौके पर जाए और न्यायसंगत कार्य कर गरीबों को न्याय दिलायें।

जिलाधिकारी ने कहा कि यही समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य भी यही है। यह भी कहा कि राजस्व कोर्ट के द्वारा दिये गये फैसलों का अनुपालन भी सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी व्यक्ति के दबाव में आकर कार्य न करें, जो सही हो उसी के पक्ष में न्याय करें। इस अवसर पर समाधान दिवस रजिस्टर को भी जिलाधिकारी द्वारा परीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी के समक्ष थाना देहात कोतवाली में कुल 28 फरियादियों के द्वारा अपनी समस्याओं को सुनाया गया जिसमें से 03 का मौके निस्तारण करते हुये शेष प्रार्थना पत्रों को सम्बंधित लेखपालों/पुलिस अधिकारियों को ससमय निस्तारण हेतु प्रेषित किया गया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीआईजी ने सुनी फरियाद

मड़िहान। संतनगर थाना पर सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया जहां डीआईजी आरपी सिंह व नायब तहसीलदार बिंदुनन्दन सिंह द्वारा फरियाद सुना गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 9 मामले आये रहे जिसमें तीन मामले पुलिस से सम्बंधित रहे। शेष मामले राजस्व से जुड़े रहे है। सभी शिकायती पत्र को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु डीआईजी द्वारा निर्देशित किया गया। खरीहट कलां गांव निवासी उमाशंकर पुत्र रामशरण ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि हमारी जमीन का पत्थरगड्डी हो चुकी है उसके बावजूद विपक्षीगण मौजीलाल व रामधनी पुत्र शंकर मान नहीं रहा है। डीआईजी ने थाना प्रभारी को मौके पर जाकर उन सबके विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। वही भदोही जनपद के रेवड़ा परसपुर निवासी निर्मला देवी पत्नी सूर्यबली की जमीन मुस्किरा गांव में है जो प्रार्थना पत्र के माध्यम से बताया कि मेरी जमीन मुस्किरा गांव में है जिस पर विपक्षी द्वारा 20 ट्राली लगभग मिट्टी निकाल लिया गया व जमीन कब्जा कर रखे है जिस पर डीआईजी व नायब तहसीलदार द्वारा राजस्व विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर मामले का निपटारा करने हेतु निर्देशित किया गया। डीआइजी द्वारा अपराध रजिस्टर, भूमि विवाद रजिस्टर व आरजीआरएस सम्बंधित का निरीक्षण किया गया। इस दौरान डीआईजी आरपी सिंह के अलावा नायब तहसीलदार बिंदुनन्दन सिंह, थाना प्रभारी कमल टावरी, एएसआई आरडी सिंह, बिरेन्द्र सिंह राजस्व निरीक्षक शिवकुमार चौबे समेत सभी क्षेत्रीय लेखपाल मौजूद रहें।

कई फरियादियों को लौटना पड़ा मायूस

जमालपुर। शनिवार को थाना परिसर में थाना दिवस का आयोजन किया गया जहां सुबह से ही फरियादियों की भीड़ लगी रही। वही कुछ को राहत मिली तो कई फरियादियों को मायूस लौटना पड़ा। समाधान दिवस पर कुल सात राजस्व से संबंधित मामले आए थे। जिसमें एक का निस्तारण राजस्व और थाना प्रभारी मनोज कुमार द्वारा कराया गया वहीं शेष छः मामलों को संबंधित राजस्व निरीक्षकों को प्रेषित किया गया।

एनटी ने सुनी जनता की समस्यायें

लालगंज। स्थानीय थाना परिसर में समाधान दिवस नायब तहसीलदार राम नारायण वर्मा के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें फरियादियों द्वारा कुल 16 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसमें एक प्रार्थना पत्र का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के लिए राजस्व एवं पुलिस टीम बनाकर निस्तारण करने का आदेश दिया गया। समाधान दिवस में ज्यादातर मामले भूमि संबंधी छाए रहे।

स्पोर्ट्स

आईसीसी ने इमरान ख्वाजा को फिर नियुक्त किया ह्यउपाध्यक्ष

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सिंगापुर के इमरान ख्वाजा को फिर दो साल के लिए ह्यडिप्टी चेयरमैन नियुक्त किया है। ख्वाजा इस समय आईसीसी बोर्ड पर एसोसिएट सदस्य निदेशक के पद पर हैं। उन्हें जुलाई 2022 में आईसीसी सालाना कांफ्रेंस में फिर इस पद पर चुना गया है। ख्वाजा को 2008 में पहली बार आईसीसी बोर्ड में चुना गया और वह 2017 से ह्यडिप्टी चेयरमैन के तौर पर काम कर रहे हैं। कुछ दिन पहले न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले को सर्वसम्मति से दो साल के दूसरे कार्यकाल के लिए आईसीसी चेयरमैन चुना गया।

आज करो या मरो का मुकाबला धवन और गिल पर 'पावरप्ले' ओवरों में बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीद

हैमिल्टन। भारतीय टीम रविवार को ह्यकरो या मरो के दूसरे वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी तब उम्मीद करेगी कि कप्तान शिखर धवन और युवा शुभमन गिल ह्यपावरप्ले ओवरों में बेहतर रवैया अपनाएं। धवन को सीरीज बचाने की चुनौती है। अगर मैच हारे तब सीरीज गई। सेडोन पार्क तीनों ओर से खुला मैदान है लेकिन न्यूजीलैंउ में बल्लेबाजों के लिए सबसे मददगार मैदानों में से एक के रूप में मशहूर है जिसमें बल्लेबाजों को अपने शॉट के लिए उचित रन मिलेंगे। पहले वनडे में धवन (77 गेंद में 72 रन) और गिल (65 गेंद में 50 रन) ने पहले विकेट के लिए 123 रन की भागीदारी निभाई थी लेकिन ईडन पार्क जैसे छोटे मैदान पर सात विकेट पर 306 रन का स्कोर कम से कम 40 रन से कम रहा। गेंदबाजों ने महज 47 ओवर में ये रन गंवा दिए जिससे जिम्मेदारी मुख्य बल्लेबाजों पर ही आ जाती है क्योंकि अगर वाशिंगटन सुंदर ने शानदार योगदान नहीं दिया होता तब भारत 300 रन के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पाता।

यह काफी हद तक पहले 10 पावरप्ले ओवरों में भारतीय सलामी बल्लेबाजों के सतर्कता भरे दृष्टिकोण की बदौलत ही हुआ जिसमें जरूरत के मुताबिक रन नहीं बने। जो टीमें पहले सफेद गेंद के क्रिकेट में आस्ट्रेलिया के तरीके को अपनाती थीं अब वे इंग्लैंड की ओर देख रही हैं जिसने हाल के दिनों में इस प्रारूप में शानदार प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम इसी में पिछड़ रही है और ऑकलैंड में टीम पहले पावरप्ले ओवर में कम से कम 40 रन से पिछड़ी। एक और आंकड़े से भारतीय शीर्ष क्रम बल्लेबाजों के सीमित ओवर के प्रारूप में रवैये का पता चलता है (इसमें सिर्फ रोहित शर्मा केएल राहुल या विराट कोहली ही शामिल नहीं हैं)। धवन ने 77 गेंद में 72 रन बनाए जिसमें 13 चौके जड़े थे। जिससे उन्होंने 13 गेंदों में चौकों से 52 रन जोड़े। जबकि बचे हुए 20 रन के लिए उन्होंने 64 गेंद खेली और इसमें से 44 ह्यडॉट गेंद रहीं क्योंकि वह पावरप्ले में रन नहीं बना पा रहे थे।

जहां कप्तान एक ओर जूझ रहा था वहीं गिल ने एक और अर्धशतक जड़कर अपने कुल औसत को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया लेकिन उनकी पारी की रफ्तार भी बहस का विषय है। उन्होंने 65 गेंद में 50 रन बनाए जिसमें तीन छक्के और एक चौका जड़ा था। मतलब चार गेंद में 22 रन बने। उन्होंने बाकी के 28 रन 61 गेंद खेलकर बनाए। पारी की नींव तैयार करने और तेजी से रन जुटाने का काम अंत की ओर छोड़ने के इसी रवैये से भारत ने टी20 विश्व कप गंवा दिया लेकिन हैरानी की बात है कि इस श्रृंखला के लिये वनडे में खिलाड़ियों के बदलने के बावजूद बल्लेबाजी दृष्टिकोण वहीं पुराना वाला बना हुआ है। पारी का आगाज करने के लिए इतने सारे खिलाड़ी मशक्कत कर रहे हैं तब यह जरूरी है कि खिलाड़ी तेजी से रन जुटाए ताकि 50 ओवर के विश्व कप से तीन या चार महीने पहले नए चयनकर्ता पूल की 20 के करीब छंटनी करें तब रन की संख्या की अनदेखी नहीं की जा सकती।

धवन निश्चित रूप से अगले महीने बांग्लादेश में रोहित के साथ पारी का आगाज करने वाले हैं और कोई गारंटी नहीं है कि गिल प्लेइंग इलेवन में अपना स्थान बरकरार रख पायेंगे क्योंकि रोहित सलामी बल्लेबाज के तौर पर वापसी कर रहे हैं। केएल राहुल मध्यक्रम में सूर्यकुमार यादव (अगली श्रृंखला के लिये आराम दिये जाने पर) का स्थान ले सकते हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की तुलना में वनडे में ऋषभ पंत का स्ट्राइक रेट और औसत काफी बेहतर है लेकिन इस श्रृंखला के उप कप्तान को और अधिक निरंतर रहने की जरूरत है ताकि विकेटकीपिंग के लिए संजू सैमसन और ईशान किशन से आगे रह सकें जो निश्चित रूप से उनके करीब हैं। ईडन पार्क की पिच पर भारतीय तेज गेंदबाजों ने काफी कम गेंदबाजी की है। उन्हें टॉम लैथम और केन विलियमसन से मुकाबला करने के लिये तरीका ढूंढने की जरूरत है। ये दोनों खिलाड़ी इस प्रारूप में भारत के खिलाफ काफी निरंतर रहे हैं। उमरान मलिक 145 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने में प्रभावी रहे अर्शदीप सिंह स्विंग हासिल करने की काबिलियत के बावजूद जूझते दिखे और शार्दुल ठाकुर भी अच्छा नहीं कर पाये। टॉस भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा क्योंकि सेडोन पार्क पर शाम होते होते बल्लेबाजी करना आसान होता है। अगर भारतीय टीम लक्ष्य का पीछा करती है तब उनके लिये अच्छा होगा क्योंकि स्पिनरों को शाम में ओस की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। देखना होगा कि युजवेंद्र चहल की जगह कुलदीप यादव को आजमाया जाता है या नहीं।

भारतः शिखर धवन (कप्तान) शुभमन गिल सूर्यकुमार यादव श्रेयस अय्यर ऋषभ पंत (विकेटकीपर) संजू सैमसन (विकेटकीपर) दीपक हुड्डा शाहबाज अहमद वाशिंगटन सुंदर कुलदीप यादव युजवेंद्र चहल दीपक चाहर अर्शदीप सिंह शार्दुल ठाकुर और उमरान मलिक।

न्यूजीलैंडः केन विलियमसन (कप्तान) फिन एलेन डेविन कॉनवे टॉम लैथम डेरिल मिशेल ग्लेन फिलिप्स माइकल ब्रेसवेल टिम साउदी मैट हेनरी एडम मिल्ने जिमी नीशाम मिशेल सैंटनर और लॉकी फर्ग्यूसन।

मैच भारतीय समयानुसार सुबह सात बजे शुरू होगा।

हार्दिक पंड्या ने कहा ये मेरी टीम हैं धोनी भी इसतरह रिएक्ट करते थे : अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में टी20 सीरीज में बेहतरीन जीत दर्ज की है। हालांकि टीम में संजू सैमसन और उमरान मलिक को जगह नहीं दिए जाने से फैंस नाराज थे और सोशल मीडिया पर सवाल खड़े कर रहे थे। कप्तान हार्दिक पंड्या ने कहा कि हम जो खिलाड़ी को खिलाना चाहते हैं उस हम खिलाएंगे। हार्दिक के इस जवाब देने की तुलना भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से की है। पंड्या ने कहा पहली बात तब बाहर कौन क्या बोल रहा है। इससे हमें फर्क नहीं पड़ता है। ये मेरी टीम है कोच और मुझे जो ठीक लगेगा जो खिलाड़ी हमें ठीक लगेगा वहां हम खिलाएंगे। बहुत समय है सबको मौका मिलेगा और जब मिलेगा तब लंबा मिलेगा। अगर ज्यादा मैच होते तब बेशक उनके लिए मौके अधिक होते। यह छोटा सीरीज था।

शुक्रवार को फीफा फुटबॉल विश्व कप कतर 2022 में ग्रुप बी में इंग्लैंड बनाम यूनाइटेड स्टेट्स के बीच मैच के दौरान इंग्लैंड के हैरी केन ने गोल दाग कर जश्न मनाया।

हेमिल्टन में अच्छा नहीं रिकार्ड यहां खेले गए 11 में केवल तीन मुकाबले ही जीत पाई है टीम इंडिया

नई दिल्ली। टीम इंडिया न्यूजीलैंड दौरे के दूसरे वनडे मुकाबले में रविवार को हेमिल्टन के सीडन पार्क में कीवी टीम का सामना करेगी। मुकाबला 27 नवंबर को सुबह 7 बजे से खेला जाएगा। भारतीय टीम ने हेमिल्टन के सीडन पार्क में 11 मुकाबले खेले हैं। जिसमें टीम इंडिया केवल तीन मुकाबले जीत सकी है। भारत को इस मैदान पर 8 बार हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय क्रिकेट टीम ने इस मैदान पर न्यूजीलैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया जिम्बाब्वे और आयरलैंड से भिड़ चुकी है।

न्यूजीलैंड और भारत के बीच इस स्टेडियम में 8 मुकाबले हुए हैं जिनमें सात बार बाजी कीवी टीम के हाथ लगी। भारत ने इस मैदान पर न्यूजीलैंड को एकमात्र बार साल 2009 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में हराया था। उस मुकाबले में वीरेंद्र सहवाग ने 74 गेंदों में नाबाद 125 रनों की पारी खेली थी।

हेमिल्टन में भारतीय टीम ने आयरलैंड के खिलाफ साल 2015 में 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले में शिखर धवन ने 85 गेंदों में 100 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी।

इसके अलावा चार मौकों पर उसे न्यूजीलैंड ने हराया है। इस मैदान पर शिखर धवन के अलावा श्रेयस अय्यर और शार्दुल ठाकुर को खेलने का अनुभव है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच अब तक 111 मैच खेले गए हैं जिसमें से टीम इंडिया ने 55 मुकाबलों में न्यूजीलैंड को हराया है। वहीं न्यूजीलैंड को 50 मैचों में जीत मिली है। इसके अलावा दोनों के बीच एक मैच टाई हुआ था और पांच मुकाबलों का नतीजा नहीं निकल सका।

न्यूजीलैंड में भारत ने मेजबान टीम के खिलाफ कुल 43 मुकाबले खेल चुकी है। इसमें टीम इंडिया को सिर्फ 14 मुकाबलों में जीत हासिल हुई। 26 मैचों ने न्यूजीलैंड ने बाजी मारी जबकि दो मुकाबले ऐसे भी रहे जिसका नतीजा नहीं निकल सका। एक मैच टाई पर छूटा था। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड में अब तक वनडे की 9 द्विपक्षीय सीरीज खेली है। इसमें सिर्फ दो बार ही टीम इंडिया को जीत मिली है। न्यूजीलैंड ने भारत को 5 बार शिकस्त दी है और 2 सीरीज बराबर रही। दोनों टीमों के बीच साल 2020 में आखिरी वनडे सीरीज हुई थी तब मेजबान टीम ने इस पर 3-0 से कब्जा किया था।

टी20 वर्ल्ड कप में पाक के खिलाफ खेली गई पारी को विराट ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन बताया

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली द्वारा खेली गई उस पारी को कौन भूल सकता है हार की कगार पर पहुंच गई भारतीय टीम को विराट कोहली ने अपनी दम पर लक्ष्य तक पहुंचाया था। यह पारी विराट कोहली के दिल में भी काफी करीब है। विश्वकप टूनार्मेंट को संपन्न हुए काफी दिन बीत गए हैं। इतने दिन बाद विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ खेली गई उस उम्दा पारी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है।

इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा 23 अक्टूबर 2022 का दिन मेरे दिल में हमेशा खास रहेगा। इससे पहले क्रिकेट मैच में इस तरह की एनर्जी फील नहीं की। क्या सुहानी शाम थी वो! पाकिस्तान द्वारा मिले 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने अपने शुरूआती चार विकेट 6.1 ओवरों में महज 31 रनों पर गंवा दिए थे। यहां से कोहली ने पंड्या (40) के साथ पारी को संवारना शुरू किया और आखिर में टीम को जीत दिलाकर वापिस ड्रेसिंग रूम में लौटे। विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ इस हाईवोल्टेज मुकाबले में कुल 53 गेंदों का सामना किया। इस दौरान उनके बल्ले से 154.72 की स्ट्राइक रेट से 82 रनों की बेहतरीन पारी निकली। कोहली ने इस मुकाबले में कुल छह चौके एवं चार छक्के लगाए।

भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने निर्धारित ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए थे। टीम के लिए शान मसूद ने 42 गेंद में नाबाद 52 और इफ्तिखार अहमद ने 34 गेंदों में 51 रनों की जुझारू अर्द्धशतकीय पारी खेली। वहीं भारतीय टीम के लिए अर्शदीप सिंह एवं हार्दिक पंड्या ने क्रमशः तीन-तीन सफलता प्राप्त की।

वहीं लक्ष्य का पीछा करने मैदान में उतरी भारतीय टीम की शुरूआत कुछ खास रही। टीम ने अपने चार बड़े विकेट 6.1 ओवरों में महज 31 रनों पर ही गंवा दिए। इसके बाद कोहली और पंड्या के बीच 113 रनों की शानदार शतकीय साझेदारी हुई और भारतीय टीम यह मुकाबला चार विकेट से जीतने में कामयाब रहा। टीम के लिए कोहली ने जहां 82 रनों की नाबाद जुझारू अर्द्धशतकीय पारी खेली। वहीं पंड्या ने 40 रनों का योगदान दिया।

शुक्रवार को पलासियो डे लॉस डेपोर्टेस जोस मारिया मार्टिन कापेर्ना मलागा स्पेन में कोपा डेविस टेनिस स्पर्धा का सेमी फाइनल – ऑस्ट्रेलिया बनाम क्रोएशिया के बीच खेला गया। इसमें क्रोएशिया के बोर्ना कॉरिक ने ऑस्ट्रेलिया के थानासी कोकिनकिस को सीधे सेटों में पराजित कर दिया।

विश्वनाथ वंशज और देविका ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में हासिल किए स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज विश्वनाथ सुरेश वंशज और देविका घोरपड़े ने स्पेन के ला नुसिया में आयोजित आईबीए युवा पुरुष और महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किए। चेन्नई में जन्में विश्वनाथ ने इस चैंपियनशिप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने पुरुषों के 48 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में फिलीपींस के रोनेल सुयोम को हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया।

इसके बाद रिंग पर उतरी भावना शर्मा को महिलाओं के 48 किग्रा भार वर्ग में उज्बेकिस्तान की गुलसेवर गनीवा से 0-5 से हार के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। आशीष (54 किग्रा) रजत पदक हासिल करने वाले अन्य भारतीय थे। वह जापानी मुक्केबाज युता साकाई से 1-4 से हार गए।

पुणे की रहने वाली देविका ने महिलाओं के 52 किग्रा फाइनल में इंग्लैंड की लॉरेन मैकी को हराकर भारत के खाते में दूसरा स्वर्ण पदक जोड़ा। युवा एशियाई चैंपियन वंशज ने भारत के लिए तीसरा स्वर्ण पदक हासिल किया। सोनीपत के रहने वाले इस मुक्केबाज ने पुरुषों के 63.5 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में जॉर्जिया के देमूर कजाया को आसानी से हराया। भारत 11 पदकों के साथ इस प्रतियोगिता में शीर्ष पर है। उसके बाद उज्बेकिस्तान (10) आयरलैंड (सात) और कजाकिस्तान (सात) का का नंबर आता है।

आरसीबी के कप्तान ने कोहली को बताया सुपर मैन

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली के फैन दुनियाभर में फैले हैं। इतना ही नहीं कई दिग्गज खिलाड़ी भी उनकी पर्सनैलिटी के बड़े दीवाने हैं। उसमें से एक नाम आरसीबी के कप्तान फाफ डु प्लेसी का भी है। उन्होंने विराट की जमकर तारीफ की है। डु प्लेसी को आईपीएल 2022 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की कप्तानी सौंपी गई थी और उन्होंने कोहली के साथ खेलने का अनुभव लिया था।

डु प्लेसी 2022 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे। लेकिन उन्हें 2022 में आरसीबी का कप्तान नियुक्त किया गया था और आगामी सीजन में भी आरसीबी की कमान उनके हाथों में रह सकती है। कोहली ने आरसीबी के लिए अपना बड़ा योगदान दिया है उन्होंने कई बार टीम के लिए कई बड़ी पारियां खेली हैं। डु प्लेसी ने कोहली को एक अच्छे इंसान बताकर उन्हें सुपर मैन भी बताया है। आरसीबी के कप्तान ने कहा जब आप कोहली के साथ खेलते हैं तब आपको उनके बारे में काफी पता चलता है। वहां काफी केयरिंग इंसान हैं और फैमिली को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं। एक अच्छे इंसान की तरह उनके सिद्धांत काफी अच्छे हैं। वर्ल्ड क्रिकेट में विराट एक चुनौतीपूर्ण खिलाड़ी हैं। वह एक सुपरमैन हैं।

आरसीबी ने आगामी सीजन के लिए अपनी कमर कस ली है। फ्रेंचाइजी ने विराट कोहली को रिटेन खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया है साथ ही एक बार फिर फाफ डु प्लेसी पर भरोसा जताया है।

हेमिल्टन के सीडन पार्क भारत के लिए नहीं रहा लक्की कीवी टीम का रिकॉर्ड काफी बेहतर

नई दिल्ली। टीम इंडिया न्यूजीलैंड दौरे पर दूसरे वनडे मुकाबले में हेमिल्टन के सीडन पार्क में कीवी टीम का सामना करेगी। यह मुकाबला रविवार को सुबह 7 बजे से खेला जाएगा। भारतीय टीम ने हेमिल्टन के सीडन पार्क में 11 मुकाबले खेले हैं। टीम इंडिया केवल तीन मुकाबले जीत सकी है। भारत को मैदान पर 8 बार हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर न्यूजीलैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया जिम्बाब्वे और आयरलैंड से भिड़ी है।

न्यूजीलैंड और भारत के बीच मैदान पर 8 मुकाबले हुए हैं जिनमें सात बार बाजी कीवी टीम के हाथ लगी। भारत ने इस मैदान पर न्यूजीलैंड को एकमात्र बार साल 2009 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में हराया था। उस मुकाबले में वीरेंद्र सहवाग ने 74 गेंदों में नाबाद 125 रनों की पारी खेली थी।

हेमिल्टन में भारतीय टीम ने आयरलैंड के खिलाफ साल 2015 में 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले में शिखर धवन ने 85 गेंदों में 100 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी। इसके अलावा चार मौकों पर भारत को न्यूजीलैंड ने हराया है। इस मैदान पर शिखर धवन के अलावा श्रेयस अय्यर और शार्दुल ठाकुर को खेलने का अनुभव है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच अब तक 111 मैच खेले हैं। जिसमें से टीम इंडिया ने 55 मुकाबलों में न्यूजीलैंड को हराया है। वहीं न्यूजीलैंड को 50 मैचों में जीत मिली है। इसके अलावा दोनों के बीच एक मैच टाई हुआ था और पांच मुकाबलों का नतीजा नहीं निकल सका।

न्यूजीलैंड में भारत ने मेजबान टीम के खिलाफ कुल 43 मुकाबले खेल चुकी है। इसमें टीम इंडिया को सिर्फ 14 मुकाबलों में जीत हासिल हुई। 26 मैचों ने न्यूजीलैंड ने बाजी मारी जबकि दो मुकाबले रहे जिसका नतीजा नहीं निकल सका। एक मैच टाई पर छूटा था।

दूसरे एक दिवसीय मुकाबले में हम नई रणनीति से कमबैक करेंगे : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय मुकाबले में पराजय का सामना करना पड़ा है। 307 रनों का लक्ष्य देने के बावजूद भारतीय गेंदबाजी कारगर साबित नहीं हो सकी। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन और टॉम लैथम ने बेहतरीन पारी खेलकर कीवी टीम को जीत दिला दी। टीम इंडिया की ओर से श्रेयस अय्यर ने सबसे अधिक 80 रनों की पारी खेली। मैच के बाद उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि हम रविवार को होने वाले अगले मुकाबले में शानदार तरीके से कमबैक करेंगे।

श्रेयस अय्यर ने मैच के बाद कहा हम जिस स्थिति में थे वहां से 307 रन का स्कोर अच्छा था। कुछ चीजें हमारे पक्ष में नहीं रही। हालांकि यह हमारे लिए एक सीख थी। भारत से यहां आकर खेलना आसान नहीं होता। हर जगह विकेट अलग अलग होती है। आपको मानसिक रूप से मजबूत होना होगा। हम अगले मैच में नई रणनीति के साथ कमबैक करेंगे।ह्ल उन्होंने आगे कहा लैथम और विलियमसन ने शानदार बल्लेबाजी की। वे जानते थे कि किस गेंदबाज को कब निशाना बनाना है। अगर मुकाबले में हमें एक और विकेट मिल जाता तो हम मजबूत होते और स्थिति अलग हो सकती थी।

पहले वनडे मुकाबले में भारतीय गेंदबाज मात्र 3 विकेट ही चटका सके। जिसमें 2 विकेट अकेले वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर रहे उमरान मलिक ने लिए। वही शार्दुल ठाकुर को फिन एलेन के रूप में एक विकेट प्राप्त हुआ। हालांकि शार्दुल ठाकुर के 40वें ओवर में लैथम ने पच्चीस रन जड़े थे। जिसने पूरा मैच पलट दिया। वहीं अर्शदीप सिंह ने भी वनडे टीम में डेब्यू किया लेकिन वह इस मुकाबले में एक भी सफलता प्राप्त नहीं कर सके।

बेकार गई आकाशदीप की मेहनत आखिरी मिनट में भारत के हाथ से फिसली जीत

एडीलेड। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी मिनट में ब्लेक गोवर्स के गोल की बदौलत शनिवार को हॉकी टेस्ट श्रृंखला के पहले रोमांचक मुकाबले में भारत को 5-4 से पराजित कर दिया। भारत के लिए आकाशदीप सिंह (10वां 27वां 59वां मिनट) ने तीन गोल किए जबकि एक गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह (31वां मिनट) ने किया। ऑस्ट्रेलिया के गोल लैचलेन शार्प (5वां मिनट) नेथन एफरौम्स (21वां मिनट) क्रेग टॉम (41वां मिनट) और गोवर्स (57वां 60वां मिनट) ने जमाए। मैच समाप्त होने से दो मिनट पहले तक भारत 4-3 से पिछड़ा हुआ था।

आकाशदीप ने 59वें मिनट में फील्ड गोल करके मैच को बराबरी पर ला दिया लेकिन इसी दौरान दो पेनल्टी देना हरमनप्रीत की टीम को भारी पड़ा। गोवर्स पहली पेनल्टी को गोल में तब्दील करने से चूक गए लेकिन दूसरी बार उन्होंने गेंद को नेट में पहुंचाकर अपना 118वां गोल स्कोर किया और ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई।

मेजबान कतर का एक सप्ताह के अंदर फीफा वर्ल्डकप का सफर खत्म

दोहा। स्ट्राइकर इनेर वालेंशिया के विश्व कप के तीसरे गोल की मदद से इक्वाडोर ने नीदरलैंड को 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। इसके साथ ही मेजबान कतर का एक सप्ताह के अंदर फीफा विश्व कप 2022 में अभियान समाप्त हो गया। कतर नीदरलैंड इक्वाडोर और सेनेगल के साथ ग्रुप ए में था। ग्रुप ए की सभी टीमों के 2-2 मैच हो गए हैं। नीदरलैंड और इक्वाडोर दोनों के 4-4 जबकि सेनेगल के 3 अंक हैं। इस मैच से पहले सेनेगल से 3-1 से हारी कतर की टीम खाता भी नहीं खोल सकी। पिछले 12 साल से विश्व कप की तैयारी कर रही कतर की टीम एक सप्ताह भी टूनार्मेंट में टिक नहीं सकी। इसके साथ ही विश्व कप के 92 साल के इतिहास में कतर सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मेजबान टीम बन गई। कतर को पहले मैच में इक्वाडोर ने 2-0 से हराया था।

फुटबॉल विश्व कप 2010 की मेजबान दक्षिण अफ्रीका ग्रुप चरण से बाहर होने वाली अकेली मेजबान टीम थी। दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि तब अपने तीन में से एक मुकाबले को जीता था और एक ड्रॉ खेला था। कतर ने पहली बार विश्व कप की मेजबानी पर 220 अरब डॉलर खर्च किए हैं लेकिन एक विश्वस्तरीय फुटबॉल टीम नहीं उतार पाया।

नीदरलैंड के लिए छठे ही मिनट में कोडी गाकपो ने गोल किया लेकिन उसके बाद से इक्वाडोर की टीम हावी रही। नीदरलैंड के लिए बराबरी का गोल 49वें मिनट में स्ट्राइकर इनेर वालेंशिया ने किया। मेजबान कतर के खिलाफ रविवार को पहले मैच में/ दोनों गोल करने वाले वालेंशिया ने 2014 के बाद से फुटबॉल विश्व कप में इक्वाडोर के सभी छह गोल किए हैं। इक्वाडोर का मुकाबला मंगलवार को सेनेगल से होगा। उसे दूसरे दौर में जाने के लिए सिर्फ ड्रॉ की जरुरत है। वहीं डच टीम मेजबान कतर से खेलेगी।

शुक्रवार को फीफा फुटबॉल विश्व कप कतर 2022 में – ग्रुप बी के मैच में वेल्स बनाम ईरान के मुकाबले में अहमद बिन अली स्टेडियम में मैच जितने के बाद जश्न मनाते ईरान के खिलाड़ी।

पीएम बनने के बाद ऋषि सुनक की लोकप्रियता बढ़ी लेबर पार्टी के नेता कीर स्टारर को पीछे छोड़ा

लंदन। ब्रिटेन के पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के एक माह बाद ऋषि सुनक की लोकप्रियता ब्रिटेन के मतदाताओं के बीच बढ़ी है। ताजा सर्वेक्षण के अनुसार अपनी सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी की अपेक्षा मतदाताओं के बीच सुनक की लोकप्रियता ज्यादा बढ़ी है। सुनक (42) ने उस समय पीएम पद का कार्यभार संभाला है जब कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण जीवन लागत बढ़ गई है जबकि अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

रिपोर्ट के अनुसार सर्वेक्षण इस महीने की शुरूआत में हुआ। सर्वेक्षण के अनुसार प्रधानमंत्री बनने के बाद सुनक की लोकप्रियता बढ़ी और उन्होंने विपक्षी लेबर पार्टी के नेता कीर स्टारर को पीछे छोड़ दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा प्रतीत होता है कि महंगाई पर काबू के लिए युद्धस्तर पर काम करने के उनके संदेश से लोगों में उनके नेतृत्व के प्रति भरोसा जताया है। सर्वेक्षण में हालांकि ये भी सामने आया हैं कि कंजर्वेटिव पार्टी को पसंद करने वाले लोगों की संख्या में खासी कमी आई है वहीं लेबर पार्टी को पसंद करने वालों का अनुपात थोड़ा बढ़ गया है।

सर्वेक्षण में शामिल करीब आधे (47 प्रतिशत) प्रतिभागियों का कहना है कि वे सुनक को पसंद करते हैं जबकि पांच में से दो (41 प्रतिशत) लोगों ने कहा कि वे सुनक को पसंद नहीं करते हैं। इसका अर्थ है कि इस साल की शुरूआत में बोरिस जॉनसन की जो लोकप्रियता थी सुनक उससे आगे हैं। सर्वेक्षण के अनुसार चार में से केवल एक (26 प्रतिशत) प्रतिभागी का ही कहना था कि वे कंजर्वेटिव पार्टी को पसंद करते हैं। यह जून 2007 के बाद से उनकी न्यूनतम रेटिंग है जब पार्टी (तत्कालीन प्रधानमंत्री) डेविड कैमरन के समय 29 प्रतिशत लोगों की पसंद थी।

सिडनी के इतिहास में पहली बार बॉंडी को न्यूड बीच घोषित किया गया है। शनिवार को कलाकार स्पेंसर ट्यूनिक की नवीनतम स्थिति के लिए हजारों लोग सुबह की रोशनी में एक साथ घुलमिल गए।

साल खत्म होने के पहले स्वदेश लौट आएंगे नवाज शरीफ : ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ साल के अंत से पहले पाकिस्तान लौट आएंगे। नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए मंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के विरोध ने लोगों के अधिकारों का उल्लंघन किया है यह कहते हुए कि सभी को विरोध करने का अधिकार है लेकिन संविधान और कानून की सीमाओं को पार नहीं किया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री ख्वाजा ने कहा कि पीटीआई सरकार के तहत पिछले चार वर्षों के दौरान कोई विकास कार्य नहीं किया गया था और वर्तमान सरकार ने लोगों को इन परिस्थितियों के बारे में बताया है। आसिफ ने यह भी कहा कि सरकार ने अन्य क्षेत्रों से पैसा निकालकर बाढ़ पीड़ितों को दिया जो सर्द रातों के कारण बड़ी मुश्किलों से गुजर रहे थे। मंत्री ने कहा कि संघीय और प्रांतीय सरकारों को बिना किसी भेदभाव के आपदा पीड़ितों को सहायता प्रदान करनी चाहिए और सरकार राजनीतिक प्राथमिकताओं पर काम नहीं कर रही है।

इस सप्ताह की शुरूआत में आसिफ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उन संस्थानों को निशाना नहीं बनाना चाहिए जिन्होंने पिछले चार वर्षों के दौरान बिना शर्त उनका समर्थन किया। उन्होंने कहा 75 75 साल बाद हम उस मोड़ पर हैं जहां हम कह सकते हैं कि सभी संस्थाएं अपनी संवैधानिक भूमिका निभा रही हैं। इन संस्थाओं ने इमरान खान को बिना शर्त समर्थन दिया। उन्हें (इमरान को) इन संस्थानों पर हमला नहीं करना चाहिए बल्कि खुद पर शर्म आनी चाहिए कि उनकी सहायता के बावजूद वह बेहतर प्रदर्शन नहीं कर सके।

पीएम ऋषि सुनक की बेटी ने डांस फेस्टिवल में किया कुचिपुड़ी नृत्य

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की बेटी अनुष्का सुनक ने लंदन में आयोजित डांस फेस्टिवल में कई बच्चों के साथ कुचिपुड़ी नृत्य का प्रदर्शन किया। नौ वर्षीय अनुष्का का कुचिपुड़ी डांस का ये प्रदर्शन ह्यरंगह्ल- अंतर्राष्ट्रीय कुचिपुड़ी नृत्य महोत्सव-2022 का एक हिस्सा था। यह नृत्य महोत्सव ब्रिटेन में कुचिपुड़ी नृत्य शैली का सबसे बड़ा उत्सव है। जिसमें कई बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की कई पीढ़ियां हिस्सा लेती हैं। इस इंटरनेशनल कुचिपुड़ी नृत्य महोत्सव में 4-85 वर्ष के आयु वर्ग के करीब 100 से अधिक कलाकारों ने हिस्सा लिया। जिनमें लाइव संगीतकार बुजुर्ग नृत्य कलाकार (65 प्लस वर्ष के लोगों का नृत्य प्रदर्शन समूह) नृत्य को सीखने में अक्षम व्हीलचेयर वाले डांसर पोलैंड के अनुदान प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय नटरंग ग्रुप के छात्र भी शामिल थे। इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति की बेटी अनुष्का सुनक की मां अक्षता मूर्ति ने ऋषि सुनक के माता-पिता के साथ इस कुचिपुड़ी नृत्य कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

अमेरिका व पश्चिमी देशों को चुकानी होगी यूक्रेन को मदद देने की कीमत : रूस

मास्को। यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के बीच रूस की स?टेट ड्यूमा के सदस?य प्योत्र टालस?टाय ने चेतावनी दी है कि सर्दियों से पहले बिजलीघरों पर हमलों में कोई कमी नहीं आने वाली है। यूक्रेन को 18वी सदी में वापस धकेल दिया जाएगा। यूनाइटेड रशिया पार्टी के एक सदस?य ने कहा कि यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को नष?ट कर दिया जाएगा। यूक्रेन को 18वीं सदी में वापस धकेल दिया जाएगा।

रूसी सांसद फ्रेंच ब्राडकास?टर ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के सहयोगी अमेरिका व पश्चिमी देशों को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। खास बात यह है कि रूस के ओर से यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने एक बार फिर यूक्रेन का साथ देने की बात कही है। अमेरिका की ओर से कहा गया है कि वह यूक्रेन के साथ हमेशा की तरह खड़ा रहेगा क्योंकि रूस यूक्रेन के लोगों को अपने अधीन करने के लिए एक क्रूर युद्ध को अंजाम दे रहा है।

बता दें कि हाल में रूसी सेना की ओर से यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई शहरों में कई मिसाइलें दागी गईं थीं। रूसी सेना ने ईरान निर्मित ड्रोनों के जरिए यूक्रेन के ऊर्जा सेक?टर पर जबरदस?त गोलीबारी की थी। रूसी सेना का मकसद यूक्रेन के ऊर्जा सेक?टर को तबाह करना था। इसके पीछे रूस की बड़ी रणनीति थी। रूसी सेना ठंड के मौसम से पहले यूक्रेन के ऊर्जा संसाधनों को समाप?त करना चाहती है ताकि तापमान शून्य से नीचे गिरने के पर इसकी पावर ग्रिड को तबाह किया जा सके। गौरतलब है कि यूक्रेन जंग के नौ महीने पूरे हो चुके हैं। रूसी सेना इस जंग में यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को निशाना बना रही है ताकि कीव को घुटने टेकने पर मजबूर किया जा सके।

उधर अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि बाइडन प्रशासन यूक्रेन के साथ हमेशा की तरह खड़ा रहेगा। उन?होंने कहा कि रूस यूक्रेन के लोगों को अपने अधीन करने के लिए एक क्रूर युद्ध को अंजाम दे रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि रूसी सेना जानबूझकर यूक्रेन के रिहायशी इलाकों को निशाना बना रही है। इस हमले में हजारों मासूम नागरिक मारे जा रहे हैं। उन?होंने कहा कि 90 वर्ष पहले भी सोवियत संघ नीतियों के कारण होलोडोमर अकाल में लाखों यूक्रेनियन भूख से मर गए थे। अब रूस यूक्रेन के लोगों को अपने अधीन करने के लिए एक क्रूर युद्ध के तहत मार रहा है।

40 हजार करोड़ की लागत से फ्रंटियर हाइवे का निर्माण करेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली। सरहद पर चीन की किसी भी हरकत से निपटने के लिए भारत बिल्कुल तैयार है। भारत के इंफ्रास्ट्रचर बढ़ाने की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि देखने को मिलेगी। अरुणाचल फ्रंटियर हाईवे का निर्माण चीन को जवाब देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 40 हजार करोड़ की लागत से फ्रंटियर हाइवे का निर्माण किया जाएगा। इस हाइवे को अरुणाचल के लिए गेम चेंजर माना जा रहा है। चीन की हरेक गतिविधि पर इस हाइवे से नजर रखी जाएगी।

वहां हाइवे जहां पर भारत और चीन की सेनाएं लंबे वक्त से एक दूसरे के आमने सामने हैं और तनाव पूरी तरह से अभी खत्म नहीं हुआ है। इसकी लंबाई 2 हजार किलोमीटर की है। ये मैकमोहन लाइन से होकर गुजरेगा। हाइवे की कुल लागत 40 हजार करोड़ की है। म्यांमार तक ये हाइवेजाएगा और पूरे अरुणाचल को कनेक्ट करेगा। इस हाइवे को अरुणाचल के लिए लाइफलाइन कहा जा रहा है। एनएचएआई और बीआरओ पर

सरहद पर ड्रैगन को मिलेगा कड़ा जबाब

इसके निर्माण की जिम्मेदारी है। यह सड़क भूटान से सटे अरुणाचल प्रदेश में मागो से शुरू होगी और म्यांमार सीमा के पास विजयनगर में समाप्त होने से पहले तवांग ऊपरी सुबनसिरी तूतिंग मेचुका ऊपरी सियांग देबांग घाटी देसाली चागलागम किबिथू डोंग से होकर गुजरेगी।

कुल 2178 किलोमीटर के छह वर्टिकल और डायगोनल इंटर हाईवे कॉरिडोर बनाए जाएंगे ताकि तीन हाईवे के बीच लापता इंटर-कनेक्टिविटी के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्रों तक तेजी से पहुंच प्रदान की जा सके। गलियारों में 402 किलोमीटर लंबा थेलामारा-तवांग-नेलिया राजमार्ग 391 किलोमीटर लंबा इटाखोला-पक्के-केसांग-सेप्पा-पारसी परलो राजमार्ग 285 किलोमीटर लंबा गोगामुख-तलिहा-तातो राजमार्ग जोर्जिंग-पैंगो हाईवे 298 किलोमीटर लंबा पासीघाट-बिशिंग हाईवे और 404 किलोमीटर लंबा कानुबारी-लोंगडिंग हाईवे 398 किलोमीटर लंबा अकाजन शामिल हैं।

हाइवे के निर्माण के बाद सीमा वाले क्षेत्रों में सैन्य मूवमेंट में काफी आसानी होगी। इसके साथ ही चीन के किसी भी निर्माण पर इससे नजर रखी जा सकेगी। भारत अपने साथ-साथ अपने पड़ोसियों की भी सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है क्योंकि म्यांमार की सीमा भी इससे सुरक्षित होगी। सरहदी इलाकों से पलायन रुकेगा क्योंकि कहीं न कहीं ये लोगों के लिए बहुत अहम है। चीन ने 2014 में ही परियोजना पर आपत्ति जताई थी जब यह रिपोर्ट सामने आई थी कि प्रस्ताव को प्रधान मंत्री कार्यालय से प्रारंभिक मंजूरी मिल गई है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता होंग लेई ने कहा सीमा समस्या के समाधान से पहले हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय पक्ष कोई ऐसी कार्रवाई नहीं करेगा जो प्रासंगिक मुद्दे को और जटिल बना सके ताकि सीमा क्षेत्र में शांति और स्थिरता की मौजूदा स्थिति को बनाए रखा जा सके।

अमिताभ ने केबीसी में सुनाया अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की एक उपयोगी नसीहत

नई दिल्ली। सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाला लोकप्रिय कार्यक्रम कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) लंबे समय से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। शो में अमिताभ बच्चन प्रतिभागियों से सवाल जवाब करने के अलावा उनके साथ मौज मस्ती भी करते हैं। अमिताभ बच्चन अक्सर प्रतिभागी से अपने किस्से शेयर करते रहते हैं। कोई अपनी जिंदगी के भावुक पलों का दर्द बिग बी से शेयर करता है तो कोई फनी बात बताकर माहौल को खुशनुमा बना देता है। अमिताभ बच्चन भी कंटेस्टेंट्स के साथ अपने पुराने दिनों की बातों को शेयर करते हैं।

सोशल मीडिया पर केबीसी के कई वीडियो सामने आए हैं जिनमें अमिताभ बच्चन कंटेस्टेंट्स से बातें कर रहे हैं और प्रतिभागी भी उनके साथ हंसी मजाक करते देखे जा सकते हैं। इस बीच केबीसी के सेट पर अमिताभ बच्चन ने एक एपिसोड में अपने बाबू जी का जिक्र किया जिसे याद कर वह कुछ भावुक हो गए।

कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर अमिताभ बच्चन ने बताया कि एक वक्त था जब उन्होंने तीन-तीन फिल्में एक साथ की थीं। उन्हें तीनों ही फिल्मों के लिए लगातार शूटिंग करनी पड़ती थी जिस वजह से वह घर नहीं आ पाते थे। उन्होंने बताया कि वह अपने परिवार को बेहद कम टाइम दे पाए हैं। इन बातों को बताते हुए अमिताभ इमोशनल हो गए थे। अमिताभ बच्चन ने बताया कि जब वह छोटे थे तो उनके पिता हरिवंश राय बच्चन घर देर से आया करते थे। ऑफिस का काम खत्म करके घर आते और फिर कवि सम्मेलन के लिए निकल जाते। वहां उन्हें 50 रुपये से लेकर 100 रुपये तक मिलते थे।

फिक्स इनकम के अलावा जो एक्स्ट्रा इनकम मिलती थी उसे घर-परिवार के लिए बचा लेते थे। कविताओं से 600 रुपये तक की कमाई हो जाती थी। बिग बी ने बताया कि दो या तीन बजे घर आते थे वह तब भी उनके लिए दरवाजा खोलने के लिए जगे रहते थे। बिग बी ने बताया कि उनके पिता ने उन्हें पैसों की अहमियत समझाई है। जब वह अपने पिता से पूछते थे कि वह इतनी देर से घर क्यों आते हैं उन्हें इतनी मेहनत करने की जरूरत नहीं। तब उनके पिता ने उनसे कहा था पैसे बहुत मुश्किल से कमाए जाते हैं।

कर्नाटक वोटर आईडी घोटाले में केंद्र सरकार भी शामिल : सुरजेवाला

बेंगलुरु। कांग्रेस की कर्नाटक राज्य इकाई के प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने आरोप लगाया है कि भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार मतदाता पहचान पत्र घोटाले में शामिल है। सुरजेवाला ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार मतदाताओं का डेटा चोरी करने के मामले में सीधे तौर पर शामिल है। केंद्र सरकार द्वारा संचालित एक कंपनी के बैंक खाते से कई व्यक्तियों को धन हस्तांतरित किया गया है जो उस जगह से आते हैं जहां घोटाले के मुख्य आरोपी चिलूम इंस्टीट्यूट के रविकुमार हैं।

उन्होंने कहा कि यह सबूत है जो घोटाले में केंद्र सरकार की सीधी संलिप्तता साबित करता है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही एक कंपनी के खाते से बड़ी रकम ट्रांसफर की गई है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि केंद्र सरकार मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के साथ मतदाता पहचान पत्र घोटाले में शामिल है।

सुरजेवाला ने कहा घोटाले में धन के अवैध हस्तांतरण का भी मामला है। यह केवल डेटा चोरी के बारे में नहीं है। कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में जांच की जानी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि घोटाले का सरगना रविकुमार से संबंधित स्थानों के किसानों के खातों में धन हस्तांतरण किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों से पैसा वापस ले लिया गया है। कांग्रेस नेताओं को निर्देश दिया गया है कि वे अल्पसंख्यक समुदायों अनुसूचित जातियों और जनजातियों और अन्य के मतदाताओं के नाम हटाए जाने का पता लगाएं। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक में भाजपा सरकार द्वारा 20 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उधर भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस डुप्लीकेट मतदाताओं को हटाने से चिंतित है जिन्हें उसने अन्य पड़ोसी राज्यों से बेंगलुरु विधानसभा क्षेत्रों में बसाया था।

शुक्रवार को मास्को के बाहर नोवो-ओगारियोवो राज्य निवास पर मदर्स डे से पहले रूस-यूक्रेन संघर्ष में भाग लेने वाले रूसी सैनिकों की माताओं के साथ एक बैठक में भाग लेते हुए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन।

जब चुनाव में हार दिखाई देती हैं तब चाचा शिवपाल के पैर छुए जाते हैं

प्रयागराज। यूपी में तीन सीटों पर हो रहे उपचुनाव में नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। योगी सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री और बीजेपी विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने सपा मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब हार का डर होता है तब सिर्फ डेरा ही नहीं डाले जाते हैं बल्कि चाचा के पांव भी छूए जाते हैं। सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव को उपचुनाव में हार का डर सता रहा है। इसकारण वह मैनपुरी में ही डटे हुए हैं लेकिन जो आजमगढ़ और रामपुर के उपचुनाव में हुआ था वहीं मैनपुरी के उपचुनाव में भी होने जा रहा है। सिंह ने कहा कि यह परिवारवाद और विकासवाद के बीच लड़ाई है। इसमें परिवारवाद हारेगा और विकासवाद की जीत होगी। वहीं अखिलेश के 2024 में कन्नौज लोकसभा सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने के संकेत देने पर चुटकी लेकर कहा कि अखिलेश को कुछ पता नहीं है। क्योंकि उन्होंने जनता की सेवा कभी सेवक बनकर नहीं की है बल्कि राजा ही बने रह गए और राजा ही हैं।

अखिलेश सिर्फ जीत के पीछे भागते हैं लेकिन उनमें जनता की सेवा करने की कोई भावना नहीं है। उन्होंने कहा कि जहां तक चाचा शिवपाल यादव के पैर छूने की बात है यह पैर छूना भी चुनाव तक ही है। उन्होंने कहा कि इसके पहले बुआ का साथ लेकर भी चुनाव मैदान में अखिलेश यादव आए थे। चुनाव के दौरान बुआ के भी पैर छू रहे थे लेकिन चुनाव खत्म हुआ तब बुआ कहां है और भतीजा कहां है सभी को पता है।

वहीं सपा के कद्दावर नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान द्वारा बदले की भावना से उन पर हो रही कार्रवाई को लेकर दिए बयान पर सिंह ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि आजम ने लोगों का दमन कर करोड़ों की संपत्ति बनाई है। लेकिन आज जब योगी राज में कानून के तहत काम हो रहा है तब आजम खान को अपने ऊपर कार्रवाई दमन दिख रही है।

अभिनेता विक्रम गोखले का निधन

पुणे। हिंदी और मराठी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता विक्रम गोखले का 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में उनका इलाज पिछले 20 दिनों से इलाज चल रहा था। उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। विक्रम गोखले ने आज दोपहर 1:37 बजे अंतिम सांसे लीं। उनके निधन की खबरें सुन सोशल मीडिया पर उनके ढेरों फैंस दुख व्यक्त कर रहे हैं। मराठी से हिंदी जगत में उनके योगदान को भूलाया नहीं जा सकता है। उनके निधन की खबर से इंडस्ट्री में शोक की लहर है। विक्रम गोखले का नाम दिग्गज अभिनेताओं में शामिल है। उनका जन्म 30 अक्टूबर 1940 को महाराष्ट्र के पुणे में हुआ। विक्रम का परिवार हिंदी सिनेमा में काफी लंबे समय से सक्रिय रहा है। विक्रम गोखले की परदादी हिंदी सिनेमा की पहली भारतीय आर्टिस्ट थीं। साथ ही उनकी दादी भी हिंदी सिनेमा में चाइल्ड आर्टिस्ट रह चुकी हैं। साल 1913 में उनकी दादी ने फिल्म मोहिनी भस्मासुर में अभिनय किया था। इस फिल्म का निर्देशन दादा साहेब फाल्के ने किया था। उनके पिता चंद्रकांत भी दिग्गज थियेटर आर्टिस्ट थे। विक्रम अभिनेता होने के साथ-साथ समाजसेवी भी थे। विक्रम गोखले ने 1960 के दशक में मराठी थिएटर के साथ एक अभिनेता के रूप में अपने करियर की शुरूआत की थी। बाद में उन्होंने कई मराठी और हिंदी सिनेमा में एक शानदार कलाकार के रूप में अपनी पहचान बनाई। साल 1971 में उन्होंने अमिताभ बच्चन की फिल्म परवाना के साथ बॉलीवुड में एंट्री की। उसके बाद में वे कई हिट फिल्मों में नजर आए।

- 5 नवंबर से अस्पातल में थे भर्ती

अभिनेता विक्रम गोखले खराब तबीयत के चलते 5 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कह दिन पहले सोशल मीडिया पर उनके निधन की फेक खबरें के चलते दो दिन पहले विक्रम की पत्नी वृषाली गोखले ने पुष्टि की थी कि विक्रम ठीक हैं और उनका इलाज चल रहा है।विक्रम गोखले का दिल और लीवर काम नहीं कर रहा था। उम्र संबंधित कई बीमारियों के चलते उन्हें अस्पताल में एडमिट करवाया गया था।उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया है।

कांग्रेस की शह से गुजरात में मनमानी करते थे गुंडे हमने 2002 में सबक सिखाया तब कायम हुई शांति : शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात में पहले असामाजिक तत्व हिंसा करते थे और कांग्रेस उनका समर्थन करती थी। 2002 में सबक सिखाने के बाद अपराधियों ने ऐसी गतिविधियां बंद कर दीं और भाजपा ने राज्य में स्थाई शांति कायम की। गुजरात में फरवरी 2002 में गोधरा रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन में आग लगाकर की गई श्रद्धालुओं की हत्या के बाद राज्य के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी।

अमित शाह ने आरोप लगाया कि गुजरात में कांग्रेस के शासनकाल में 1995 से पहले अक्सर सांप्रदायिक दंगे होते थे। कांग्रेस सत्ता में बने रहने के लिए कई समुदायों और जातियों के सदस्यों को एक-दूसरे के खिलाफ उकसाती थी। कांग्रेस ने ऐसे दंगों के जरिए अपने वोट बैंक को मजबूत किया और समाज के एक बड़े वर्ग के साथ अन्याय किया।

शाह ने दावा किया कि गुजरात में 2002 में दंगे इसलिए हुए क्योंकि अपराधियों को लंबे समय तक कांग्रेस से समर्थन मिलने के कारण हिंसा में शामिल होने की आदत हो गई थी। उन्होंने कहा लेकिन 2002 में सबक

-गृहमंत्री शाह के बयान पर ओवैसी ने किया पलटवार कहा आपने बिलकिस के बलात्कारियों को रिहा किया

सिखाए जाने के बाद ऐसे तत्वों ने वह रास्ता छोड़ दिया। वे लोग 2002 से 2022 तक हिंसा से दूर रहे।

आर्टिकल 370 को हटाए जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने वोट बैंक के कारण इसके खिलाफ थी। अमित शाह के इस बयान पर ओवैसी ने पलटवार किया। एक रैली में उन्होंने कहा कि मैं इस इस क्षेत्र के सांसद अमित शाह को बताना चाहता हूं कि 2002 में आपने जो सबक सिखाया था वह यह था कि आपने बिलकिस के बलात्कारियों को छोड़ दिया। आपने जो सबक सिखाया वह यह था कि आप बिलकिस की तीन साल की बेटी के हत्यारों को रिहा कर दिया। आपने हमें यह भी सिखाया कि एहसान जाफरी को मारा जा सकता है। ओवैसी ने कहा कि अमित शाह आपने 2020 के दिल्ली सांप्रदायिक दंगों के दंगाइयों को क्या सबक सिखाया?

मैड्रिड स्पेन में शुक्रवार को महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के मौके पर एक विरोध प्रदर्शन में भाग लेते प्रदर्शनकारी।

जनसंदेश टाइम्स

मनी मैटर्स

प्रयागराज, रविवार, 27 नवम्बर, 2022

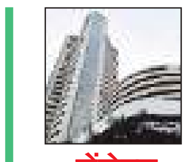

सेंसेक्स
20.96 अंक बढ़कर 62293.64 अंक पर बंद

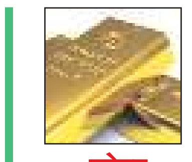

सोना
270 रुपये नीचे आकर 52837 रुपये प्रति 10 ग्राम

निकट भविष्य में दूध की कीमतें बढ़ाने की कोई योजना नहीं : अमूल

आणंद। अमूल ब्रांड के तहत दूध का विपणन करने वाली सहकारी संस्थान गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) ने निकट भविष्य में दूध की कीमतें बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। संस्था के प्रबंध निदेशक (एमडी) आर एस सोढ़ी ने यह बात कही। जीसीएमएमएफ मुख्य रूप से गुजरात दिल्ली-एनसीआर पश्चिम बंगाल और मुंबई के बाजारों में दूध बेचता है। यह सहकारी संस्थान प्रतिदिन 150 लाख लीटर से अधिक दूध बेचता है जिसमें से दिल्ली-एनसीआर में लगभग 40 लाख लीटर दूध की बिक्री होती है। इस हफ्ते की शुरुआत में मदर डेयरी ने लागत बढ़ने का हवाला देकर दिल्ली-एनसीआर के बाजार में फुल-क्रीम दूध की कीमतों में एक रुपये प्रति लीटर और टोकन दूध में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी।

यह पूछने पर कि मदर डेयरी द्वारा दूध कीमतों में वृद्धि करने के बाद क्या जीसीएमएमएफ की दूध की कीमतों में वृद्धि की कोई योजना है सोढ़ी ने कहा निकट भविष्य में कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर में पिछली बार खुदरा मूल्य वृद्धि के बाद से लागत में ज्यादा वृद्धि नहीं हुई है।

अक्टूबर के मध्य में जीसीएमएमएफ ने अमूल गोल्ड (फुल-क्रीम) और भैंस के दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। यह वृद्धि चुनावी गुजरात को छोड़कर बाकी सभी बाजारों में हुई है। गुजरात में दिसंबर की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होंगे।

दाम में बढ़ोतरी के बाद अमूल गोल्ड की कीमत 61 रुपये से बढ़ाकर 63 रुपये प्रति लीटर जबकि भैंस के दूध की कीमत 63 रुपये से बढ़ाकर 65 रुपये प्रति लीटर हो गई। जीसीएमएमएफ ने इस साल तीन बार दूध की कीमतों में बढ़ोतरी की है जबकि मदर डेयरी ने चार बार ऐसा किया है। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर में प्रति दिन 30 लाख लीटर से अधिक बिक्री की मात्रा के साथ अग्रणी दूध आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। दूध की कीमतों में बढ़ोतरी ने घरेलू बजट पर उस समय में दवाब डाला है जब खाद्य मुद्रास्फीति पहले से ही उच्च स्तर पर है।

म्यूचुअल फंड की खरीद-बिक्री इनसाइडर ट्रेडिंग के दायरे में लाने के लिए सेबी ने बदले नियम

नई दिल्ली। सिक्योरिटीज एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने म्यूचुअल फंड यूनिट की खरीद-बिक्री को भेदिया कारोबार (इनसाइडर ट्रेडिंग) संबंधी नियमों के दायरे में लाने के लिए नियमों में बदलाव किया है। फिलहाल इनसाइडर ट्रेडिंग संबंधी नियम लिस्टेड कंपनियों की सिक्योरिटीज और सूचीबद्ध होने के लिए प्रस्तावित कंपनियों पर लागू होते हैं। अब तक म्यूचुअल फंड इकाइयों को इनसाइडर ट्रेडिंग के नियमों से बाहर रखा गया था।

सेबी का ताजा फैसला फ्रैंकलिन टेम्पलटन मामले के बाद आया है। फंड हाउस के कुछ अधिकारियों पर यह आरोप है कि उन्होंने कुछ ऐसी जानकारियों का इस्तेमाल कर फंड में अपने निवेश को रिडीम किया जो पब्लिक डोमेन में नहीं थीं। बता दें कि इन्साइडर मतलब किसी शख्स या संस्था के पास किसी स्कीम की गुप्त जानकारी होना है। इस जानकारी के आधार पर मार्केट में ट्रेडिंग करने को इन्साइड ट्रेडिंग कहा जाता है।

सेबी ने एक अधिसूचना में कहा अगर किसी इनसाइडर के पास अप्रकाशित संवेदनशील जानकारी है और उसका असर फंड की नेट एसेट वैल्यू पर पड़ सकता है तो इस स्थिति में वह म्यूचुअल की किसी भी स्कीम की यूनिट्स का लेनदेन नहीं करेगा। नए नियमों के तहत एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को अपनी म्यूचुअल फंड योजनाओं की इकाइयों में एएमसी ट्रस्टियों और उनके करीबी रिश्तेदारों की हिस्सेदारी का खुलासा करना होगा। इसके अलावा एएमसी का अनुपालन अधिकारी उस अवधि का निर्धारण करेगा जिस दौरान नामित व्यक्ति म्यूचुअल फंड की इकाइयों में लेनदेन नहीं कर सकता है। इसे प्रभावी बनाने के लिए सेबी ने भेदिया कारोबार के नियमों में संशोधन किया है जो 24 नवंबर से प्रभावी है।

सेबी ने शुक्रवार को म्यूचुअल फंड यूनिटधारकों को लाभांश से प्राप्त राशि के ट्रांसफर के लिए 15 दिन की समयसीमा को घटाकर 7 कामकाजी दिन कर दिया है। सेबी के अनुसार रिकॉर्ड तिथि के बाद 7 दिन भीतर लाभांश (डिविडेंड) भुगतान करना होगा। साथ ही यूनिट बेचने से प्राप्त रकम के ट्रांसफर के लिये समयसीमा मौजूदा 10 वर्किंग डेज से घटाकर तीन कार्य दिवस कर दी गई है। जिन योजनाओं में कुल संपत्ति में से कम-से-कम 80 प्रतिशत राशि विदेशों में स्वीकृत उत्पादों में लगी है तो इस परिस्थिति में यूनिट बेचने से प्राप्त रकम को 5 कामकाजी के अंदर ट्रांसफर किया जा सकता है।

अमेजन भारत में बंद करेगी फूड डिलीवरी सेवा

मुंबई। ई-कॉमर्स सेक्टर की प्रमुख कंपनी अमेजन अपनी फूड डिलीवरी सर्विस को बंद करने जा रही है। अमेजन ने अपने रेस्टोरेंट पार्टनर्स को सूचित करते हुए कहा है कि अमेजन इंडिया ने इस साल 29 दिसंबर को अपने खाद्य वितरण व्यवसाय को बंद करने का फैसला किया है। कंपनी ने अपनी फूड डिलीवरी सर्विस की शुरुआत मई 2020 में बेंगलुरु से की थी। गौरतलब है ?कि अमेजन ने एडटेक सर्विस पहले ही बंद कर दी है। अब कंपनी वैश्विक स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की योजना पर काम कर रही है। कंपनी ने रेस्टोरेंट पार्टनर्स से कहा है कि कंपनी अपनी बिजनेस डील और सभी कॉन्ट्रैक्ट्स पूरा करेगी। फूड डिलीवरी सिस्टम को बंद करने के अपने फैसले को अमेजन चरणबद्ध तरीके से लागू करने जा रही है। फूड डिलीवरी सर्विस को बंद करने को लेकर अमेजन का कहना है कि सालाना ऑपरेटिंग रिव्यू में यह बात सामने आई है कि इस सर्विस को अब आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है।

कंपनी ने मूल्यांकन के बाद 29 दिसंबर 2022 से इसे बंद करने का निर्णय लिया है। अमेजन ने मई 2020 में भारत में ऑनलाइन फूड डिलीवरी क्षेत्र में प्रवेश करने की घोषणा की थी। उस समय देश भर में कोविड-19 महामारी को रोकने के लिए लॉकडाउन लगा हुआ था। यह सर्विस शुरू में बेंगलुरु में चुनिंदा पिन कोड वाले क्षेत्रों में शुरू की गई थी। मार्च 2021 में यह सेवा बेंगलुरु के प्रमुख इलाकों को कवर करते हुए 62 पिन-कोड पर उपलब्ध थी।

बांड के माध्यम से रकम जुटाएंगे बैंक

मुंबई। कर्ज मांग में तेजी के बीच पूंजी की जरूरतों को पूरा करने के ?लिए अगले कुछ हफ्तों में बैंक बांड के जरिए फंड जुटाने की योजना बना रहे हैं ताकि यील्ड में गिरावट का फायदा उठाया जा सके। बैंक ऑफ इंडिया टियर-1 बॉन्ड से इस माह के अंत तक 15 अरब रुपए जुटाने की योजना बना रहा है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने टियर- 2 बॉन्ड के माध्यम से 22 अरब रुपए तक जुटाने की योजना बनाई है।

जम्मू और कश्मीर बैंक भी टियर- 2 बॉन्ड से 15 अरब रुपये जुटाने की तैयारी में है। बढ़ती क्रेडिट मांग को पूरा करने के लिए बैंक बॉन्ड के रूप में अतिरिक्त पूंजी जुटा रहे हैं ताकि उनकी बैलेंस शीट का आकार बढ़ाया जा सके। कोटक महिंद्रा बैंक की 7 साल के इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड के जरिए 15 अरब रुपये जुटाने की योजना है। एसबीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड से 100 अरब जुटाने पर भी विचार कर रहा है। विश्लेषकों ने कहा है ?कि इस तरह के बांड में निवेश करने और पिछले कुछ वर्षों में ब्याज दरों की तुलना में ज्यादा कमाई का अवसर है।

अमेरिका ने चीनी दूरसंचार उपकरणों पर लगाया प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए चीनी दूरसंचार उपकरणों पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिका ने चीनी कंपनियों हुआवेई जेडटीई समेत पांच चीनी कंपनियों द्वारा बनाए गए संचार उपकरणों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। खबर के मुता?बिक जो बाइडेन प्रशासन ने चीन की हुआवेई टेक्नोलॉजीज और जेडटीई के नए दूरसंचार उपकरणों के अप्रूवल पर प्रतिबंध लगा दिया है क्योंकि वे अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं। एफसीसी यानी यूएस फेडरल कम्युनिकेशंस कमिशन ने कहा ?कि हमने अमेरिका में आयात या बिक्री के लिए अधिकृत होने से राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अस्वीकार्य जोखिम माने जाने वाले संचार उपकरणों को प्रतिबंधित करने वाले नए नियमों को अपनाया है। यह नियम हुआवेई और जेडटीई के अलावा चीन के सर्विलांस उपकरण निमार्ता दहुआ टेक्नोलॉजी कंपनी वीडियो सर्विलांस फर्म हांग्जो हिकविजन डिजिटल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड और टेलीकॉम्स फर्म हाईटेरा कम्युनिकेशन्स कॉर्प प्राइवेट लिमिटेड द्वारा बनाए गए उपकरणों की बिक्री या आयात पर रोक लगाता है। अमेरिका के इस फैसला के मतलब है कि अब ये पांचों कंपनियां न तो चीन से माल मंगवाकर अमेरिका में बेच सकती हैं और न ही इनके उत्पादों को अमेरिका में बिक्री के लिए मंजूरी मिलेगी। हालांकि अमेरिका के इस एक्शन पर हुआवेई ने कमेंट करने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं जेटीई दहुआ हिकविजन और हाईटेरा ने भी इस पर कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

टोयोटा किर्लोस्कर की भारत में इलेक्ट्रिक वाहन लाने की योजना

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर समग्र कार्बन उत्सर्जन में कटौती के मकसद को ध्यान में रखकर हाइब्रिड वाहनों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैवहीं भविष्य में उसकी देश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) लाने की भी योजना है। इसकी जानकारी कंपनी के वाइस चेयरमैन विक्रम किर्लोस्कर ने दी। कंपनी ने अपने लोकप्रिय बहुउद्देश्यीय वाहन इनोवा का नया हाइब्रिड संस्करण इनोवा हाइक्रॉस बाजार में उतारा है। विक्रम किर्लोस्कर से सवाल किया गया कि उस समय जब भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवीएस) पैर जमा रहे हैं तब टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की हाइब्रिड वाहनों पर ध्यान केंद्रित करने की रणनीति क्यों है इसके जवाब में उन्होंने कहा मुझे लगता है कि देश का उद्देश्य कार्बन उत्सर्जन को कम करना है। आपको इस समग्र रूप से और वैज्ञानिक आधार पर देखना होगा और हम यही कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि भारत में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के मौजूदा निम्न स्तर को देखकर कहा जा सकता है कि ऐसा जरूरी नहीं कि बिजली से चलने वाले वाहन कार्बन उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य को पूरा कर पाएंगे। किर्लोस्कर ने कहा भारत में नवीकरणीय बिजली 50-60 प्रतिशत से अधिक होने लगेगी तब निश्चित रूप से सब बिजली आधारित होगा... हम भी इलेक्ट्रिक वाहन ला सकते हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 30 सितंबर 2022 तक भारत की स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता में कुल जीवाश्म ईंधन 57.9 प्रतिशत और गैर-जीवाश्म ईंधन 42.1 प्रतिशत है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त रही

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा)

- सेंसेक्स 20.96 अंक बढ़कर 62293.64 अंक पर बंद
- निफ्टी 28.65 अंक चढ़कर 18512.75 अंक पर बंद

मुंबई। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों डॉलर और कच्चे तेल में नरमी रहने की वजह से बीते सप्ताह शेयर बाजारों में बढ़त बनी रही और लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बीएसई सेंसेक्स नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। बीते सप्ताह सोमवार को गिरावट के साथ खुला बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र में ?रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी ?दिनों पर नजर डालें तो सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 463.1 अंक गिरकर 61200.38 पर खुला और 518.64 अंक की गिरावट के साथ 61144.84 अंक पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 129.25 अंक टूटकर 18178.40 पर खुला और 147.70 अंक टूटकर 18159.95 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 61.98 अंक गिरकर 61082.86 पर खुला और 274.12 अंक की बढ़त के साथ 61418.96 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 21.55 अंक बढ़कर 18181.50 पर खुला और 84.25 अंक की तेजी के साथ 18244.20 अंक पर बंद हुआ।

बुधवार को सेंसेक्स 361.94 अंक चढ़कर 61780.90 अंक पर खुला और 91.62 अंक की बढ़त के साथ 61510.58 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 81.2 अंक के लाभ के साथ 18325.40 अंक पर खुला और 23.05 अंक की बढ़त के साथ 18267.25 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 124 अंक से अधिक चढ़कर 61600 अंक के पार खुला और 762.10 अंक उछलकर 62272.68 अंक के रेकॉर्ड उच्चस्तर पर बंद हुआ। निफ्टी शुरूआती कारोबार में 38 अंक के लाभ के साथ 18305.25 अंक पर खुला और 216.85 अंक की बढ़त के साथ 18484.10 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 101.03 अंक गिरकर 62171.65 अंक पर खुला और 20.96 अंक बढ़कर 62293.64 अंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 24.20 अंक टूटकर 18459.90 अंक पर खुला और 28.65 अंक चढ़कर 18512.75 अंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर बंद हुआ।

सामान्य होने लगी सूरजमुखी तेल की आपूर्ति

नई दिल्ली। भारत में सूरजमुखी तेल की आपूर्ति सामान्य होने लगी है। बताया जा रहा है ?कि आगे इसमें और सुधार होने की उम्मीद है। यूक्रेन भारत को सूरजमुखी तेल की आपूर्ति करने वाला सबसे बड़ा देश रहा है। फरवरी में रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू के बाद यूक्रेन से आपूर्ति कम हो गई थी क्योंकि रूस ने उसे काला सागर बंदरगाहों तक पहुंचने से रोक दिया था। हालांकि तुर्की और संयुक्त राष्ट्र द्वारा द्वारा कराए गए एक समझौते के कारण यूक्रेन से शेष दुनिया को खाद्य वस्तुओं की आपूर्ति बहाल हो गई है। भारत 19 से 25 लाख टन कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात करता है जिसमें लगभग 85 फीसदी आपूर्ति यूक्रेन और रूस से होती है। सितंबर में भारत ने यूक्रेन से 2937 करोड़ टन सूरजमुखी तेल का आयात किया। उसी महीने रूस से करीब 3217.8 करोड़ टन खाद्य तेल का आयात हुआ। युद्ध शुरू होने के बाद से ही अर्जेंटीना खाद्य तेल का शीर्ष आपूर्तिकर्ता देश बना हुआ है। सितंबर में अर्जेंटीना से 6092.1 करोड़ टन खाद्य तेल का आयात हुआ। यूक्रेन और रूस के बाद अर्जेंटीना विश्व का सबसे बड़ा सूरजमुखी तेल उत्पादक देश है।

भारत वहां से हर साल 3 से 4 लाख टन सूरजमुखी तेल का आयात करता है। अर्जेंटीना के साथ दीर्घकालिक अनुबंध करने के लिए भारत ने मकोर्सुर देशों के साथ मौजूदा तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) के तहत सूरजमुखी तेल पर आयात शुल्क खुद ही कम करने की भी पेशकश की है। भारत ने 2004 में अर्जेंटीना ब्राजील पैराग्वे और उरुग्वे की सदस्यता वाले लैटिन अमेरिकी व्यापारिक समूह मकोर्सुर के साथ एक पीटीए पर हस्ताक्षर किए थे।

ब्रिटेन में एशियाई अमीरों की सूची में ऋषि सुनक शामिल

लंदन। ब्रिटेन में भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति एशियाई अमीरों की सूची में शा?मिल हो गए हैं। सुनक पहले भी अपनी संपत्ति की वजह से सुर्खियों में रहे हैं। इस सूची में शीर्ष पर हिंदुजा परिवार को रखा है। सुनक और अक्षता मूर्ति 79 करोड़ पाउंड की अनुमानित संपत्ति के साथ सूची में 17वें स्थान पर हैं।

अक्षता मूर्ति के पिता एनआर नारायण मूर्ति भारतीय आईटी कंपनी इंफोसिस के को-फाउंडर हैं। इस साल की सूची में शामिल अमीरों की कुल संपत्ति 113.2 अरब पाउंड है। यह पिछले साल की तुलना में 13.5 अरब पाउंड ज्यादा है। इस सूची में हिंदुजा परिवार लगातार आठवीं बार शीर्ष पर है। उनकी अनुमानित संपत्ति 30.5 अरब पाउंड है जो पिछले साल से 3 अरब पाउंड ज्यादा है।

भारत में भी उतारा जाएगा हुंडई आयनिक-6 को

नई दिल्ली। हाल ही में ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई ने अपनी इलेक्ट्रिक कार हुंडई आयनिक-6 से पर्दा उठाया था। कंपनी यह भी ऐलान कर चुकी है कि हुंडई आयनिक 6 को भारतीय बाजार में भी उतारा जाएगा। फ्यूचरिस्टिक डिजाइन वाली हुंडई आयोनिक-6 को ई-जीएमपी आर्किटेक्चर पर तैयार किया गया है। इसमें बाहर की तरफ शार्प लाइन फ्रंट बंपर पर एक आकर्षक वी-शेप डिजाइन और पीछे छिपी हुई एलईडी टेललाइट इस कार में कंपनी ने दी हैं। कार में अंदर की तरफ ग्रे कलर का इंटीरियर 2-स्पोक स्टीयरिंग व्हील और डुअल-स्क्रीन सेटअप दिया गया है।बात करें इस कार के फीचर्स की तो इसमें 12.0 इंच का इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है जो एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कार प्ले सपोर्ट के साथ आते है। इसमें 12.0 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और एंबियंट लाइटिंग का भी फीचर मौजूद है और सेफ्टी के लिए इसमें कई एयरबैग पार्किंग कैमरा और स्टेबिलिटी कंट्रोल जैसे बढ़िया फीचर्स दिए गए हैं.इस इलेक्ट्रिक कार के 53.0 केडब्ल्यूएच और 77.4 केडब्ल्यूएच वाले दो बैटरी पैक ऑप्शन में बेचा जाता है और कंपनी के मुताबिक कार एक बार फुल चार्ज करने पर 610 किमी तक चलने में सक्षम है। इसमें सिंगल मोटर और डुअल मोटर के विकल्प भी दिए गए हैं और टॉप मॉडल के बारे में कंपनी का दावा है कि यह 5.1 सेकंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है और फास्ट चार्जिंग के जरिए इस इलेक्ट्रिक कार को सिर्फ 18 मिनट में 10-80 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। हुंडई ने इसी महीने जर्मनी यूके फ्रांस नॉर्वे और नीदरलैंड जैसे मार्केट्स में इसकी प्री-सेल शुरू कर दी है। पहले एडिशन के तौर पर गाड़ी की सिर्फ 2500 यूनिट्स ही उपलब्ध थी और कंपनी की मानें तो 24 घंटों के भीतर ही इलेक्ट्रिक कार की सभी यूनिट्स सोल्ड आउट हो गई।

वैश्विक बाजार में गिरा कच्चा तेल महाराष्ट्र और राजस्थान में पेट्रोल सस्ता

- ब्रेंट क्रूड 1.71 डॉलर की कमी के साथ 83.63 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी कमी देखने को मिल रही है। ब्रेंट क्रूड 1.71 डॉलर (2 फीसदी) की कमी के साथ 83.63 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई 1.66 डॉलर (2.13 फीसदी) की गिरावट के साथ 76.28 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल 0.68 रुपए महंगा होकर 95.74 रुपए पहुंच गया है। वहीं डीजल 0.58 रुपए बढ़कर 81.99 रुपए हो गया है। इसके अलावा झारखंड कर्नाटक मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की की कीमतों में बहुत मामूली बढ़त है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 0.66 रुपए गिरकर 105.96 रुपए लीटर हो गया है। डीजल में भी 0.64 रुपए की कमी आई है और यह 92.49 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। राजस्थान में पेट्रोल 0.53 रुपए और डीजल 0.48 रुपए सस्ता हुआ है। दोनों के दाम क्रमशः 10.8.07 रुपए प्रति लीटर और 93.35 रुपए प्रति लीटर है। देश के 4 महानगरों में पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 96.64 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपए और डीजल 89.91 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

फजीवाड़े से बचने के लिए एसबीआई ने दिए सुरक्षा उपाय

नई दिल्ली। देश में बैंकिंग फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ये फ्रॉड नए-नए तरीकों से लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना रहे हैं। इस तरह के फ्रॉड से बचने के लिए देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने इंस्टेंट लोन ऐप्स के मामले में उपयोगकताओं के लिए सुरक्षा के उपाय बताए हैं। एसबीआई ने एक ट्वीट जारी कर अपने करोड़ों ग्राहकों से सावधान रहने की अपील की है। एसबीआई ने ग्राहकों को इंस्टैंट लोन ऐप्स के प्रति आगाह करते हुए कहा है कि वे संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने या फर्जी कंपनी को जानकारी देने से बचें। अगर किसी भी साइबर क्राइम की जानकारी मिलती है तो तुरंत वेबसाइट साइबरडॉटजीओवीडॉटइन पर रिपोर्ट करें। पैसे की जरूरत होने पर आप भी कई बार फर्जी इंस्टैंट लोन ऐप्स के चक्कर में भी पड़ जाते हैं और ये ऐप आपसे ठगी कर लेते हैं। एसबीआई के सुरक्षा के उपाय इस प्रकार हैं- 1. इंस्टैंट लोन ऐप्स को डाउनलोड करने से पहले ऑथेंटिसिटी की जांच करें। 2. किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। 3. अनऑथराइज्ड ऐप्स का उपयोग और उन्हें डेटा देने से बचें। 4. पर्सनल डेटा को चोरी होने से बचाने के लिए ऐप परमिशन सेटिंग्स को चेक करें। 5. किसी भी लोन देने वाले संदिग्ध ऐप की शिकायत आप लोकल पुलिस में कर सकते हैं।

कारपोरेट बीमा एजेंट कई कंपनियों का काम कर सकेंगे

नई दिल्ली।भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण ने बीमा कारोबार के लिए नियमों को आसान बनाया है।इसके लिए कई संशोधन किए हैं।

नियामक संस्था इरडाई ने बीमा बाजार में कारपोरेट एजेंटों और बीमा विपणन फर्मों के लिए गठजोड़ की अधिकतम स्वीकृत संख्या को बढ़ा दिया है।अब कारपोरेट एजेंट 9 बीमा कंपनियों के उत्पाद का वितरण कर सकते हैं।इरडाई के नए निर्णय से पालिसी धारकों को अब विभिन्न बीमा चैनलों के माध्यम से कई विकल्प उपलब्ध होंगे। इससे बीमा योजनाओं का लाभ आम जनता तक तेजी के साथ बढ़ेगा।अभी एजेंट एक ही कंपनी के लिए काम करते थे। अब एजेंट कई कंपनियों के साथ काम कर सकेंगे।

न्यू जेन स्विफ्ट हैचबैक और डिजायर कॉम्पैक्ट सेडान होगी पेश

-मारुति लाएगी 2 जबरदस्त माइलेज कारें

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी की एंट्री लेवल कारों के लिए बहुत बड़ा कस्टमर बेस है। कंपनी ने इस साल न्यू-जेनरेशन सेलेरियो और ऑल्टो के10 को पेश किया था। 2024 में मारुति सुजुकी न्यू जेन स्विफ्ट हैचबैक और डिजायर कॉम्पैक्ट सेडान पेश करेगी। इस बार कंपनी मजबूत हाइब्रिड तकनीक और माइलेज पर ज्यादा फोकस करेगी।

2024 मारुति स्विफ्ट और डिजायर को नए 1.2एल 3-सिलेंडर पेट्रोल इंजन के साथ टोयोटा की स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड तकनीक के साथ लॉन्च करने की खबर है। आप जानते हैं मारुति ग्रैंड विटारा मजबूत हाइब्रिड तकनीक पेश करने वाला ब्रांड का पहला मॉडल है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नई स्विफ्ट और डिजायर 35-40 किमी/लीटर का एआरआई-प्रमाणित माइलेज देगी। इस अपडेट के साथ नई स्विफ्ट और डिजायर आगामी केफ-2 मानकों को पूरा करेंगी। वर्तमान में मारुति स्विफ्ट और डिजायर 1.2एल 4-सिलेंडर के12एन डुअलजेट पेट्रोल इंजन के साथ उपलब्ध हैं।

मोटर 90बीएचपी की पीक पावर और 113 एनएम का टार्क पैदा करता है। यह 5-स्पीड मैनुअल या एएमटी गियरबॉक्स के साथ हो सकता है। मैन्युअल संस्करण 23.30केएमपीएल का अराई आंकड़ा प्रदान करता है और ऑटोमेटिक वेरियंट 21.12केएमपीएल का दावा करता है। मालूम हो कि भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी का एंट्री लेवल हैचबैक सेगमेंट में 90 पर्सेंट मार्केट शेयर है। भारतीय बाजार में एसयूवी कारों की डिमांड लगातार बढ़ रही है लेकिनन इसके बावजूद कंपनी एंट्री लेवल सेगमेंट पर खासा ध्यान देती है।

सरकार कोल इंडिया हिंदुस्तान जिंक और आरसीएफ में बेचेगी 5 से 10 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। भारत सरकार कोल इंडिया हिंदुस्तान जिंक और राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स (आरसीएफ) में 5 से 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। सूत्रों के मुताबिक शेयर बाजार में उछाल और वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में रेवेन्यू बढ़ाने के लिए कोल इंडिया और हिन्दुस्तान जिंक समेत सरकारी कंपनियों में छोटी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रहा है। सरकार मार्च 2023 तक तीन बड़ी सरकारी कंपनियों में अपने शेयर बेचेगी। इन कंपनियों का आफर फार सेल (एएफएस) लाने की तैयारी कर रही है। सरकार ने इस साल सरकारी कंपनियों के विनिवेश से 65000 करोड़ रुपए जुटाने का लक्ष्य रखा था अभी इसमें से कुछ 24000 करोड़ तक जुटाया जा चुका है। बाकी इन तीन-चार कंपनियों के ऑफर फॉर सेल से 16000 से लेकर 20000 करोड़ रुपये तक जुटाया जा सकता है।

रिपोर्ट की गई गणना के अनुसार इन तीन कंपनियों के ऑफर फॉर सेल लगभग 16500 करोड़ रुपए या 2 बिलियन डॉलर मिल सकते हैं। कोल इंडिया के ओएफएस में 3 फीसदी शेयर बेचेगी इससे 5000 करोड़ जुटाया जा सकता है। हिंदुस्तान जिंक में 8 फीसदी की हिस्सेदारी बेचकर 10000 करोड़ जुटाने की तैयारी है। वहीं राइट्स में 10 फीसदी हिस्सेदारी के बदले 1000 करोड़ जुटा सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड में सरकार की पूरी हिस्सेदारी की बिक्री को मंजूरी दे दी है। हिंदुस्तान जिंक बहुसंख्यक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी थी। सरकार ने पहले 2002 में फर्म में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी थी जिसे अनिल अग्रवाल के नेतृत्व वाले वेदांत समूह ने खरीदा था। खनन दिग्गज ने बाद में अपनी हिस्सेदारी 64.92 प्रतिशत तक ले जाने के लिए कंपनी में और हिस्सेदारी हासिल कर ली। अन्य मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार इस साल राष्ट्रीय केमिकल्स फर्टिलाइजर्स (आरसीएफ) और नेशनल फर्टिलाइजर्स (एनएफएल) में अपनी 10-20 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की भी योजना बना रही है।

एनसीडी के जरिए 200 करोड़ जुटाने वबाग का एडीबी से समझौता

मुंबई। जल प्रौद्योगिकी कंपनी वीए टेक वबाग ने गैर-सूचीबद्ध गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) के माध्यम से 200 करोड़ रुपए जुटाने के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एनसीडी पांच साल और सात महीने की अवधि के हैं। वबाग ने कहा कि इस एनसीडी को 12 महीने की अवधि में एडीबी सब्सक्राइब करेगा। कंपनी ने कहा कि एनसीडी जारी करके जुटाई गई 200 करोड़ रुपए की पूंजी का उपयोग वबाग की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए किया जाएगा और यह मौजूदा उधारी सीमा के भीतर होगा जिससे कंपनी के ऋण स्तर में वृद्धि नहीं होगी। एडीबी के निजी क्षेत्र संचालन विभाग के महानिदेशक सुजैन गबौरी ने कहा कि बगैर उचित उपचार के अपशिष्ट जल के निपटान ने भारत के जल संसाधनों की गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने कहा ?कि यह परियोजना भारत के जल क्षेत्र में एडीबी द्वारा निजी क्षेत्र को पहला वित्तपोषण है।

आईईएक्स निदेशक मंडल ने शेयर पुनर्खरीद योजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) के निदेशक मंडल ने 98 करोड़ रुपए के शेयरों की पुनर्खरीद के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है। नियामकीय सूचना के अनुसार हाल ही में हुई निदेशक मंडल की बैठक में इस संबंध में निर्णय किया गया। आईईएक्स ने कहा ?कि निदेशक मंडल ने कंपनी के एक रुपए अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता इक्विटी शेयरों की पुनर्खरीद को मंजूरी दे दी है।

भारतीय बाजार में लॉन्च होने वाली है ये 7 सीटर कारें

-नया हेक्टर फेसलिफ्ट भी हो सकती है लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में 7 सीटर कारें लॉन्च होने वाली है। भारत में 7 सीटर कारों की डिमांड लगातार बढ़ती जा रही है। यही वजह है कि भारतीय बाजार में अपने 7 सीटर मॉडल लॉन्च करती हैं। एमजी ने बाजार में टाटा हेरियर हुंडई क्रेटा किया सेल्टॉस जीप कम्पास और अन्य प्रीमियम मिड-साइज एसयूवीएस जैसे प्रतिद्वंद्वियों को लेने के लिए हेक्टर एसयूवी के लॉन्च के साथ अपनी भारतीय शुरूआत की। ब्रांड जल्द ही अपडेटेड डिजाइन नए फीचर्स रिफ्रेश्ड केबिन और बेहतर सेफ्टी फीचर्स के साथ देश में नया हेक्टर फेसलिफ्ट लॉन्च करेगा। महिंद्रा बोलेरो नियो वर्तमान में देश में सबसे सक्षम और वीएफएम एसयूवी में से एक है और भारतीय कार निमार्ता जल्द ही एसयूवी के ज्यादा बड़े संस्करण की तलाश कर रहे खरीदारों के लिए नए बोलेरो नियो प्लस को बाजार में लॉन्च करेंगे। 2022 के अंत तक बिक्री पर जाने की उम्मीद है।

फोर्स गुरखा वर्तमान में देश में सबसे सक्षम 4गुणा4 एसयूवीएस में से एक है और ब्रांड जल्द ही भारत में 5-डोर संस्करण लॉन्च करेगा। चार सीटिंग लेआउट के साथ पेश किए जाने की खबर है नया गोरखा 5-डोर वर्तमान 3-डोर वर्जन की तुलना में काफी बड़ा होगा और उसी मर्सिडीज-बेंज के 2.6एल डीजल इंजन से पावर्ड होगा।भारत में यह नई 7-सीटर एसयूवी थार-सोर्स किए गए 2.2एल एमहॉक डीजल इंजन द्वारा संचालित होने की उम्मीद है और इसे दो सीटिंग कॉनफि गरेशन के साथ पेश किया जाएगा। एक्सटीरियर स्टाइलिंग में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया जाएगा।

विश्व में सर्वोत्तम है भारतीय संविधान: प्रो. रमेश चंद्र सिंह

अवसर

शिक्षकों एवं छात्रों ने संविधान की प्रस्तावना की ली शपथ

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में शनिवार को संविधान दिवस के अवसर पर प्राचार्य प्रो. रमेश चंद्र सिंह की अध्यक्षता में एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्राचार्य प्रो. रमेश चंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान विश्व में सर्वोत्तम है। इस संविधान ने 26 जनवरी 1950 से अद्यतन देश को एकता एवं अखंडता में बांधे रखने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है।

कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना प्रो. राकेश कुमार यादव ने भारत के संविधान के विकास की यात्रा का विस्तार से वर्णन किया और कहा कि भारतीय संविधान में भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के मूल्य 'वसुधैव कुटुंबकम' एवं 'आत्मवत सर्वभूतेषु' सन्निहित हैं। यह विश्व का अनोखा संविधान है।

बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. पंकज सिंह ने बताया कि भारतीय संविधान में स्वतंत्रता, समानता, भातृत्व जैसे मूल्य समाहित हैं। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आलोक प्रताप सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संविधान की उद्देशिका की शपथ डॉ. अवधेश कुमार मिश्रा ने दिलाया। कार्यक्रम का संचालन असि. प्रो. डॉ. जितेंद्र सिंह ने किया।

इस अवसर पर डॉ. अविनाश वर्मा, डॉ. नीलमणि सिंह, डॉ. इंद्र बहादुर सिंह, डॉ. जितेंद्र कुमार, कार्यालय अधीक्षक बिंद प्रताप सिंह, अखिलेश सिंह, गंगा प्रसाद सिंह सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर शपथ लेते छात्र

साक्षरता से होता है सभ्य समाज का निर्माण : मौलाना अब्दुर्रहीम

कार्यक्रम

एम जुबेर ओरिएंटल स्कूल के जूनियर तक की कक्षाओं की रखी गई बुनियाद

जनसंदेश न्यूज

खेतासराय। क्षेत्र के ढाँढवार कलां गांव में शनिवार की सुबह एम जुबैर ओरियंटल स्कूल की नर्सरी से बढ़ा कर जूनियर तक के स्थापना के मौके पर कक्ष की बुनियाद रखी गयी। इस मौके पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बतौर मुख्य अतिथि मदरसा रियाजुल उलूम गुरैनी के नाजिम मौलाना अब्दुर्रहीम ने जूनियर तक के क्लास रूम की बुनियाद रखकर कार्यक्रम को जलसे के साथ आगाज किया। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने ने कहा कि कुरान में पहला शब्द इकरा नाजिल हुआ जिसका मतलब होता है पढ़ो हर इंसान को पढ़ना चाहिए।

शिक्षा ही ऐसा माध्यम है जिससे देश विश्व गुरु बन सकता है। शिक्षा के ही बल पर समाज मे परिवर्तन लाया जा सकता है जिसे एक सभ्य समाज का निर्माण हो सकती है। शिक्षा के माध्यम से ही क्रान्ति लायी जा सकती है। जिसे देश के विश्व गुरु बनने का सपना साकार होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमर आलम ने किया तथा संचालन मो. उजैर ने किया। इस अवसर पर डॉ. अब्दुर्रहमान, अनवारुल हक, डॉ. अलाउद्दीन खान, अबूजर, उमैर अब्दुल्लाह खान आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत मे विद्यालय प्रबंधक मो. आरिफ ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोग

संक्षेप

रावण के अत्याचार से संसार में मचा हाहाकार

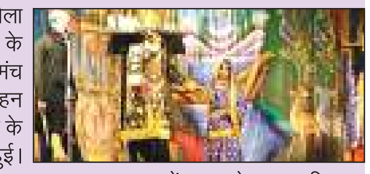

शाहगंज। ऐतिहासिक श्रीरामलीला समिति के तत्वाधान में नगर के गांधीनगर कलेक्टरगंज स्थित मंच पर शुक्रवार की देर शाम अगहन माह की धनुष यज्ञ लीला मंचन के दूसरे दिन की लीला संपन्न हुई। वृंदावन धाम के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत नाट्य कला में रावण के जन्म, विवाह, लंका विजय, और संसार में उसके अत्याचारों से व्याप्त हाहाकार की झलकियां प्रस्तुत की गई। रावण के जीवन चित्रण को देख रामभक्त मुग्ध रहे। रामलीला समिति के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम की आरती के साथ ही दूसरे दिन की लीला का मंचन प्रारंभ हुआ जिसमें आदर्श राजेश्वरी रामलीला मंडली वृंदावन के कलाकार द्वारा मंच पर महाराजा मनु-शतरुपा तप, प्रताप-भानू की कथा, रावण कुंभकरण विभीषण जन्म, रावण विवाह, लंका पर रावण का आधिपत्य, मेघनाथ विजय, रावण का अत्याचार और पृथ्वी पुकार की लीला खेली गई। लंकाधिपति रावण के तीनों लोकों में बढ़ते अधर्म, अनाचार और अत्याचार की झलकियां देख रामभक्तों ने लीला का आनंद उठाया। वहीं मल्लिका म्यूजिकल जागरण ग्रुप द्वारा प्रस्तुत गणपति वन्दन, माता गौरा नृत्य झांकी, जयकाली नृत्य झांकी, शिव पार्वती और राधा कृष्ण भक्ति झांकियों ने श्रोताओं को खासा आकर्षित किया।

जिलाधिकारी ने किया एमआरएफ सेन्टर का उद्घाटन

जौनपुर। स्वच्छ भारत मिशन योजनान्तर्गत निकाय से निकलने वाले कूड़े के निस्तारण हेतु नगर पंचायत मड़ियाहूँ द्वारा ग्राम जमलिया में एमआरएफ सेन्टर का निर्माण कार्य कराया गया है जिसका जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा उद्घाटन किया गया। ग्राम जमलिया में निकाय द्वारा एमआरएफ सेन्टर, एमआरसेन्टर की बाउण्ड्रीवाल व एमआरएफ सेन्टर के सड़क मार्ग का निर्माण कार्य कराया गया है। उक्त के निर्माण से निकाय से निकलने वाले कूड़े को सीधे एमआरएफ सेन्टर पर भेजा जायेगा। उक्त अवसर पर अपर जिलाधिकारी रजनीश राय, नगर पंचायत मड़ियाहूँ की अध्यक्ष रुकसाना कमाल, अधिशासी अधिकारी डा. संजय कुमार, ग्राम जमलिया के प्रधान, रामनगर के ब्लाक प्रमुख तारा देवी पटेल, खण्ड विकास अधिकारी रामनगर व नगर पंचायत मड़ियाहूँ के समस्त सभागसदगण उपस्थित रहे।

पिकअप की चपेट में आने से बाइक सवार घायल

शाहगंज। नगर के आजमगढ़ रोड स्थित नई सब्जी मंडी समीप पिकअप की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुची डायल 112 पुलिस ने उपचार के लिए राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया। नगर के अलीगंज मोहल्ला निवासी 35 वर्षीय सरवर पुत्र शमी अहमद शनिवार की शाम बाइक से सब्जी लेकर घर जा रहा था। नई सब्जी मंडी के समीप पीछे से आ रही तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान हालत गंभीर देखकर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

संविधान की प्रस्तावना का किया गया वाचन

जौनपुर। सचिव पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विवेक विक्रम ने अवगत कराया है कि जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण वाणी रंजन अग्रवाल की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय परिसर में भारतीय संविधान की प्रस्तावना के पाठन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर न्यायिक अधिष्ठान के समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। जनपद न्यायाधीश द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठन किया गया, जिसे उपस्थित सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण द्वारा दोहराया गया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि आज जरूरत इस बात है कि जन-जन तक संविधान की जानकारी उससे प्राप्त मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों के बारे में भारतवर्ष के हर नागरिक को जानकारी हो तब जाकर आने वाले दिनों में संविधान दिवस का यह दिन एक उत्सव के रूप में मनाये जाने कि परिकल्पना साकार होगी। हम सभी लोग भारतीय संविधान के द्वारा यानि विधि के शासन के द्वारा शासित होते है, इसका सम्मान हमारा कर्तव्य है। तदोपरान्त सचिव विवेक विक्रम तथा अपर सिविल जज जू.डि. न्यू कोर्ट तृतीय प्रवीण कुमार यादव द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में मान्यवर कांशीराम इण्टर कालेज शीतलां चौकियां में संविधान दिवस के अवसर पर संविधान की प्रस्तावना का पाठन कराया गया और उपस्थित बच्चों एवं नागरिकों को हमारे भारतीय संविधान को अपनाए जाने की याद में हर साल 26 नवम्बर को देश में संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाता है। वर्ष 1949 में संविधान सभा द्वारा भारतीय संवधिन को 26 नवम्बर को ही अपनाया गया था। वही केन्द्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा 19 नवम्बर 2015 को घोषणा की थी कि 26 नवम्बर को हर साल संविधान दिवस के तौर पर मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रबन्धक डॉ. राजीव रत्न मौर्य, प्रधानाचार्य संतोष कुमार, अध्यापकगण, बच्चें व अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

भदोही। औराई क्षेत्र अन्तर्गत बनौली गांव के पास रेलवे ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को रात्रि में कैयरमऊ गांव निवासी विद्याशंकर सरोज उम्र 21 वर्ष बारात में गया था। वह रात्रि लगभग 12 बजे अपने घर लौट रहा था तभी अचानक ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। सूचना पर औराई पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसके परिजनों ने बताया कि मृतक बिमारी से ग्रस्त था।

जिपं अध्यक्ष व एएसपी ने चालकों को हेलमेट देकर किया जागरूक

ज्ञानपुर। यातायात माह नवम्बर-2022 के दौरान यातायात जागरूकता हेतु चलाए जा रहे विशेष के तहत यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा प्रतिदिन कार्यक्रमों का आयोजन कर छात्र-छात्राओं व वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यातायात जागरूकता हेतु आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के क्रम में शनिवार को पुलिस लाईन ज्ञानपुर में आयोजित यातायात जागरूकता कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती, प्रभारी प्रवर्तन व यातायात ने बिना हेलमेट दोपहिया चालकों को हेलमेट वितरित कर यातायात नियमों के पालन हेतु जागरूक किया। यातायात नियमों की जानकारी विषयक जारी हैंडव्हील पम्पलेट को वितरित किया। जनपद के सार्वजनिक मार्गो, चौराहों व तिराहों पर भी लगातार भ्रमणशील रहकर पुलिस टीमों द्वारा आमजन व वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी ने वाहन चालकों को अवगत कराया कि "सीटबेल्ट" का प्रयोग व दो पहिया वाहन चलाते समय "हेलमेट" का प्रयोग अवश्य करें। यातायात जागरूकता के साथ ही प्रवर्तन की कार्यवाही के दौरान नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए 500 वाहनों का चालान किया गया।

किसान की जड़ खेत व खलियान : बृजभूषण सिह

अवसर

नोनारी में कम्बल समारोह में हजारों की संख्या में लोगों ने लिया भाग

जनसंदेश न्यूज

रामपुर। हम सब किसान हैं व किसान की जड़ खेत खलियान है। खेती बारी से ऐसी स्थिति उत्पन्न करे कि गरीबी भाग जाए। हम सभी को खेती व पशुपालन को बढ़ावा देना चाहिए। उक्त बाते बतौर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष व गोड़ा सासंद बृजभूषण सिह ने नोनारी में पूर्वांचल प्रसार परिषद द्वारा आयोजित विशाल कम्बल वितरण व सम्मान समारोह में शनिवार को विशाल जनसभा को सम्बोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि पशुपालन से निश्चित रूप से आय का श्रोत बढ़ेगा जिससे सुख व शांति आयेगी। उन्होने उदाहरण देते हुए कहा कि एक वर्ग के दरवाजे के सामने थोड़ी सी जगह मे पांच बकरिया रखकर वर्ष में दो से ढाई लाख रुपए की आमदनी कर रहे है। बिना कर्म के कुछ नहीं मिलना है।

अंत मे उन्होंने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की योजनाओं की तारीफ की व किस प्रकार से युवाओं को स्वालम्बी बनाने के लिए नाना प्रकार की योजनाओं का संचालन कर रहे हैं। बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में मछलीशहर सासद बीपी सरोज ने कहा कि नर में नारायण बसते हैं। नर सेवा से बड़ा पुनीत अन्य कोई कार्य नहीं है। ऐसे आयोजन करने वाले निश्चित रूप से भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में एक अहम योगदान दे रहे है। इसी क्रम में एमएलसी बृजेश सिह प्रिंशु ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व बनता है कि आस पास दीन दुखी व असहायों की मदद को आगे आयें।

उन्होने नोनारी प्रधान सिन्टू सिह को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रान्त कार्यवाह काशी प्रान्त मुरलीपाल ने कहा कि सेवा परमो धर्म हमारी संस्कृति है और हमे इसका अनुकरण करना चाहिए। आगन्तुकों को आयोजक जितेन्द्र सिंह व सिन्टू सिंह द्वारा अंगवस्त्रम व स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक दिनेश चौधरी, अध्यक्ष कुश्ती संघ लखनऊ मंडल विनय शाही, पूर्वांचल शिक्षक संघ अध्यक्ष डा. विजय कुमार सिंह, अरविन्द सिह मखड़ू पूर्व प्रमुख, संदीप सिह पूर्व प्रमुख, अजीत सिह, प्रमोद सिह, चन्द्र प्रकाश सिह, डा. चन्द्रेश सिह, ऊधम सिह सहित हजारों लोगो ने भाग लिया।

मोमेंटों प्रदान कर सांसद का स्वागत करते लोग

भगवान व भक्तों की प्रेरक कथा ही भागवत कथा

बोले सलिल महराज

धूमधाम से सम्पन्न हुई भागवत कथा

जौनपुर। शहर में विगत 17 से 23 नवम्बर तक कीर्ति कुंज ज्वेलर्स के सौजन्य से भागवत कथा सम्पन्न हुई जिसके कथा व्यास डा. संजय कृष्ण सलिल महराज वृन्दावन से पधारकर मार्मिक झांकी दृश्य की मदद से सरल भाषा में कथा श्रवण कराया जिसका रसपान जनपदवासी व ग्रामीण भक्तों ने उठाया।कथा प्रारम्भ में एक शोभा यात्रा शहर के मुख्य मार्गो से निकाली गई जिसमें 5 सजे रथ व घोड़े, बड़ी संख्या में सजधज कर नर नारी नाचते गाते बैण्ड बाजे के साथ शामिल हुए।

यह दृश्य लोगों के आकर्षण का केन्द्र बन गया था। कथा के दौरान डा. सलिल ने बताया कि भागवत जी साछात कृष्ण स्वरूप हैं। दूसरे दिन की कथा में बताया कि भागवत का श्रवण मृत्यु सुधारने के लिए है। कथा के तीसरे दिन बताया गया कि सत्कर्म से मनुष्य अंत में हर विघ्न पर विजय प्राप्त कर लेता है। चौथे दिन नंद के घर आनंद भयो जै कन्हैयालाल की, पांचवे दिन गिरिराज जी का पूजन, छठे दिन रासलीला व कृष्ण रूक्मणी विवाह। रासलीला उसे कहते है जो काम पर विजय प्राप्त कर ले तथा अंतिम सातवें दिन सुदामा चरित्र, कृष्ण और सुदामा संवाद का झांकी व कथा द्वारा मार्मिक दृश्य श्रोताओं के सामने प्रस्तुत कर भक्तों का मन मोह लिया। प्रतिदिन कथा में नये-नये अतिथियो के आने से, सुन्दर झाकियों, सरल भाषा में कथा श्रवण व प्रसंग भक्ति गीत व नृत्य ने जनमानस को खूब लुभाया। इस मौके पर आयोजक नन्हे लाल वर्मा ने सम्मान समारोह भी आयोजित किया जिसमे डा. सलिल व उनकी ब्राह्मण टीम, संगीत टीम, नारायण सेवा संस्थान उदयपुर के सभी सहयोगी, चैनल की टीम, पत्रकार बंधु, सामाजिक लोग, कीर्ति कुंज ज्वेलर्स के सहयोगी टीम को स्मृति चिन्ह, उपहार व राधे नामवाली शाल दुपट्टे व भागवत की पुस्तके देकर सम्मानित किया गया। अंत में आयोजक नन्हे लाल वर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर संविधान दिवस का आयोजन

जनसंदेश न्यूज

ज्ञानपुर। संविधान दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी भदोही के तत्वाधान में गिरधरपुर स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में भारत का संविधान सेमिनार का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित केशव कृपाल महराज जी ने कहा कि जिस तरह हम किसी व्यक्ति का जन्मदिन तो मनाते हैं चाहे वह हॉस्पिटल में ही क्यों न भर्ती हो। ठीक उसी तरह आज हम संविधान दिवस तो मना रहे मगर आज हमारा संविधान बीमार है और हॉस्पिटल में भर्ती है। आज देश की सत्ता पे आसीन सरकार लोगो के मौलिक अधिकारों की हत्या कर देश के संविधान को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रोफेसर निरपत यादव व कृष्णावतार त्रिपाठी राही ने संयुक्त रुप से कहा कि राहुल गांधी जी को साधुवाद है कि भारत के ताने बाने गंगा जमुनी तहजीब को कायम रखने के लिए भारत के संविधान की आत्मा के मूल को जीवित रखने के लिए को भारत जोड़ों यात्रा पर हैं।

सेमिनार का संचालन उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव वसीम अंसारी ने किया। सेमिनार में मुख्य रुप से पंडित राजेंद्र कुमार दूबे राजन, सुरेश चंद्र मिश्रा, दीना नाथ दूबे, राजेश्वर दूबे, लक्ष्मी शंकर चौबे, नाजिम अली, संदीप दूबे,अकबर अंसारी, आनंद मौर्य, महेश मिश्रा, अशोक मिश्रा, इबरार अली, रंगनाथ दूबे, सैफ अली बाबू, फरीद कुरैशी, लालमणि चौरसिया, शशांक तिवारी, मनोज जायसवाल, राम मूरत पाल, पिंटू पांडेय, रोशन अली, सोनू हाशमी, नितिन सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

बाइक से गिरकर महिला की मौत

शाहगंज। कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत बड़ौना गांव निवासी एक महिला सड़क दुघर्टना में बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजनों ने इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। रास्ते में ही महिला की मौत हो गई। क्षेत्र के बड़ौना गांव निवासी 50 वर्षीय शोभावती पत्नी निर्मल शनिवार को अपने भतीजे के साथ बाइक से बड़ागांव बाजार करने जा रही थी। घर से 500 मीटर की दूरी पर मलहज मोड़ के समीप बाइक अनियंत्रित हो गयी और गिरने से महिला के सिर में गंभीर चोट लगने से वह बेहोश हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने आनन-फानन में इलाज हेतु राजकीय चिकित्सालय लाये जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देख जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। इलाज के लिए जाने के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बगैर शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

शिक्षक की भूमिका में डीएम ने बच्चों से किया सवाल जवाब

औचक निरीक्षण

प्राथमिक विद्यालय महजूदा का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

सही जबाब मिलने पर छात्रो को टाफियां देकर डीएम ने बढ़ाया उत्साह

सुरियावां। सुरियावां विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय महजूदा का शनिवार को जिलाधिकारी गौरांग राठी ने औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान शिक्षक की भूमिका में विद्यार्थियों से सवाल जवाब किया व प्रश्नों के सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को टॉफी देकर हौसला बढ़ाया। प्राथमिक विद्यालय महजूदा के विद्यार्थियों से डीएम गौरांग राठी ने लगभग आधे घंटे तक सवाल जवाब कर शिक्षा के गुणवत्ता की जाँच की, सही उत्तर देने पर डीएम ने बच्चों को टाफियां वितरित कर उत्साह बढ़ाया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एमडीएम के गुणवत्ता की जाँच की व बालक बालिका शौचालय देखने के बाद डीएम ने मल्टीपल हैंडवाश की व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया।डीएम के निरीक्षण में सभी अध्यापक व रसोइया मौजूद रहें। विद्यालय के बच्चों में शिक्षा की गुणवत्ता देखकर जिलाधिकारी खुश दिखे। संकुल भवन, पब्लिक एड्रेस सिस्टम व कायाकल्प योजना के अंतर्गत कराये गये कार्यो को लेकर डीएम ने ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय की सराहना की। डीएम के निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय ने ग्राम महजूदा को जिलाधिकारी से गोद लेने की अपील की, जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान को स्मार्ट गाँव बनाने का निर्देश दिया।

प्राथमिक विद्यालय महजूदा के बच्चों से पढ़ाई लिखाई की जानकारी लेते डीएम गौरांग राठी

वुडवॉर्ड पब्लिक स्कूल मे हुआ वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

भदोही। वुडवॉर्ड पब्लिक स्कूल मे शनिवार को वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमे कक्षा एक से बारह तक के छात्र शामिल हुए, जिनको तीन समूहों में बाटा गया, सब जूनियर जूनियर तथा सीनियर। सभी समूहों को अलग अलग विषय दिया गया था। सीनियर वर्ग में रेड हाउस और येलो हाउस को क्या सोशल मीडिया को प्रतिबंधित कर दिया जाय तथा ब्लू हाउस तथा ग्रीन हाउस को क्या इंटरनेट शिक्षा के लिए जरुरी है विषय दिया गया था जिस पर बच्चो ने अपना-अपना पक्ष रखा। फाइनल राउंड रेड हाउस और ग्रीन हाउस के बीच हुआ जिसका परिणाम बाद में घोसित किया जायेगा। निर्णायक की भूमिका में गीता नायर अबू तुराब और नरगिस फातिमा रही। इस प्रतियोगता का संचालन स्कूल के प्रशासक राजीव मौर्य ने किया। रेड हाउस से अदिति, प्रियदर्शनी, आदित्य यादव, अंकुर श्रीवास्तव, अंजलि दुबे, शिवम् दुबे, स्नेहा मौर्य, ब्लू ग्रुप से करन चौरसिया, आयुषी श्रीवास्तव, भाव्या गुप्ता, आयुष दुबे, अंजलि विष्वकर्मा, प्राणवी मिश्रा, श्रेया तिवारी, इशिका श्रीवास्तव। येलो हाउस से आयुष मौर्य, खुशी जायसवाल, प्रदीप्ति शुक्ला, दीक्षा दुबे, प्रियांशी राय, आयुषी राय तथा ग्रीन हाउस से प्राची बिन्द, हर्ष जायसवाल, मेधांश भट्ट, गार्गी त्यागी, सक्षम पांडेय, तथा उमरा महफूज आदि ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल शालिनी मेहरा ने कहा की बच्चो ने इस प्रतियोगता में अपनी बातो को बहुत ही प्रभावी ढंग से रखा और उनके तर्क निरुत्तर कर देने वाले थे। इस प्रतियोगता के पूर्व सविधान दिवस के अवसर पर सभी ने सविधान की प्रस्तावना को विद्यालय के सभी छात्रों एवम शिक्षकों द्वारा पढ़ा गया।

वुडवॉर्ड पब्लिक स्कूल मे वाद विवाद प्रतियोगिता में शामिल बच्चे व शिक्षक

जनसंदेश टाइम्स प्रा.लि.के लिए **प्रवीण कुमार कुशवाहा**, सी 28 /121, तेलियाबाग, प्रथम तल, वाराणसी से प्रकाशित एवं मीडिया टेक्स्ट (Media Text) प्रा.लि. प्रेस, रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित।
प्रधान सम्पादक - सुभाष राय
स्थानीय सम्पादक -प्रवीण कुमार कुशवाहा
पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बन्धित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
फोन नं. 8177008889
आरएनआई नं. **UPHIN/2012/46221**
डाक पंजीयन सं.: जीपीओएलडब्ल्यू / एनपी - 78/2011-13।

मानसिक परीक्षण के पश्चात दिया गया परामर्श

ज्ञानपुर। जिला मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ भदोही की टीम के द्वारा बामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन पुलिस लाइन भदोही का भ्रमण किया। इस दौरान जिला मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ भदोही के मनोचिकित्सक डा. अभिनव पाण्डेय ने उपस्थित लोगों का मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण किया और परामर्श प्रदान किया। नैदानिक मनोवैज्ञानिक डा. अशोक पाराशर ने उपस्थित लोगों को काउंसलिंग किया। इस दौरान प्रतिसार निरीक्षक प्रमोद कुमार दुबे, डॉ. अजरा खान, डॉ. श्रीराम, डॉ. मोहम्मद अनीस, हेड कांस्टेबल नगीना यादव आदि उपस्थित रहे। इसके बाद जिला मानसिक स्वास्थ्य प्रकोष्ठ की टीम ने जिला कारागार ज्ञानपुर भदोही का भ्रमण करते हुए उपस्थित मानसिक बंदियों को परामर्श प्रदान किया।

एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष हाजी शौकत का स्वागत

बोले हाजी शौकत

एक जुट हो कर एआईएमआईएम के प्रत्याशी को जिताए

भदोही। ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी का शनिवार को कार्यकर्ता सम्मलेन चौरी रोड स्थित मैरीज लॉन में आयोजित किया गया। जहां पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत हाजी सुहैल अंसारी और सेराज अंसारी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने जोरदार ढंग से किया। सम्मेलन के मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हाजी शौकत अली ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर निकाय चुनाव पार्टी पूरे दमखम से लड़ेगी। चेयरमैन गाजियाबाद सहित दर्जनों सभासद पार्टी के प्रदेश में जीते हुए हैं। जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ा प्रदेश में 24 सदस्य पार्टी के हैं।

पार्टी 2014 से उत्तर प्रदेश में काम कर रही है। विधानसभा चुनाव 2017 में 32 सीटें, 2022 में 95 सीटों पर चुनाव लड़ा इस दौरान बैरिस्टर असउद्दीन ओवैसी ने 150 जनसभाएं उत्तर प्रदेश में किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बीते विधानसभा चुनाव में 82 परसेंट मुसलमानों ने सपा को वोट दिया, इतने परसेंट तो सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के बिरादरी के लोगों ने सपा को वोट नहीं दिया। बीजेपी के बी टीम के इल्जाम लगाने वाले अपने ही कौम के लोग हैं जो किराए के सपाई हैं। कॉंग्रेस की सरकार में बाबरी मस्जिद में मूर्ति रखी गयी। भाजपा सरकार में एक कौम के लोगों को परेशान किया जारहा है। लोकतांत्रिक देश में उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाना हो तो एआईएमआईएम पार्टी को मजबूत करें जो शिक्षा की बात करती है, भाईचारगी की बात करती है। इस दौरान जिलाध्यक्ष नियाज अहमद, सेराज अंसारी, रियासु अहमद, हुसैन अली अंसारी, बोदा अंसारी, सलमान हाशमी, हाजी ताबिश, हाजी कैश, रुखसाना खान, इसरार अहमद, शेर अली, नफीस अहमद, डॉ. बलिराज, बाबू अशरफ आदि मौजूद रहे।

कार्यकर्ता सम्मेलन में अपनी बातों को रखते एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष हाजी शौकत अली

प्रदेश अध्यक्ष हाजी शौकत का इंतेजार करते एआइएमआईएम के कार्यकर्ता सेराज अंसारी के साथ अन्य

जिले के समस्त थानों पर आयोजित किया गया थाना समाधान दिवस

भदोही। जनपद के समस्त थानों पर शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने थाना सुरियावा, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती एवं क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर द्वारा थाना ऊंज पर थाना समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की समस्याओं को सुनकर कुछ का मौके पर निस्तारण गया तथा कुछ के गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बंधित को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने समस्याओं के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के क्रियान्वयन की दिशा में राजस्व लेखपालों की टीम द्वारा दोपहर एक से 2 बजे एक घंटे मौके का स्थलीय मुआयना करते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराए जाने का निर्देश दिया तथा उच्च अधिकारियों द्वारा फोन से शिकायत कर्ताओं से फीडबैक लिए जाने का भी निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सुरियावां में नाली के स्लेप के ऊपर किये गए अवैध अतिक्रमण को हटवाने का निर्देश थानाध्यक्ष सुरियावा को दिया। जमीन सम्बंधित थाना स्तर, आइजीआरएस या अन्य सभी माध्यमों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों को थाना समाधान दिवस रजिस्टर में अंकित करने एवं दोनों पक्षों को सूचित करते हुए पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर प्रकरण का निस्तारण करते हुए रिपोर्ट आख्या दोनों पक्षों के समक्ष ही बना कर उनके हस्ताक्षर कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

एस. अतिबल: कैमरे और कलम की 'एकल युगलबंदी'

मेरे स्मृति पटल पर सर्वदा के लिए अंकित हो अतिबल...

पुण्य स्मरण

वरिष्ठ पत्रकार पद्मपति शर्मा का संस्मरण

अखबार के पन्नों पर वाकई उनकी बोलती थीं तस्वीरें

अतिबल सिर्फ छायाकार ही नहीं, साहित्यकार-पत्रकार भी रहे

पद्मपति शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

राधेश्याम कमल

आज भी तुम बहुत याद आते हो अतिबल। मौत से हालांकि कोई भी जीत नहीं सकता। तुम तो मौत से भी जंग लड़ते रहे। लेकिन तुम इतनी जल्दी इस दुनिया को अलविदा कर दोगे, यह कभी सोचा भी नहीं था। अखबार के पन्ने पर एस. अतिबल की खींची गई तस्वीर वाकई बोलती थी। अतिबल महज एक छायाकार ही नहीं एक पत्रकार भी रहे। पत्रकारिता की दुनिया में अब शायद दूसरा अतिबल नहीं मिलेगा। यह संस्मरण शहर के वरिष्ठ पत्रकार व खेल समीक्षक पद्मपति शर्मा का है। जिन्होंने कभी एक साथ एक अखबार में कार्य किया। पद्मपति शर्मा संस्मरण को याद करते हुए बोले- लोग कहते हैं कि कैमरा चित्र बनाने के काम आता है लेकिन यह आधा सच और आधी हकीकत है। कैमरे की एक दृष्टि होती है, जो तस्वीर को सजीव बनाती है। एस.अतिबल एक छायाकार ही नहीं थे। सही मायने में वह एक साहित्यकार थे। मुक्तिबोध, नागार्जुन उनके प्रिय कवियों में से थे। अतिबल से मेरा परिचय आधी सदी में हुआ था। उन दिनों मैं स्ट्रगल कर रहा था कि हम पत्रकारिता में जाये कि नहीं। उस समय अतिबल से मुझे बहुत ही सहारा मिला। अतिबल में एक सकारात्मकता थी। वह नये-नये सोपान, नये नये आयाम गढ़ते गये। अतिबल की खींची गई तस्वीरें वाकई बोलती थी। हम जब अखबार में गये तो मेरा पहला कार्य था अतिबल को लाना। उन दिनों श्रद्धेय दीनानाथ गुप्त ने अखबार में तस्वीर बोलती है, का आइडिया दिया था। उनकी पहल पर अतिबल रोजाना फोटो खींच कर ले आते थे, जो प्रकाशित होने पर चर्चा का विषय बन जाती थी। अखबार में नौकरी के ही दौरान अतिबल ब्रेन ट्यूमर के शिकार हुए। हम उनसे कहते थे कि तुम आराम करो लेकिन वे कहते थे कि मेरी जिंदगी में आराम कहां है। वैसे तो कई फोटोग्राफर हैं लेकिन अतिबल जैसा शायद ही कोई फिर पैदा हो। उनका कहना था कि किसी को छोड़ना भी नहीं और किसी को छेड़ना भी नहीं। एक बार हम, मेरे छोटे भाई राधेश्याम शर्मा, एस. अतिबल व वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार शिवप्रसाद सिंह (स्मृति शेष) सासाराम एक विवाह समारोह में गये थे। जहां पर जनवासे में नर्तकी को इनाम (रुपया) देते समय अतिबल ने शिवप्रसाद सिंह की फोटो खींच ली थी। जिसे देख कर शिवप्रसाद जी भी आश्चर्यचकित हो गये थे।

मेरे लिए अतिबल जी गुरु सरीखे रहे: सुधेन्दु पटेल

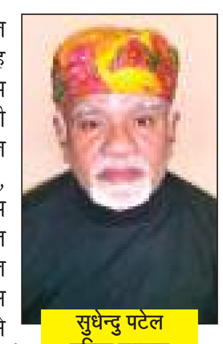

सुधेन्दु पटेल
वरिष्ठ पत्रकार

वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार व समानवादी चिंतक सुधेन्दु पटेल ने एस.अतिबल को गुरु का दर्जा दिया। उनकी स्मृतियों को जब हमने कुरेदना शुरू किया तो वह पहले मुस्कुराए फिर बोले, एस.अतिबल के बारे में क्या कहें। जितना कहेंगे, कम ही होगा, एक दशक का साथ था, लेकिन उस एक दशक का साथ आज भी किसी एक जन्म सा लगता है। उस दौर को याद करते हुए सुधेन्दु जी बताते हैं कि अतिबल जी ने लेखनी, फोटोग्राफी को उस दौर में भी जीवंत किया था आज लोगों के समक्ष तमाम संसाधन होने के बाद भी खबरों को पेश करने में निपुणता नहीं दिखा पाते जबकि उस दौर में भी अतिबल जी जुनूनी तो थे ही, लेखनी से कल्पना को साकार कर देते थे।

अतिबल में फोटोग्राफी का जुनून था

एक पुरानी स्मृतियों को साझा करते हुए सुधेन्दु जी ने बताया कि एक बार दक्षिण भारत से एक कलाकार आये थे जो नाद्स्वरम(शहनाई) बजाने वाले थे। अतिबल जी को पता चला तो गंगा किनारे वह पहले ही पहुंच गये कि बेहतर फोटो के साथ ही बोलती तस्वीर मिल सके। इसके लिए वो गंगा में सीने के बराबर पानी में उतर गये और वहां से फोटो लीं। वो भी एक दौर था, जब फोटो बनाना भी एक चुनौती का कार्य हुआ करता था। इसके साथ ही उन्होंने दुर्गा घाट पर प्रति माह पूर्णिमा पर आयोजित होने वाले एक कार्यक्रम का भी जिक्र करते हुए उनकी निर्भीकता को भी बताया, इमरजेंसी में कुछ माह जेल भी रहने का जिक्र किया। सुधेन्दु जी बताते हैं कि असमय अतिबल जी का जाना सभी के लिए दुखद है। नई पीढ़ी को उनसे सीखना होगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कहना तो मुश्किल है कि उनके जैसी अब प्रतिभा नहीं है लेकिन अभी कुछ लोग फोटोग्राफी में ऐसे हैं जो जुनून जैसा कार्य करते हैं।

एक व्यक्ति में तीन प्रतिभाओं का संगम

सुधेन्दु जी ने एस.अतिबल जी की स्मृतियों को जीवंत करते हुए बताया कि अब ऐसी प्रतिभा न के बराबर है। फोटोग्राफी के साथ लेखन और एक कवि की भी भूमिका तीन अलग-अलग विधा है, लेकिन इन तीनों विधाओं को अतिबल जी ने एक साथ जीया है। ऐसी प्रतिभा कम ही जन्म लेती है। बताया कि लेखन के साथ ही बेहतर फोटो के लिए भी उनका नजरिया चमत्कृत कर देता था। इसके साथ ही कवि के रूप में भी वह लोगों को झकझोर देते थे। लोगों को लगता कि कोई उनकी ही व्यथा-कथा कह रहा है। सुधेंदु कहते हैं कि एक दशक तक साथ रहने का मौका मिला, इस अर्थो में उनसे रोजाना कुछ न कुछ सीखने को ही मिला। इसलिए उन्हें गुरु की संज्ञा देना ही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि है।

अतिबल जी हमेशा जीवंत रहेंगे

सुधेन्दु जी ने कहा कि आज भले ही अतिबल जी हम लोगों के बीच नहीं है लेकिन उनकी स्मृतियां हमेशा हम लोगों के बीच जीवित रहेंगी, प्रत्यक वर्ष उनके स्मृति को छायाचित्र के माध्यम से जीवंत रखना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

अतिबल को सामाजिक घटनाओं ने बना दिया पेशेवर पत्रकार

विजय नारायण
समाजवादी चिंतक

सामाजिक सरोकार की फोटोग्राफी और संवेदनशील लेखन

रवि प्रकाश सिंह

वाराणसी। विलक्षण प्रतिभा के धनी एस. अतिबल को यूं ही नहीं बतौर फोटोग्राफर देश में याद किया जाता है। उनकी एक क्लिक न जाने कितने मैगजीन और अखबारों को फर्श से अर्श पर पहुंचा दिया। बहुत कम ही सुनने को मिलता है कि एक अच्छा फोटोग्राफर सरोकारों से जुड़ा संवेदनशील लेखन भी करता पाया जाए। लेकिन अतिबल के अंदर ये दोनों प्रतिभा थी। या कह लें ये कुदरती थीं। क्यों था ऐसा, भावनाओं से जुड़ शख्स थे। छायाकारी में तो उनके आगे पीछे भटकने वाला कोई नहीं था, वहीं लेखनी में उनका कोई तोड़ नहीं। इसी बल ने उनको अतिबल बना दिया। बात हो रही है वाराणसी और प्रदेश में तब छाए रहे छायाकार अतिबल की। अतिबल जिनकी याद में छायाचित्र प्रतियोगिताएं वाराणसी में होती हैं। अतिबल के बारे में प्रख्यात समाजवादी नेता और चिंतक विजय नारायन जी कहते हैं कि अतिबल की जितनी अच्छी फोटोग्राफी थी उससे कहीं अच्छी लेखनी। ये लेखनी उनके अंदर सामाजिक घटनाओं ने पैदा की। वह किसी भी घटना को जब अपने कैमरे में कैद करते तो साथ ही उसकी संवेदनाएं फौरन विश्लेषण सहित उनके मष्तिस्क में कैद हो जातीं। उसके मर्म को महसूस करते और उसे अपनी कलम की धार देते। भदोही में जन्मे अतिबल का वाराणसी से आत्मीय लगाव था। यही वजह रही कि बिहार के एक अखबार के लिए फोटोग्राफी की, लेकिन मन नहीं लगा तो वाराणसी लौट आये। वाराणसी में भी अखबारों से जुड़े और उन्होंने खुद को इस विधा में स्थापित कर दिया। अतिबल की छायाचित्र को केवल वाराणसी ही नहीं बल्कि देश की प्रतिष्ठित प्रतिकाओं में जैसे धर्मयुग आदि में उनके चित्रों को हाथों हाथ लिया जाता था। विजय नारायन बताते हैं कि फोटोग्राफी के साथ उनकी लेखनी के क्षेत्र में आने का मन हो आया, क्योंकि उन्हें लगता था कि वह अच्छा लेखन कर सकते हैं। अतिबल सामाजिक घटनाओं को कवर करते-करते काफी अनुभव हो गया था। ऐसे में बतौर रिपोर्टर उन्होंने वाराणसी में प्रिंट मीडिया ज्वाइन किया। लेकिन फोटोग्राफी कभी नहीं छोड़ी।

कबीर दास से थे प्रभावित

विजय नारायण जी बताते हैं कि कबीर दास का उनके जीवन पर काफी प्रभाव था और कबीर दास पर अक्सर लिखते भी थे। कबीर मठ में आते जाते उनका महंत विवेक दास से गहरा संबन्ध या कह लें दोस्ती हो गयी थी। विवके दास के आग्रह पर वह कबीर मठ में ही रहने लगे। हालांकि काफी समय तक वह अगस्तकुंडा में रहे। यहां रहते हुए उन्होंने अंतरजातीय विवाह किया और इसका काफी विरोध दोनों परिवारों की तरफ से हुआ। लेकिन वह नहीं टले।

कुछ समय गुंजेश्वरी प्रसाद के यहां रहे

शादी के बाद कुछ दिनों तक वाराणसी छोड़ कर गोरखपुर में रहे। यहां वह समाजवादी नेता और वरिष्ठ साहित्यकार गुंजेश्वरी प्रसाद के यहां रहने लगे। यहीं पर उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। हालांकि कुछ समय बाद वह फिर वाराणसी लौट आये। यहां पिता ने उनके लिये तिलभांडेवश्वर में मकान खरीदा। इस बीच उन्हें एक गंभीर बीमारी ने इस कदर जकड़ा कि फिर उबर नहीं पाये और बीएचयू में उन्होंने अंतिम सांस ली। हालांकि बीमारी के दौरान उनका पूरा परिवार उनके साथ था।

बच्चे की प्रेरणा से खिलौना लाइब्रेरी का सपना किया साकार : प्रवीर

मिसाल

दूसरों के बच्चे खिलौने से वंचित न रहें, इसलिए इस मुहिम को शुरू कर दिया

लोगों से है अपील, इस मुहिम में भागीदारी कर प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों तक पहुंचाएं खिलौना

जनसंदेश न्यूज

खिलौनों के बीच खेलते बच्चे

वाराणसी। एक दिन घर में मेरे बैग में कुछ पहिया जोड़कर खिलौना बनाने वाले अपने बच्चें को देख मन द्रवित हो उठा, फिर क्या था मन में विचार आया कि फिर कोई मध्यम वर्गीय का बच्चा खिलौने से वंचित ना हो इसके लिए कुछ नया करना होगा, नौकरी में एरियर का पैसा मिला तो खिलौना लाइब्रेरी को स्थापित कर दिया। वर्तमान समय में शहर में दो विद्यालयों में खिलौना लाइब्रेरी स्थापित है, 100 से ज्यादा इन दोनों विद्यालयों में खिलौने हैं बच्चों के हंसते चेहरे को देख जो सूकून मिला उसकी परिकल्पना नहीं की जा सकती।

इंश्योरेंस कंपनी में कार्य करने वाले 60 वर्षीय प्रवीर अग्रवाल बताते हैं कि अब इस मुहिम को सिर्फ काशी में ही नहीं बल्कि देश भर में फैलाना है। पहले मलदहिया स्थित प्राथमिक विद्यालय में इस लाइब्रेरी को स्थापित किया अब पिशाच मोचन स्थित प्राथमिक कन्या विद्यालय में बच्चों के लिए इस लाइब्रेरी को खोला गया है। प्रवीर बतातें हैं कि मुख्यमंत्री के सर्व शिक्षा अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाना है और इसमें सभी का सहयोग चाहिए। कहा कि जैसे किसी व्यक्ति को रोटी कपड़ा और मकान एक जरुरत होती है ठीक उसी तरह बचपन को खिलौना भी एक जरुरत है। दुलार देकर उसके बचपन को जिन्दा रख सकते हैं हम और इसमें खिलौना लाइब्रेरी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी ।

पिशाच मोचन प्राथमिक कन्या विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अनिता श्रीवास्तव ने बताया कि जब हमें पहली लाइब्रेरी के खुलने की सूचना मिली हम सब प्रवीण से मिलने को उत्सुक थे कि उन्होंने स्वयं विद्यालय में दस्तक दे दी। प्रवीण बताते हैं कि अपने बच्चों को बचपन में खिलौने नहीं दे पाया। इसकी कसक अब भी है। कमाई का बड़ा हिस्सा बेटी तनिष्का की आंख की बीमारी में लग जाता था। तभी से मन में भाव जगा कि उन बच्चों तक खिलौनों को पहुंचाऊंगा जो इससे वंचित रह जाते हैं। बहरहाल, यहां के बच्चे स्कूल में इससे खेल सकेंगे। आगे इस प्रयोग को न सिर्फ और स्कूलों तक करने की सोच है, बल्कि इसे हर विद्यालय तक ले जाने का संकल्प है।

ऐसे कार्य करेगी खिलौना लाइब्रेरी

प्राथमिक विद्यालय में स्थापित खिलौना लाइब्रेरी में रखे खिलौनों को छात्र-छात्राओं के नाम से एलॉट किया जायेगा इसके बाद कुछ घंटों का ग्रेस समय देने के बाद उनसे खिलौना लाइब्रेरी में जमा करवा लिया जायेगा, सभी खिलौनों की जिम्मेदारी वहां के शिक्षकों की होगी।

लोगों से करेंगे अपील : प्रवीर

प्रवीर बताते हैं कि मकर संक्रांति हो या फिर अन्य धार्मिक आयोजन लोगों की ओर से जिस तरह से निराश्रितों में दान में किया जाता है ऐसे ही उन लोगों को खिलौना दान देने के लिए प्रेरित किया जायेगा। ताकि विद्यालयों के लाइब्रेरी में ज्यादा से ज्यादा खिलौना जमा हो सके। प्रवीर बताते हैं कि सौ रुपये से लगायत दो हजार रुपये तक के इस लाइब्रेरी में ख्लिौना उपलब्ध है।

बौद्धिक क्षमता विकास वाले भी खिलौने

प्रवीर बताते हैं कि खिलौना लाइब्रेरी में सिर्फ ऐसे ही खिलौने नहीं हो जिसे मनोरंजन के रुप में लिया जा सके बल्कि इस लाइब्रेरी में बच्चों के बौद्धिक क्षमता को विकसित करने वाले भी खिलौनों को तरजीह दी गयी है। ताकि खेल-खेल में उन्हें शिक्षित करने के साथ ही उनकी बौद्धिक क्षमता भी विकसित हो सके।

दशाश्वमेधघाट पर आयोजित एस. अतिबल छायाचित्र प्रतियोगिता में सम्मानित छायाकार

अतिबल का जीवन आदर्शमय रहा: कमिश्नर

दशाश्वमेधघाट पर उनकी स्मृति में छाया चित्र प्रदर्शनी लगी

21 छायाकारों के चित्र लगाये गये

शंकर चतुर्वेदी छायारत्न सम्मान से नवाजे गये

छायाकार शंकर चतुर्वेदी को छायारत्न से सम्मानित करते कमिश्नर कौशलराज शर्मा

वाराणसी। काशी के वरिष्ठ छायाकार व पत्रकार एस.अतिबल का पूरा जीवन ही आदर्शमय था। उनमें एक साथ दो विधाएं थी। जो बहुत ही दुर्लभ माना जाता है। समाज में उनकी निष्पक्षता भी थी। जिसके चलते वह लोगों के बीच एक अलग दिखते थे। यह उद्गार कमिश्नर कौशल राज शर्मा ने शनिवार को काशी पत्रकार संघ से संचालित वाराणसी प्रेस क्लब एवं गंगा सेवा निधि के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को दशाश्वमेधघाट पर अपराह्न में एस. अतिबल छायाचित्र प्रतियोगिता/प्रदर्शनी में व्यक्त किये। मुख्य अतिथि कमिश्नर कौशलराज शर्मा ने कहा कि कैमरा म्यूजियम बनाने का छायाकारों का सुझाव काफी अच्छा है। कहा कि आज कैमरे से फोटो खींचने की कला कम हो गई है। 2000 में हमने भी मिनाल्टा कैमरा खरीदा था। जो आज भी हमारे पास रखा गया है। कहा कि गंगा के साथ ही वरूणा की भी सफाई हो रही है। वरूणा की सफाई का हम प्रयास करेंगे कि वह जल्दी हो। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार योगेन्द्र नारायण शर्मा, केडीएन राय, पत्रकार संघ के अध्यक्ष सुभाष सिंह व महामंत्री डा. अत्रि भारद्वाज ने भी विचार व्यक्त किये। संचालन अनिरूद्ध पांडेय ने किया। इस मौके पर नगर 21 छायाकारों के चित्रों की प्रदर्शनी लगायी गई थी। जिसमें सुशील त्रिपाठी स्मृति चिह्न, मंसूर आलम स्मृति चिह्न व विजय सिंह स्मृति चिह्न से छायाकारों को सम्मानित किया गया। इनमें छायाकार मदन मेहरोत्रा, संतोष यादव, राजू सिंह दुआ, नरेन्द्र यादव, मोहम्मद मुकीद (अरविंद मिश्र) अमन यादव, अनिल मिश्र रहे । जनसंदेश टाइम्स के छायाकार शंकर चतुर्वेदी को छायारत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कमिश्नर ने सभी को स्मृति चिह्न, अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। निर्णायक मंडल में मनीष अरोड़ा व डा. शत्रुघ्न प्रसाद रहे। इस मौके पर भारी संख्या में पत्रकार व छायाकार मौजूद थे।